Page 11

खेल

एशिया कप 2025 से पहले, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी अग्निपरीक्षा

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 09

देश

पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ धरने पर बैठे विधायक रविन्द्र सिंह, माटी थाना इंचार्ज...

शुक्ल पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • गुरूवार • 07 अगस्त 2025 • वर्ष 27 • अंक 237 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 93,800	₹ 1,16,000

आज का इतिहास

1941 : नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कवि एवं लेखक रवींद्रनाथ टैगोर का निधन हुआ। इन्होंने ही भारत का राष्ट्रीय गान लिखा।

1985 : गीत सेठी विश्व अमेचर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीतने वाले तीसरे भारतीय बने।

न्यूज बाइट्स

शिक्षकों के लिए म्यूचुअल ट्रांसफर पोर्टल शुरू

पटना (नि.सं.) । बिहार के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। शिक्षा विभाग बुधवार को पारस्परिक (म्यूचुअल) तबादले के लिए ई-शिक्षा पोर्टल फिर से खोल दिया है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पोर्टल एक महीने तक खुला रहेगा, जिससे शिक्षकों को आवेदन करने के लिए पूरा समय मिल सकेगा और किसी भी तरह की जल्दबाजी से बचा जा सके।

22 अगस्त को पीएम नरेन्द्र मोदी का बिहार दौरा

पटना (नि.सं.) । बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लगभग हर महीने राज्य का दौरा हो रहा है। उनके अगले बिहार दौरे की तारीख आ गई है। पीएम मोदी शुक्रवार, 22 अगस्त को गयाजी में जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे राज्य को कई सौगात देंगे। गयाजी जिले में होने वाले प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बुधवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट्स के अनुसार प्रधानमंत्री की गयाजी जिले में बेलागंज विधानसभा क्षेत्र के पाली गांव में जनसभा हो सकती है। सरकार के मंत्री और प्रशासनिक पदाधिकारी इसकी तैयारियों में जुटे हैं। जल्द ही आधिकारिक रूप से सभा स्थल की घोषणा की जाएगी। पीएम मोदी पिछले महीने ही मोतिहारी आए थे। उन्होंने शहर के गांधी मैदान से लगभग 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया था। इसके अलावा उन्होंने पटना और मोतिहारी से नई दिल्ली समेत कुल 4 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

शिक्षा विभाग का बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, कई जिलों में बदले गए कार्यक्रम पदाधिकारी

औरंगाबाद समेत डेढ़ दर्जन जिलों को मिले नए डीपीओ-पीओ

• 21 अफसरों की प्रतिनियुक्ति पर पोस्टिंग

निज संवाददाता | पटना

बिहार शिक्षा विभाग ने बुधवार को एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 21 अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति के आधार पर नई तैनाती की है। यह तैनाती जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) और कार्यक्रम पदाधिकारी (पीओ) के पदों पर की गई है। इस संबंध में आदेश शिक्षा विभाग के निदेशक (प्रशासन) मनोरंजन कुमार के हस्ताक्षर से जारी किया गया। जिन अधिकारियों की नई तैनाती हुई है, वे सभी बिहार शिक्षा सेवा के प्रशासनिक उप संवर्ग से हैं। नई नियुक्तियों में प्रदेश के लगभग डेढ़ दर्जन जिलों को शामिल किया गया है। विभाग ने अधिकारियों की तैनाती से संबंधित सूची भी जारी की है। जारी आदेश के अनुसार, बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड की प्रियंका रानी को सारण का कार्यक्रम पदाधिकारी बनाया गया है, जबकि बक्सर के डीपीओ मो. शारिक अशरफ को भोजपुर भेजा गया है। खगड़िया के पीओ निशीथ प्रणीत सिंह अब कटिहार में कार्यक्रम पदाधिकारी के रूप में कार्यभार संभालेंगे। पूर्णिया के डीपीओ संजय कुमार को सहरसा में प्रतिनियुक्त किया गया है, वहीं अररिया के डीपीओ रवि रंजन को भी कटिहार भेजा गया है। जमुई के पीओ अमृतेश आर्यन अब औरंगाबाद में कार्यरत होंगे। भागलपुर के पीओ शिव कुमार वर्मा को नवादा, जमुई की पीओ सोनी कुमारी को मुंगेर, गोविंद कुमार को जहानाबाद और पटना के पीओ मिथिलेश कुमार को सहरसा का कार्यक्रम पदाधिकारी बनाया गया है। लखीसराय की पीओ श्वेता अब शिवहर में, नालंदा की डीपीओ कविता कुमारी पटना में, मधुबनी के डीपीओ विमलेश कुमार चौधरी रोहतास में, सीतामढ़ी के डीपीओ गोपाल कृष्ण पूर्वी चंपारण में, नवादा की डीपीओ प्रियंका कुमारी शेखपुरा में और नवादा के डीपीओ मो. मजहर हुसैन अब बेगूसराय में तैनात होंगे।

सीतामढ़ी के पीओ शिशु राज सिंह नवादा, पटना के विष्णुकांत राय कैमूर, सीतामढ़ी के कुमार अभिजीत सिवान, समस्तीपुर के नितेश कुमार दरभंगा और जहानाबाद के डीपीओ आनंद कुमार गया में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा बिहार शिक्षा परियोजना परिषद की अधिकारी लालिमा की अररिया में प्रतिनियुक्ति समाप्त कर दी गई है और उन्हें विभाग में योगदान देने का निर्देश दिया गया है। शिक्षा विभाग की इस बड़ी कार्रवाई को प्रशासनिक मजबूती और शैक्षणिक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुलिस मेस में जीविका दीदियों के हाथों बनेगा खाना

21 हजार से अधिक सिपाहियों को परोसेंगी भोजन

पटना(नि.सं.)। बिहार पुलिस में नवनियुक्त 21,391 सिपाहियों के प्रशिक्षण की शुरुआत 21 जुलाई 2025 से की गई है। यह अब तक का सबसे बड़ा प्रशिक्षण सत्र है, जिसमें पहली बार एक साथ इतने बड़ी संख्या में सिपाहियों को नौ महीने का बेसिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। खास बात यह है कि इन सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी अब जीविका दीदियों को दी गई है, जो कि एक महिला स्व-सहायता समूह योजना का हिस्सा हैं। इस आशय की जानकारी अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) संजय कुमार सिंह ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय, पटना में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि भोजन आपूर्ति के लिए पुलिस विभाग और जीविका के बीच एक एमओयू (समझौता पत्र) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत राज्य के सभी पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में अब जीविका दीदियां भोजन पकाने, परोसने और सफाई की जिम्मेदारी निभाएंगी।

विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर पर चुनाव आयोग का दावा

मतदाता सूची जारी होने छह दिन बाद भी किसी दल ने नहीं दर्ज कराई आपत्ति

• विज्ञप्ति में चुनाव आयोग ने बताया कि सभी राजनीतिक दलों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे यदि किसी तरह की गलती, गड़बड़ी या आपत्ति देखते हैं, तो समय रहते आवेदन करें।

निज संवाददाता | पटना

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पूरी सक्रियता से काम कर रहा है। हालांकि, इस प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है, परंतु चुनाव आयोग का दावा है कि अब तक किसी भी राजनीतिक दल ने इस अभियान के खिलाफ कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। चुनाव आयोग ने 6 अगस्त 2025 की सुबह 9 बजे तक के आंकड़े जारी करते हुए स्पष्ट किया कि एक अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची जारी होने के बाद किसी भी पंजीकृत राष्ट्रीय या क्षेत्रीय दल ने कोई दावा या आपत्ति नहीं दर्ज कराई है। आयोग ने इस पर जोर देते हुए कहा कि उसकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अयोग्य व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

विज्ञप्ति में चुनाव आयोग ने बताया कि सभी राजनीतिक दलों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे यदि किसी तरह की गलती, गड़बड़ी या आपत्ति देखते हैं, तो समय रहते आवेदन करें। परंतु अब तक सभी दलों की ओर से चुप्पी बनी हुई है। आयोग ने यह भी बताया कि राज्य में 6 राष्ट्रीय और 6 क्षेत्रीय दलों के कुल 1,60,813 बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) हैं, लेकिन इन बीएलए या संबंधित दलों ने कोई आधिकारिक आपत्ति नहीं जताई है। इसके विपरीत, कुछ आम नागरिकों ने अपने स्तर पर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। आंकड़ों के अनुसार, अब तक कुल 3,659 लोगों ने व्यक्तिगत रूप से मतदाता सूची में सुधार के लिए आवेदन दिया है। इनमें वे लोग भी शामिल हैं जिनका नाम एक से अधिक जगहों पर दर्ज है। वहीं, 19,186 नए मतदाताओं ने नामांकन के लिए आवेदन किया है। एसआईआर को लेकर विपक्ष की ओर से पहले गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं, और मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंच चुका है। अदालत में इस पर आगे सुनवाई होनी है। हालांकि, वर्तमान में चुनाव आयोग का दावा है कि अब तक उसकी कार्यप्रणाली पर किसी भी दल ने कोई सवाल नहीं उठाया है, जो आयोग के कामकाज की पारदर्शिता और निष्पक्षता को दर्शाता है।

बीएलए की संख्या में भारी बढ़ोतरी, फिर भी कोई आपत्ति नहीं

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के कुल 1,60,813 बीएलए) बिहार में कार्यरत हैं। इसके बावजूद किसी भी बीएलए ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। बीजेपी के बीएलए – 53,338, कांग्रेस – 17,549, बहुजन समाज पार्टी – 74, आम आदमी पार्टी – 1, सीपीआई – 899, नेशनल पीपुल्स पार्टी – 7 है। वहीं क्षेत्रीय दलों में आरजेडी, जेडीयू, सीपीआईएमएल, लोजपा (रामविलास), रालोजपा और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी शामिल हैं, जिनके भी हजारों बीएलए मैदान में हैं, परंतु किसी भी स्तर से विरोध नहीं हुआ है।

चुनाव आयोग की अपील

आयोग ने एक बार फिर सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से अपील की है कि अगर उन्हें मतदाता सूची में कोई त्रुटि दिखे तो वे अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करें, ताकि अंतिम मतदाता सूची पूरी तरह से निष्पक्ष और त्रुटिहीन बन सके।

पीएम ने कर्तव्य भवन का किया उद्घाटन

• इसमें गृह-विदेश समेत 7 मंत्रालयों के ऑफिस; 24 कॉन्फ्रेंस रूम के साथ 600 कारों की पार्किंग सुविधा

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया। यह कॉमन सेंट्रल सेक्रेटरिएट (सीएसएस) की 10 में से पहली बिल्डिंग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन-03 बिल्डिंग का उद्घाटन किया। यह 2019 में शुरू हुई सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का हिस्सा है और कॉमन सेंट्रल सेक्रेटरिएट (सीएसएस) की 10 में से पहली बिल्डिंग है। कर्तव्य भवन-03 का उद्घाटन सबसे पहले किया गया है। इसे दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर स्थित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर उनके बीच बेहतर कोआर्डिनेशन और कामों में तेजी लाने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसमें ग्राउंड फ्लोर सहित 7 फ्लोर हैं। यहां गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) और इंटेलिजेंस ब्यूरो के ऑफिस होंगे।

मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना का पोर्टल शीघ्र होगा लॉन्च

• राज्य एवं राज्य से बाहर की कंपनियों की जानकारी पोर्टल पर होगी।

• युवाओं को रोजगार पूर्व अनुभव व कॉर्पोरेट वातावरण में काम करने का अवसर मिलेगा

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना को लेकर शीघ्र ही पोर्टल लॉन्च होगा। श्रम संसाधन विभाग इसकी तैयारी जोरशोर से कर रहा है। इंटर्नशिप के लिए युवाओं का पंजीकरण इस पोर्टल से होगा। उम्मीद है कि इस माह में युवाओं के पंजीकरण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इसको लेकर मानक संचालन प्रणाली भी बनायी जा रही है। इस योजना के तहत 18 से 25 साल उम्र के युवाओं को इंटर्नशिप करायी जाएगी। इस वित्तीय वर्ष (2025-26) में पांच हजार युवाओं को इंटर्नशिप करायी जाएगी। इसके बाद हर साल 20-20 हजार युवाओं को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। इस तरह कुल एक लाख पांच हजार युवा इंटर्नशिप करेंगे।

पोर्टल पर राज्य के अंदर और बाहर की कंपनियों की सूची भी अपलोड की जाएगी। मालूम हो कि इस योजना के अंतर्गत 12वीं पास को चार हजार, आईटीआई और डिप्लोमा डिग्रीधारी को पांच हजार तथा स्नातक-स्नात्कोत्तर उत्तीर्ण युवाओं को छह हजार रुपये महीने इंटर्नशिप सरकार देगी। युवा का चयन उसके गृह जिले से अलग दूसरे जिले में होता है तो तीन महीने तक अतिरिक्त दो हजार रुपये हर माह मिलेंगे। वहीं, अगर राज्य के बाहर की कंपनी में इंटर्नशिप के लिए चयन होता है तो अतिरिक्त राशि हर मार पांच हजार की होगी।

सीएम ग्रामीण सेतु योजना से बनेंगे राज्यभर में बनेगे 704 पुल

पटना(नि.सं.)। मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्यभर में 704 नए पुल बनेंगे। इस मद में 3,688 करोड़ खर्च होंगे। इस योजना में न सिर्फ पुराने और जर्जर पुलों की जगह नए पुल बनाए जाएंगे, बल्कि उन मार्गों को पुलों से जोड़ा जाएगा, जहां आज भी पुल न होने की वजह से रास्ते अधूरे हैं। बुधवार को विभाग की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार सबसे अधिक पूर्वी चंपारण में 56 पुलों का निर्माण होगा। दरभंगा में 38, गया जी, सीवान और सीतामढ़ी में 30-30, सारण और वैशाली में 28-28, भागलपुर और गोपालगंज में 27-27, रोहतास और शेखपुरा में 26-26, नालंदा में 24, बेगूसराय में 20 और पटना में 18 पुलों का निर्माण होगा। इस योजना में आम जनता की मांग को सरकार ने प्राथमिकता दी है। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में आए प्रस्ताव और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सार्वजनिक घोषणाओं को भी शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने वेस्ट-टू-वंडर थीम पार्क का किया उद्घाटन

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वेस्ट-टू-वंडर थीम पार्क का आज उद्घाटन कर दिया। देश के पहले राष्ट्रपति डॉ। राजेंद्र प्रसाद की समाधि के पास इसका निर्माण होना है। सीएम नीतीश ने आज डॉ। राजेंद्र प्रसाद की समाधि स्थल पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। शिलान्यास के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ। राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल के पास 'वेस्ट टू वंडर' थीम पार्क का निर्माण बेहतर ढंग से करायें। इस पार्क के निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा होगा।

सीएम नीतीश ने यह भी कहा, इस थीम पार्क के एक तरफ देशरत्न डॉ। राजेन्द्र प्रसाद जी का समाधि स्थल है। वहीं, दूसरी ओर जेपी गंगा पथ स्थित है, यहां का दृश्य काफी मनोरम होगा। मालूम हो नगर विकास एवं आवास विभाग की तरफ से 14198 करोड़ रूपये की लागत से देश के पहले राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल और जेपी गंगा पथ के बीच 10 एकड़ जमीन में 'वेस्ट टू वंडर' थीम पार्क के निर्माण की स्वीकृति दी गई है।

पटना की बेऊर जेल में सात महीने बिताने के बाद बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह रिहा

निज संवाददाता | पटना

जेल से बाहर निकलते ही अनंत सिंह ने मीडिया से कहा कि मैं नीतीश कुमार जी की पार्टी जदयू से चुनाव लड़ूंगा। उन्होंने बिहार में बहुत विकास किया है। नीतीश जी 25 साल और रहेंगे। विरोधी कभी तारीफ नहीं करते, इसलिए उनकी बातों से हमें फर्क नहीं पड़ता। मोकामा शूटआउट केस में बंद अनंत सिंह को मंगलवार को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिली। पचमहला थाना कांड संख्या 5/2025 में सुनवाई के दौरान जस्टिस चंद्रशेखर झा की बेंच ने उन्हें 10 हजार रुपये के निजी मुचलके और दो जमानतदारों के साथ रिहा करने का आदेश दिया। अभियोजन पक्ष और शिकायतकर्ता पक्ष के वकील ने जमानत का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि एफआईआर में खुलेआम गोलीबारी का आरोप है और उनका आपराधिक इतिहास समाज के लिए खतरा है। सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला भी दिया गया, लेकिन बचाव पक्ष के वकील राजकृष्ण झा ने तीन अहम तर्क पेश कर कोर्ट को जमानत देने के लिए राजी कर लिया।

अमित शाह के बिहार दौरे में बदलाव

सात अगस्त को दरभंगा से सीतामढ़ी जायेंगे गृहमंत्री अमित शाह

पटना (नि.सं.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगामी बिहार दौरे में बदलाव हुआ है। शाह गुरुवार 7 अगस्त को पटना नहीं आएंगे। वे 8 अगस्त को सुबह सीध दरभंगा होकर सीतामढ़ी जाएंगे। सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में शुक्रवार को मां जानकी मंदिर के शिलान्यास और भूमि पूजन का कार्यक्रम है। शाह के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। अमित शाह के पहले पटना में रात्रि विश्राम का कार्यक्रम था, जो कि रद्द हो गया है।

BAYC Institute स्थापित 1972

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज

गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7

नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स

भारत का पहला कॉलेज

डॉक्टर बनें

एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE

DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine | DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE

MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture | MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2 | अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE

MD (Acu Yoga) MD (TM) | MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE

BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE

MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार

Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised

DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

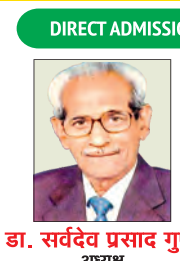

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।

कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष

डा. अजय प्रकाश
सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279

Apply Online: www.bayc.in

Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

बहन के स्नेह, सुरक्षा और विश्वास का पर्व है रक्षाबंधन

श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि नौ अगस्त को मनाया जाएगा रक्षाबंधन पर्व

निज संवाददाता | पटना

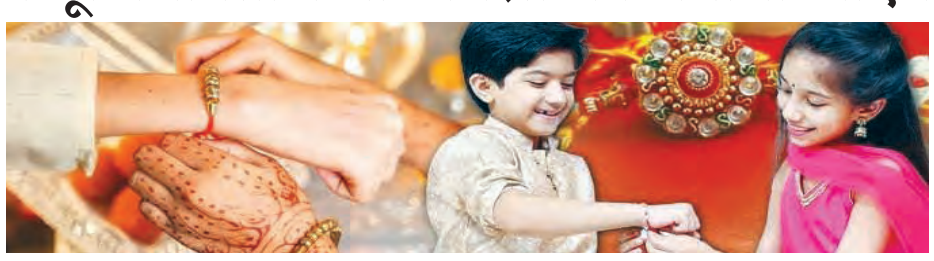

इस वर्ष रक्षाबंधन पर 9 अगस्त को मनाया जाएगा। रक्षाबंधन बहन के स्नेह, सुरक्षा और विश्वास का पर्व है। जिसमें बहनें भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध कर उनकी दीर्घायु, सुख और समृद्धि की कामना करती हैं। इस वर्ष श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि 8 अगस्त शुक्रवार को दोपहर 2 बजकर 12 मिनट से शुरू होगी। तिथि का समापन 9 अगस्त शनिवार को दोपहर 1 बजकर 24 मिनट पर है। उदया तिथि के अनुसार 9 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व मनाया जाएगा। इस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि है, जिसे राखी पूर्णिमा भी कहा जाता है। भारत एक सांस्कृतिक विविधताओं से भरापूरा देश है जहाँ हर त्योहार अपने आप में एक विशेष संदेश लेकर आता है। इन्हीं में से एक है रक्षाबंधन, जो भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और रक्षा के वचन का प्रतीक है। यह पर्व न केवल पारिवारिक संबंधों को मजबूत करता है, बल्कि सामाजिक एकता और प्रेम का संदेश भी देता है। रक्षाबंधन का अर्थ है 'रक्षा का बंधन'।

रक्षाबंधन का यह पर्व न केवल भारतीय संस्कृति की गरिमा को दर्शाता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी रिश्तों की अहमियत और मानवीय मूल्यों का पाठ पढ़ाता है। इस प्रकार रक्षाबंधन 2025 में भी अपने पारंपरिक और आधुनिक स्वरूप में एक साथ मनाया जाएगा, जो समाज को जोड़ने और रिश्तों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बोधगया के श्री जगन्नाथ मंदिर में मनाया गया मंत्री का जन्मदिन

बोधगया| बोधगया स्थित ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री जगन्नाथ की पूजा-अर्चना और आरती से हुई, जहां कार्यकर्ताओं ने डॉ. प्रेम कुमार की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और यशस्वी राजनीतिक जीवन की कामना की। पूजन के उपरांत उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद स्वरूप मिठाइयां वितरित की गईं, जिससे पूरे वातावरण में उल्लास और सौहार्द का संचार हुआ। कार्यक्रम में गयाजी पूर्वी ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू, देवानंद पासवान, नीरज निश्चल, ओम प्रकाश गुप्ता, युवा नेता सोनू चंद्रवंशी, मनोज सिंह कुशवाहा, राजू कुमार सिंह, कृष्णा पांडे आदि उपस्थित थे।

वाणिज्य की कई बारीक कड़ियों से छात्र-छात्राओं को कराया अवगत

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य दिवस के अवसर पर "वाणिज्य स्पेक्ट्रा 2025" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन, पटना शाखा के सहयोग तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, मगध विश्वविद्यालय के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. पन्ना लाल, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, गया कॉलेज, गया एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. पंकज कुमार महतो, वरीय सहायक प्राध्यापक , गया कॉलेज, गया की उपस्थिति में हुआ। डॉ पन्ना लाल ने अपने कीनोट भाषण में वाणिज्य के महत्व को बताया और यह कैसे हम सभी एक एक मनुष्य से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ पंकज कुमार महतो ने बच्चों को वाणिज्य की कई बारीक कड़ियों के बारे में बताया। इस अवसर पर विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. अनवर खुर्शीद ख़ान भी मौजूद थे और उन्होंने सभी बच्चों के कार्यों की बहुत प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में दो प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य दिवस के महत्व और वैश्विक अर्थव्यवस्था में इसकी प्रासंगिकता पर आधारित बहुत ही खूबसूरत और जानकारी से भरे पोस्टर प्रस्तुत किए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में छात्रों ने "वोकल फॉर लोकल" विषय पर अपने विचार रखते हुए बहस में भाग लिया। प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र एवं छात्राओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विभाग की डॉ. विनीता कुमारी (संयोजक) एवं डॉ. श्वेता गोयल (आयोजन सचिव) ने किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन करने तथा उनकी प्रतिभा को निखारने का मंच प्रदान करना था।

आरसीसी ड्रेनेज निर्माण में लापरवाही, संवेदक को डिबार करने की चेतावनी

बिहारशरीफ| शहर के रामचन्द्रपुर इलाके में जलजमाव से राहत दिलाने के उद्देश्य से देवीसराय चौराहा से पंचाने नदी तक आरसीसी ड्रेनेज निर्माण कार्य किया जा रहा है। लेकिन यह परियोजना लगभग छह माह बीतने के बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। धीमी प्रगति और लापरवाही के कारण न सिर्फ बारिश में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, बल्कि रामचन्द्रपुर रोड में खुदाई कर छोड़ दिए गए गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। नगर निगम और स्मार्ट सिटी परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने कई बैठकों में निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया था, लेकिन इसके बावजूद कार्य की रफ्तार में कोई खास सुधार नहीं हुआ। इस स्थिति को लेकर स्मार्ट सिटी के एमडी दीपक मिश्रा ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चेतावनी के बावजूद अगर निर्माण कार्य में तेजी नहीं आई, तो एजेंसी को डिबार कर दिया जाएगा। साथ ही भुगतान की राशि में भी कटौती की जाएगी। स्मार्ट सिटी प्रबंधन के अनुसार, आरसीसी ड्रेनेज निर्माण कार्य में अब महज 200 मीटर हिस्सा शेष है। अधिकारियों का दावा है कि शेष कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा ताकि लोगों को राहत मिल सके। फिलहाल, नगर निगम और स्मार्ट सिटी के अधिकारी परियोजना की निगरानी कर रहे हैं और संवेदक पर दबाव बना रहे हैं कि वह जल्द कार्य पूरा करे।

सदर अस्पताल की खराब लिफ्ट मामले में लोक शिकायत निवारण में परिवाद दायर

बिहारशरीफ। सदर अस्पताल के लिफ्ट खराब रहने के मामले में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम में शिकायत दर्ज कराया गया है। सारे थाना क्षेत्र के बहादी बिगहा निवासी सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ब्रजेश सिंह ने परिवाद दायर किया है। अधिवक्ता श्री सिंह नागरिकों की सुरक्षा व उनकी सुविधा के लिए लगातार चर्चा में रहते हैं। हाल में इन्होंने बिहार में ढह रहे पुलों के संबंध में हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल किया था। इनकी ही याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में राजनीतिक दलों पर जुर्माना भी लगाया था। दर्ज शिकायत में अधिवक्ता ने बताया है कि सदर अस्पताल मॉडल भवन में शिफ्ट हो गया है। जहां मरीजों की सुविधा के लिए तीन लिफ्ट लगाई गई है। तीनों लिफ्ट अक्सर खराब रहता है। सोमवार को भी यही हाल रहा। जिस कारण गर्भवती महिलाओं को ऊपरी तल्ले पर जाने के लिए सीढ़ी का सहारा लेना पड़ा। यही नहीं अक्सर लिफ्ट बंद भी हो जाता है। हाल में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। सदर अस्पताल के पुराने भवन में सांसद मद से 22 लाख की लागत से लिफ्ट लगाई गई थी। जो 22 दिन भी नहीं चली। यही हाल मॉडल अस्पताल के लिफ्टों का है। अधिवक्ता ने बताया कि बिहार में लिफ्ट-एस्केलेटर कानून 2024 लागू है। इस अधिनियम में लिफ्ट मालिकों द्वारा निबंधन के पश्चात संबंधित अधिकारी द्वारा लिफ्ट के निरीक्षण का प्रावधान है। मॉडल अस्पताल का लिफ्ट बंद रहने के मामले में संबंधित पदाधिकारियों की भी जवाबदेही है। अधिवक्ता ने कहा बिहारशरीफ शहर में तेजी से भवनों व मॉलों का निर्माण हो रहा है। नए मॉलों व भवनों में लिफ्ट का लगाया जा रहा है। ज्यादातर भवन मालिक लिफ्ट-एस्केलेटर कानून की अनदेखी कर लिफ्ट लगवा रहे हैं।

गयाजी में 7 अगस्त को एक दिवसीय जॉब कैंप

गया। गयाजी में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। श्रम संसाधन विभाग केंदुई अवर प्रादेशिक नियोजनालय की ओर से 7 अगस्त को टेकारी ब्लॉक कैंपस में एक दिवसीय रोजगार शिविर का आयोजन होगा। Chaitanya India Fin Credit Pvt. Ltd कंपनी में स्वतंत्र फील्ड ऑफिसर(SFO) के 30 पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को गयाजी और जहानाबाद जिले में काम करने का अवसर मिलेगा। 12,500 रुपए प्रति महीने तक सैलरी दी जाएगी। इसके अलावा टीए, पीएफ, मेडिकल सुविधा और इंसेंटिव भी मिलेगा। रोजगार शिविर में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों की उम्र 18 से 30 साल के बीच होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक या इंटर पास होना अनिवार्य है।

शिविर में भाग लेने की प्रक्रिया मुफ्त: शिविर में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को अपना बायोडाटा, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो लेकर आना होगा। शिविर का समय सुबह 10:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक रहेगा। चयन प्रक्रिया बिल्कुल निशुल्क है। अवर प्रादेशिक नियोजनालय ने जिले के युवाओं से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में शामिल होकर रोजगार हासिल करें। यह उनके करियर को दिशा देने का अच्छा मौका है। शिविर में भाग लेने की प्रक्रिया पूरी तरह से निशुल्क है।

पुलिस को देख कट्टा फेंक बदमाश फरार

बिहारशरीफ| अस्थावां थाना क्षेत्र के कोनंद गांव के पास मंगलवार को पुलिस को देख बदमाश बाइक व लोडेड कट्टा फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से बाइक, कट्टा व एक कारतूस जब्त किया। थानाध्यक्ष राजमणि ने बताया कि गश्ती पुलिस को देख बदमाश, बाइक व लोडेड कट्टा फेंककर फरार हो गया। जब्त बाइक नम्बर के आधार पर पुलिस बदमाश की पहचान के प्रयास में जुट गई है।

एशिया रग्बी यू 20 चैंपियनशिप को लेकर बदली ट्रैफिक व्यवस्था

निज संवाददाता। नालंदा

आने वाले 9 और 10 अगस्त को राजगीर में एशिया रग्बी U-20 प्रतियोगिता 2025 आयोजित होगी। इसके सफल आयोजन को देखते हुए जिला प्रशासन नालंदा ने व्यापक यातायात नियंत्रण योजना की घोषणा की है। इस अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता के दौरान राजगीर शहर और आसपास के क्षेत्रों में सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। जिला प्रशासन के अनुसार, चैंपियनशिप के दौरान राजगीर बाजार के छबीलापुर मोड़ से हरियाली महादेवा होते हुए पिल्खी बाईपास तक सभी प्रकार के छोटे और बड़े वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। इसके अलावा, छबीलापुर की ओर से खेल अकादमी की तरफ ट्रक, ट्रैक्टर और पिकअप जैसे बड़े व्यवसायिक वाहनों का परिचालन भी बंद रहेगा। विशेष रूप से पिल्खी बाईपास से राजगीर शहर की ओर महादेवा होते हुए आने वाले भारी वाहनों के लिए प्रतिबंध लगाया गया है। नाहुब मोड़ से पिल्खी बाईपास की ओर भी ट्रक, ट्रैक्टर और पिकअप वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

ऑप्शनल मार्गों की होगी व्यवस्था: यातायात की सुविधा के लिए प्रशासन ने कई ऑप्शनल मार्गों की व्यवस्था की है। राजगीर शहर से छबीलापुर की ओर आने वाले बस, छोटे सवारी वाहन और निजी वाहनों के लिए राजगीर ROB नाहुब मोड़ होते हुए पिल्खी बाईपास का रास्ता तय किया गया है। छबीलापुर की ओर से खेल अकादमी की तरफ आने वाले भारी व्यवसायिक वाहनों को छबीलापुर के सत्यानगर मोड़ से भुई मोड़ सिलाव होते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर जाना होगा। बिहारशरीफ और राजगीर शहर से छबीलापुर की ओर जाने वाले सभी व्यावसायिक वाहनों के लिए ROB से होते हुए सिलाव के भुई मोड़ से सत्यानगर का रास्ता निर्धारित किया गया है।

कई पार्किंग स्थल निर्धारित: आगंतुकों की सुविधा के लिए कई पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। इनमें गंगाजल परियोजना कैम्पस, स्टेट गेस्ट हाउस के समीप हॉकी मैदान, स्टेडियम मोड़ तिराहे के पास केरला पब्लिक स्कूल परिसर, नाहुब बाईपास मयार के पास का क्षेत्र शामिल है। इसके अलावा स्टेडियम गेट नंबर-1 के सामने लेवर कॉलनी तक, आर.डी.एच. स्कूल परिसर और चक्रपाणि रेसिडेंशियल स्कूल परिसर को भी पार्किंग के लिए निर्धारित किया गया है।

ड्रॉप गेट लगाए जाएंगे: यातायात नियंत्रण के लिए राजगीर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर ड्रॉप गेट लगाए जाएंगे। इनमें आर.डी. एच. स्कूल के पास, विरायतन के पास, शांति स्तूप मोड़, वनगंगा के पास, कलाली मोड़ के पास, आयुध कारखाना के पास, नाहुब मोड़/ हसनपुर के पास और हरियाली रेस्टोरेंट के पास प्रमुख हैं। स्टेडियम मोड़ के पास, कटारी मोड़, सत्यानगर मोड़ और केरला पब्लिक स्कूल के सामने भी ड्रॉप गेट की व्यवस्था की जाएगी।

मगध विश्वविद्यालय में चार स्थायी प्राचार्यों की नियुक्ति

शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम

निज संवाददाता। गयाजी

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया ने आज अपनी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अपने चार घटक महाविद्यालयों में स्थायी प्राचार्यों की नियुक्ति की है। ये नियुक्तियाँ बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की अनुशंसा, राज्यपाल सचिवालय, शिक्षा विभाग तथा बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 के प्रावधानों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई हैं। कुलपति प्रो. एस. पी. शाही की सक्रिय भूमिका और नेतृत्व इस प्रक्रिया में विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने इसे "सुशासन, योग्यता आधारित चयन और शैक्षणिक पुनर्गठन का प्रतीक" बताया।

इस नियुक्ति प्रक्रिया में राज्यपाल द्वारा नामित सदस्य श्रीमती रिमझिम शील ने प्रत्येक स्तर पर निगरानी एवं मार्गदर्शन किया। साथ ही स्थानीय विधायक श्री कुमार सर्वजीत की उपस्थिति इस आयोजन को गरिमा प्रदान करती है।

नव नियुक्त प्राचार्य इस प्रकार हैं:

- प्रो. योगेन्द्र कुमार – एस. एन. सिन्हा कॉलेज, टेकारी
- प्रो. नाज़िर अख्तर – अनुग्रह नारायण महाविद्यालय, गया
- प्रो. रामचन्द्र प्रसाद सिंह – एस. एम. एस. जी. कॉलेज, शेरघाटी
- प्रो. सीमा पटेल – गौतम बुद्ध महाविद्यालय, गया

नव नियुक्त प्राचार्यों को अधिसूचना की तिथि से 15 दिनों के भीतर संबंधित महाविद्यालयों में योगदान देने का निर्देश दिया गया है। उनकी सेवा शर्तें बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 के अनुरूप होंगी, तथा वेतन एवं अन्य भत्ते बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार प्रदान किए जाएंगे।

लिंक रोड बनने की मांग को ले जाम की सड़क, आगजनी

निज संवाददाता। गयाजी

फतेहपुर प्रखंड के ढूब्बा गांव के पास स्थित ढाढ़र नदी पर पुल निर्माण के बाद दोनैया जाने के लिए लिंक रोड नहीं बनने से आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को गया-रजौली स्टेट हाईवे-70 मुख्य सड़क को बांस का बैरिकेडिंग लगाकर जाम कर दिया। ग्रामीणों ने सड़क पर आगजनी कर प्रदर्शन किया। पुल निगम के अधिकारी और संवेदक की लापरवाही व मनमानी से तंग आकर ग्रामीण सड़क पर जाम करने को मजबूर हो गए। ग्रामीण सड़क निर्माण की मांग पर अड़े थे।। पुल निगम के अधिकारी और संवेदक की लापरवाही व मनमानी से तंग आ चुके ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और वे सड़क पर उतर आए। ग्रामीणों ने 9:30 बजे से पुल के पास ही एसएच-70 मुख्य सड़क को जाम कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क को बांस से बैरिकेडिंग कर छोटी-बड़ी सभी वाहनों का आवाजाही ठप कर दिया। इतना ही नहीं बल्कि सड़क पर टायर जलाकर आगजनी कर रोषपूर्ण प्रदर्शन किया। जाम के कारण सड़क पर दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। सड़क जाम कर रहे ग्रामीणों का कहना था कि पुल निर्माण के बाद दोनैया सहित दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला पुराना लिंक रोड अब तक नहीं बना है। बरसात के मौसम में कीचड़ और जलजमाव के कारण लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही है। इधर, सड़क जाम की खबर मिलते ही फतेहपुर थाने की पुलिस और अंचल अधिकारी जमा स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया।

ट्रेन की चपेट में आने से पति पत्नी की मौत

- घटना के बाद घर में स्वजनों के बीच मची चीख पुकार
- पति पत्नी फतेहपुर से इलाज कराकर ट्रेन से उतरकर लौट रहा था घर

निज संवाददाता। फतेहपुर (गयाजी)

गया कोडरमा रेल खंड के पहाड़पुर एवं बंशीनाला के बीच सोनारखाप कैलूडीह गांव के पास बुधवार को रेल पटरी पार करते वक्त पूरी नई दिल्ली पुरषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आने से पति एवं पत्नी की मौत हो गई। पति मोहन यादव 55 वर्ष एवं पत्नी तिलिया देवी 50 वर्ष ग्राम कैलूडीह, पंचायत गजाधरपुर प्रखंड टनकुप्पा का रहने वाला है। घटना तीन बजे दिन में घटी है। पति और पत्नी दोनों स्थानीय बाजार फतेहपुर इलाज कराने आया था। इलाज कराकर पहाड़पुर स्टेशन से आसनसोल वाराणसी पैसेंजर से बंशीनाला हाल्ट उतरकर कैलूडीह सोनारखाप होते जा रहा था। बंशीनाला से पैदल जा रहा था। घर जाने के लिए रेल लाइन पार करते वक्त तेज गति में पुरषोत्तम एक्सप्रेस आ गई। दोनों सम्हल पाते उससे पहले दोनों दाम्पत्य जोड़ी की जीवनलीला समाप्त हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्वजन एवं ग्रामीण स्थल के पास पहुंचा और शव को उठा ले गया। मृतक दंपति को चार बेटी एवं एक लड़का है। एक लड़का एवं तीन बेटी को शादी कर चुका था। सबसे छोटी 18 वर्ष की बेटी अविवाहित है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कच्ची सड़क होने के कारण लोग रेलवे लाइन पार कर मजबूरीवश आते जाते है। आये दिन उक्त स्थल के पास रेल पटरी पार करने में दुर्घटनाएं घटती रहती है। एक माह पूर्व उसी जगह पर एक व्यक्ति की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हो गई थी। आजादी बाद मुख्य सड़क से गांव तक पक्की सड़क सहित कोई विकास की किरण नहीं पहुंच पाई है। घटना के बाद घर में स्वजनों के बीच चीख पुकार मच गई है। छोटी बेटी पूजा की रोने से बुरा हाल हो गया है। घटना की खबर सुनकर गांव में सन्नाटा पसर गया है। घर के पास लोगो की भीड़ जुटी है।

तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की मन्नत

निज संवाददाता। गयाजी

- मिलिए लालू-तेजस्वी के जबरा फैन से, कांवर में दोनों ओर लालटेन लगा पहुंच गए देवघर, किया जलाभिषेक

गया में राजद के जबरा फैन सूरज नारायण चर्चा में है. डेल्हा इलाके के रहने वाले सूरज नारायण राजद सुप्रीमो लालू और तेजस्वी, उनकी पार्टी के जबरा फैन है. वे किसी पार्टी में नहीं है, लेकिन राजद के काफी प्रशंसक है. इस बार वे चर्चा में हैं, क्योंकि इन्होंने इस बार विश्व प्रसिद्ध देवघर में भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने की मन्नत को लेकर जलाभिषेक किया. गयाजी के डेल्हा क्षेत्र के रहने वाले सूरज नारायण इस बार देवघर पहुंचे. देवघर में उन्होंने भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया. सूरज नारायण लालू -तेजस्वी और राजद के जबरा फैन हैं. वह पार्टी से किसी तरह का फिलहाल ताल्लुकात रखने की बात नहीं बताते हैं, लेकिन पार्टी के बड़े प्रशंसको में से एक है. यही वजह रहा है, कि इस बार सूरज नारायण देवघर गए, तो तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने की मन्नत लेकर गए. इसके लिए इन्होंने सुल्तानगंज से अपने कांवर में 11-11 किलोग्राम का जल वाला कलश कांवर के दोनों ओर रखा. कांवर के दोनों ओर लालटेन टांगी, राजद का झंडा और राष्ट्रीय झंडा टांगा, इसके अलावा तेजस्वी और लालटेन छपी टी-शर्ट पहनी और पहुंच गए बाबा के दरबार. बाबा के दरबार पहुंचकर सूरज नारायण ने तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री की मन्नत की कामना से जलाभिषेक किया. जब कांवर लेकर सुल्तानगंज से ये निकले, तो देखने वाले देखते रह गए. कोई उन्हें देखकर हंस रहा था, तो कोई जय जयकार कर रहा था. इसके बीच सूरज नारायण अपनी मन्नत को लेकर 105 किलोमीटर की यात्रा कर देवघर पहुंचे और उन्होंने तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री के सीएम बनने की मन्नत को लेकर जलाभिषेक किया. वही, यह भी मन्नत रखी, कि तेजस्वी यादव 2025 में मुख्यमंत्री बनते हैं, तो 2026 में फिर से बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग पर जलाभिषेक करने आएंगे और इससे दोगुनी 22-22 किलो का कलश लेकर आएंगे. सूरज नारायण जब कांवर लेकर 105 किलोमीटर की यात्रा पर देवघर के लिए चले, तो उनके प्रशंसक भी खासी संख्या में रहे. सेल्फी लेने वालों की होड़ लगी रही. कई जगह पर उनका स्वागत भी हुआ. देवघर में जल चढ़ाने के बाद सूरज नारायण ने अपनी खुशी जताई है और कहा कि उन्हें खुशी है, कि यह तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने की मन्नत को लेकर देवघर जल चढ़कर वापस लौटे हैं.

प्रधानाध्यापक को दी गई विदाई भावुक हुआ विद्यालय परिवार

निज संवाददाता। फतेहपुर (गयाजी)

टनकुप्पा प्रखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गजाधरपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक राकेश कुमार के स्थानांतरण होने पर विद्यालय परिसर में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। राकेश ने विद्यालय में 2013 में योगदान दिए थे। 12 वर्षों तक अपनी सेवा देकर उन्होंने न केवल शिक्षण कार्य में उत्कृष्ट योगदान दिया, बल्कि विद्यालय के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल में छात्र उपस्थिति और शैक्षणिक गतिविधियों में लगातार सुधार हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक जितेंद कुमार एवं वरिष्ठ शिक्षक अरविंद कुमार कुमार ने की। उन्होंने कहा कि राकेश कुमार का विद्यालय के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा है।

छात्र-छात्राओं ने स्वागत एवं विदाई गीत प्रस्तुत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। वहीं, प्रधानाध्यापक राकेश कुमार ने भी भावुक स्वर में सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह विद्यालय मेरा परिवार रहा है, इसे छोड़ते हुए मन भारी है। अंत में शिक्षकों और अभिभावकों ने स्मृति-चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। पूरे समारोह में स्नेह, सम्मान और भावनाओं की गर्माहट स्पष्ट झलक रही थी। कार्यक्रम का संचालन राजेश कुमार ने की। कार्यक्रम में मुखिया प्रभात रंजन, नंदू कुमार, उदय पासवान रात्रि प्रहरी, रश्मि कुमारी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना सं.: एस.जी./डी.एस.ई./टी./ओ.टी./01/25/आर पं.दी.द.उपा. मंडल

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता, पूर्व मध्य रेल, राष्ट्रपति के तरफ से ई–निविदा, अनुभवी ठेकेदार से निर्मित फार्म में नीचे दिए गए कार्यों के लिए आमन्त्रित करती है। **कार्य का नाम एवं स्थान:** प्रोविजन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक कोच इंडिकेशन बोर्ड्स (सी०आई०बी) फार प्लेटफार्म नं०–7 एट डीडीयू, फेयर डिसप्ले बोर्ड फॉर यूटीएस/पीआरएस काउन्टर एण्ड अदर ऐमिनिटिज लाईक बीडियो वाल। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** रू0 1,52,93,282.95/– (एक करोड़ बावन लाख तिरानबे हजार दो सौ बेयासी रूपये एवं पन्चानबे पैसे मात्र)। **धरोहर राशि:** रू० 2,26,500/– (दो लाख छब्बीस हजार पाँच सौ रूपये मात्र)। **ई–निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** दिनांक 26.08.2025 को 12.30 तक। **वेब साईट का पता जहाँ से ई–निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है:** www.ireps.gov.in

मं.सं. एवं दू.सं. अभि.
वास्ते राष्ट्रपति के तरफ से
पूर्व मध्य रेल, पं.दी.द.उपा.

पीआर/0726/डीडीयू/मं.सं. एवं दू.सं. अभि./टी/25–26/28

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमंडल, औरंगाबाद
अति अल्पकालिन पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 02/2025–26
केवल ई० निविदा पद्धति के अनुसार वेबसाईट (www.eproc2.bihar.gov.in) पर संवेदकों से प्रतिशत दर पर निविदा

1.	विज्ञापनदाता का नाम	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल औरंगाबाद
2.	विज्ञापन निर्गत करने की तिथि	दिनांक– 05.08.2025
3.	परिमाण विपत्र प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक– 13.08.2025 से 20.08.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर।
4.	प्री–बीड मीटिंग का स्थान, तिथि एवं समय	अधीक्षण अभियंता, लघु सिंचाई अंचल, पटना के कार्यालय में दिनांक– 19.08.2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक।
5.	निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक– 21.08.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर।
6.	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक– 22.08.2025 को 10:00 बजे पूर्वाह्न को संबंधित प्रमंडलीय कार्यालय में।
7.	वित्तीय वीड खोलने की तिथि	सक्षम प्राधिकार द्वारा बाद में घोषित किया जाएगा।
8.	निविदा की वैद्यता अवधि	120 दिन
9.	कार्य की विवरणी	

क्र0 सं0	योजना का नाम	जिला	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	परिमाण–विपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑन लाईन मोड में भुगतेय) (रूपये में)	बेल्ट्रॉन को देय बीड प्रोसेसिंग मूल्य सेवा शूल्क सहित (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑन लाईन मोड में भुगतेय) (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	नेहुती लपुरा उद्वह सिंचाई योजना का निर्माण कार्य	औरंगाबाद	औरंगाबाद	29.264	0.590	5000	590	6 (छः) माह
2	उत्तर बेला उद्वह सिंचाई योजना का निर्माण	औरंगाबाद	गोह	47.043	0.950	5000	590	6 (छः) माह
3	डोकरी पोखर का जीर्णोद्वार कार्य	औरंगाबाद	मदनपुर	118.815	2.380	10000	3540	6 (छः) माह
4	रामपुर आहर पईन का जीर्णोद्धार कार्य।	औरंगाबाद	गोह	88.290	1.770	10000	3540	6 (छः) माह

विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।
PR- 010713 (M W R D) 2025-26 नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, औरंगाबाद।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

घोपतपुर से 30 लीटर देसी शराब बरामद

संझौली (रोहतास) (नि.सं.)। संझौली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के घोपतपुर गांव से 30 लीटर देसी शराब बरामद किया है। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही कारोबारी मौके से फरार हो गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने बताया कि शराब तस्करी की सूचना पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घोपतपुर गांव में छापेमारी की। मौके से 30 लीटर देसी शराब बरामद की गई, लेकिन तस्कर पुलिस की मौजूदगी से पहले ही भाग निकला। फरार कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है और किसी भी हाल में इस तरह की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जल्द ही कारोबारी की गिरफ्तारी कर उसे कानून के हवाले किया जाएगा।

ट्रैक्टर चोरी के आरोप मे तीन पर मामला दर्ज

कोचस (रोहतास) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के हरिहर डिहरा गांव से बीते दिन हुए ट्रैक्टर चोरी मामले में पीड़ित ने स्थानीय थाने में तीन लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस आशय की जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि बीते दिन हरिहर डिहरा गांव में महिंद्रा ट्रैक्ट व ट्राली की चोरी कर ली गई थी जिसमें पीड़ित प्रदीप चौबे ने गांव के ही तीन लोगों के विरुद्ध थाने मे नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। दिए गए आवेदन में आरोपी के तौर पर विकास चौबे, कमल नारायण चौबे तथा राधेश्याम चौबे को बनाया गया है। तीनो आरोपी ग्राम हरिहर डिहरा थाना कोचस जिला रोहतास के निवासी है। वहीं पुलिस आवेदन ले प्राथमिकी दर्ज करते हुए कानूनी प्रक्रिया पूरी कर मामले की अनुसंधान में जुट गई है।

अगवा किशोरी हुई बरामद

नासरीगंज (रोहतास) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के ठकुरायी परसिया से अगवा की गई किशोरी को पुलिस ने बरामद कर लिया। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि दो दिन पूर्व उक्त किशोरी के अगवा किये जाने की प्राथमिकी उसके पिता विजय कुमार राम ने सोमवार को कराई थी। पुलिस ने किशोरी के पिता के द्वारा दिये गए लोकेशन के माध्यम से शिवसागर थाना के बमहौर गांव के समीप से गुप्त सूचना पर शिवसागर पुलिस के सहयोग से बरामद किया गया है। जिसे न्यायालय में 164 का बयान के लिए विक्रमगंज ले जाया गया। किशोरी के पिता ने उक्त गांव निवासी हर्षकित कुमार और दो आज्ञात लोगों को अपनी पुत्री की अगवा करने के मामले में अभियुक्त बनाया है, जो अभी फरार चल रहे हैं। शिघ्र उनकी भी गिरफ्तारी की जाएगी।

अधेड़ का शव पुलिस में गहरे पानी से किया बरामद

करगहर (रोहतास) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के रामपुर गांव के समीप स्थित सड़क किनारे जेसीबी खोदे गहरे पानी में बुधवार को ग्रामीणों ने एक अधेड़ का शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर अधेड़ का शव बरामद किया है। इसकी जानकारी प्रभारी थानाध्यक्ष ज्ञानदीप कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के सूचना पर पहुंची पुलिस ने रामपुर गांव के समीप सड़क के किनारे गहरे पानी में उपलत अधेड़ का शव बरामद किया। जिसकी पहचान भोजपुरी जिला के पीरो वार्ड नंबर आठ निवासी छठ्ठु चौधरी का चालीस वर्षीय पुत्र दीनीनाथ चौधरी के रूप में पहचान की गई है।

125 यूनिट फ्री बिजली का लाभ शुरू

बिक्रमगंज (रोहतास) (नि.सं.)। राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली मिलने लगी है। 2 अगस्त से स्मार्ट प्रीपेड मीटर में बैलेंस नहीं कट रहा है। वहीं बिलिंग के साथ जुलाई का बैलेंस क्रेडिट होना भी शुरू हो गया है। इसी तरह पोस्टपेड घरेलू उपभोक्ताओं की जुलाई की बिलिंग 125 यूनिट का पैसा घटाकर की जा रही है। लेकिन यदि आप स्मार्ट प्रीपेड मीटर के उपभोक्ता हैं व पहले का बिल बकाया है तो इसका भुगतान नहीं करने पर सप्लाई बंद होगी।

उर्दू भाषा की तरक्की पर संगोष्ठी और मुशायरा आयोजित

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

आजाद भारत में समस्त भारतीय भाषाओं के बीच उर्दू का अपना एक अलग स्थान है। उर्दू ग़ज़लों की लोकप्रियता ने उर्दू भाषा को एक नया मोड़ और नया बल दिया है। उक्त बातें जिला पदाधिकारी उदिता सिंह ने जिला उर्दू भाषा कोषांग की ओर से सासाराम के मल्टीपरपस हॉल में आयोजित फरोग-ए-उर्दू सेमिनार-सह-मुशायरा एवं कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि उर्दू भाषा का विकास एक सतत प्रक्रिया है और आज भी यह भाषा साहित्य, संगीत तथा फिल्म-उद्योगों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। इस भाषा के विकास के लिए सरकारी-स्तर पर हर तरह से प्रयास किये जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आये उप विकास आयुक्त विजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि उर्दू भाषा हिंदुस्तानी भाषा का एक मानकीकृत रूप है जो संस्कृत से विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसे तो इस भाषा में अनेक साहित्य लिखे जा रहे हैं, लेकिन ख़ासकर यह गीत-ग़ज़लों के लिए जानी जाती है। उर्दू भाषा की अपनी एक समृद्ध परम्परा रही है। कार्यक्रम दो सत्रों में सम्पन्न हुआ। प्रथम सत्र के कार्यक्रम में विद्वान वक्ताओं में जनाब ए0के0 अल्वी,डॉ0 एस. जमशेद आलम, डॉ0 फरज़ाना परवीन,डॉ0 गुरुचरण सिंह तथा मतीन सासारामी द्वारा उर्दू की तरक्की पर अपना विचार विचार व्यक्त किया गया। जबकि दूसरे सत्र में मुशायरा का कार्यक्रम हुआ, जिसमें पटना से आये वरिष्ठ शायर असर फरीदी, औरंगाबाद से आयीं अंजुम आरा, सरोज कुमार पंकज, तनवीर अख्तर, अख्तर इमाम अंजुम, आलम प्रवेज, शब्बीर सासारामी, बृजिश आरजू, तथा शकील हासमी ने अपनी शायरी से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में आये अतिथियों का स्वागत जिला उर्दू भाषा कोषांग के उच्चवर्गीय लिपिक मोहन कुमार करण ने किया। कार्यक्रम के समापन के दौरान आगत अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए जिला उर्दू भाषा कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी इजहार आलम ने कहा कि उर्दू की मिठास और खूबसूरती ने इसे तहजीब के पैमाने में बदल दिया। उन्होंने कहा कि इसकी मिठास और इसके हुस्न ने न सिर्फ इसे शायरों की जुबान बनाया, बल्कि हकीकत में इसे मोहब्बतों की आशिकों की जुबान बना दिया। उन्होंने कार्यक्रम में आये अपने अतिथियों को हृदय-तल से धन्यवाद दिया और कहा कि आपके सहयोग से ही यह कार्यक्रम बहुत बेहतरीन बन सका। पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्वान कवि तथा एसपी जैन महाविद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ गुरुचरण सिंह ने की और संचालन द्वय विद्वान डॉ0 एस.जमशेद आलम तथा विख्यात शायर मतीन सासारामी ने किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी मदन राय, अनुमंडल पदाधिकारी आशुतोष रंजन, अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी किशोर कुमार आनंद तथा प्रभारी डीपीआरओ आशीष रंजन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन

निज संवाददाता | बिक्रमगंज (रोहतास)

भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व 9 अगस्त को पूरे बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इस खास मौके को लेकर कस्बों से लेकर गांवों तक उत्साह का माहौल है। हर गली, हर चौक, हर बाजार रक्षाबंधन की तैयारियों में रंगा हुआ नजर आ रहा है। बाजारों में रौनक देखते ही बन रही है। रंग-बिरंगी राखियों से दुकानें सजी हैं, जिनमें पारंपरिक रेशमी धागों से लेकर बच्चों के लिए कार्टून राखियों और डिजाइनर राखियों तक की भरमार है। दुकानदारों के चेहरे पर रक्षाबंधन की चहल-पहल से रौनक लौट आई है। मिठाइयों की दुकानों पर भी खास तैयारी की गई है। काजू कतली, बर्फी, लड्डू और गुलाब जामुन की मांग चरम पर है। छोटे बच्चों से लेकर वृद्ध महिलाएं तक बहनों में जोश और भावनात्मक लगाव झलकता नजर आ रहा है। बहनें राखियों के साथ पूजा की थाल सजाने और भाई के पसंद की मिठाइयों का इंतजाम करने में लगी हुई हैं। वहीं भाई भी अपनी बहनों को खास तोहफे देने की तैयारी कर रहे हैं। बिक्रमगंज, काराकाट, नासरीगंज, दिनारा, राजपुर, सूर्यपुरा, दावथ व संझौली सहित पूरे अनुमंडल क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में भी रक्षाबंधन को लेकर विशेष तैयारी है। भाई-बहन के रिश्तों को समर्पित यह त्योहार केवल घरों तक सीमित नहीं रहा। अब यह समाज में प्रेम, सम्मान और एकता का संदेश भी देने लगा है। कुछ सामाजिक संगठनों ने वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में जाकर वहां रहने वालों के साथ रक्षाबंधन मनाने की योजना बनाई है, ताकि इस पर्व की मिठास समाज के हर कोने तक पहुंच सके ।रक्षाबंधन सिर्फ एक धागा नहीं बल्कि भावनाओं की डोर है। जो एक उम्र तक भाई-बहन को जोड़ती है और ये डोर कभीनहीं टूटती।

डीएवी सेमरा बिक्रमगंज में राखी प्रतियोगिता

काराकाट (रोहतास) (नि.सं.)। सावन महोत्सव के अंतर्गत डी.ए.वी सेमरा बिक्रमगंज में राखी बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत 175 बच्चों ने भाग लिया। डी.ए.वी स्कूल की प्राचार्या प्रमिला सिंह के कुशल निर्देशन में प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

यह प्रतियोगिता तीन भागों में बांटकर कराई गई। प्रथम भाग के अंतर्गत कक्षा 3 और 4 के प्रथम पुरस्कार दर्श मिश्रा, द्वितीय पुरस्कार आकृति तथा तृतीय पुरस्कार सीनू को प्राप्त हुआ। द्वितीय भाग के अंतर्गत 5 से 7 वर्ग के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम पुरस्कार सांवली सिंह, द्वितीय पुरस्कार जीविका कुमारी एवं तृतीय पुरस्कार रिया कुमारी और तृतीय भाग में कक्षा 8 से 10 के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

जिसमें प्रथम पुरस्कार नव्या सिंह, द्वितीय पुरस्कार तस्कीन हयात तथा तृतीय पुरस्कार आदर्श को मिला। बच्चों के क्रियाकलाप को देखकर विद्यालय की प्राचार्या काफी खुश हुई। इसके लिए उन्होंने बच्चों का उत्साह -वर्धन और दिशा-निर्देश दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मूर्छित होकर छात्र स्कूल में गिरा, मचा हड़कंप

निज संवाददाता | करगहर (रोहतास)

प्रखंड क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनियारी में बुधवार को उस समय अफरातफरी मच गई जब कक्षा के दौरान एक छात्र अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। विद्यालय परिसर में मौजूद शिक्षक और छात्र इस घटना से घबरा गए और तुरंत सहायता के लिए दौड़ पड़े। स्कूल प्रशासन ने बिना देर किए एंबुलेंस को सूचना दी और तत्काल प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करते हुए छात्र को करगहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसका त्वरित इलाज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूर्छित हुआ छात्र इंद्रजीत कुमार राम, बभन बरेहटा गांव निवासी राम केसरी राम का पुत्र है। वह नौवीं कक्षा का छात्र है और हाल ही में उसका नामांकन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनियारी में हुआ था। बुधवार को वह रोज की तरह पढ़ाई में व्यस्त था, लेकिन अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह क्लास में ही गिर पड़ा। इस अप्रत्याशित घटना को देखकर अन्य छात्र भी सहम गए। विद्यालय के शिक्षकों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत स्थिति को संभाला और आपातकालीन नंबर पर कॉल कर एंबुलेंस बुलाया। छात्र को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंदन कुमार की निगरानी में उसका इलाज किया गया। डॉक्टर ने बताया कि छात्र को अत्यधिक गर्मी के कारण चक्कर आया था, जिससे वह मूर्छित हो गया था। गहन जांच और इलाज के बाद छात्र की स्थिति पूरी तरह सामान्य हो गई और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। डॉ. चंदन कुमार ने बताया कि इस मौसम में लू और अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। ऐसे में अभिभावकों और शिक्षकों को सजग रहने की आवश्यकता है।

इंटरस्तरीय खेल स्टेडियम बिक्रमगंज में दो दिवसीय प्रखंडस्तरीय मशाल कार्यक्रम संपन्न

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

बिक्रमगंज शहर के इंटरस्तरीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिक्रमगंज के क्रीड़ा मैदान में बुधवार को दो दिवसीय मशाल कार्यक्रम का समापन किया गया। मंच संचालन मो.युसूफ अफरीदी, जितेंद्र कुमार सिंह तथा राम अवतार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। खेल प्रतियोगिता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्त्वकांक्षी सोंच है। यह कार्यक्रम सरकारी विद्यालयों के प्रतिभावन खिलाडियों को खोजने एवं उन्हें खेल के विभिन्न विधाओं में नये अवसर प्रदान करने हेतु आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अंडर 14 में कबड्डी बालक व बालिका फुटबॉल, बालक अंडर 16 में फुटबॉल बालक तथा बॉलीबॉल की विधाएं आयोजित की गई। सभी विधाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को रितेश कुमार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बिक्रमगंज द्वारा प्रमाण पत्र और पुरस्कार से सम्मनित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जयप्रकाश, मो. शमशाद अली, जितेंद्रकुमार सिंह, कुमार चंद्रशेखर, आनंद प्रकाश, चन्दन मिश्रा, अतहर खान, आशीष पाठक, अब्दुल रशीद, अभिमन्यु भाई पटेल, नीरज राय, धर्मेंद्र कुमार, हरेराम कुमार, अजय कुमार सिंह, भरत प्रसाद साह, पिंकी सिंह, अनीता रानी, अर्जुमंद बानो, पिंकी सिंह, भास्कर सिंह, रमेश कुमार, अविनाश दत्त, विश्वनाथ मउवार, जाकिर हुसैन, पदमा रानी, अशोक कुमार सिंह, धर्मराज सिंह, अजीत कुमार सिंह, भरत साह समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

जागो तभी सवेरा थीम पर आधारित नुक्कड़ नाटक का किया गया आयोजन

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

स्थानीय काराकाट बाजार स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय के प्रांगण में स्पैन इंटरनेशनल अनीसाबाद पटना बिहार की टीम के बैनर तले जब जागो तभी सवेरा थीम पर आधारित नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं आम लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के उपायों को लेकर जागरूक करना था। इस अवसर पर कलाकारों ने लू, आंधी, वज्रपात, बिजली हादसे, नहर या पोखर में डूबने जैसी आपदाओं से बचाव को लेकर सरल और व्यवहारिक सुझावों को मंचित किया। नुक्कड़ नाटक के जरिए आपदा प्रबंधन की बारीकियों को इस तरह प्रस्तुत किया गया कि छात्र- छात्राएं न केवल आकर्षित हुए बल्कि उसे गंभीरता से ग्रहण भी किया। कार्यक्रम में कलाकार सानाउल्ला खान, सुधांशु रंजन, बलिंद्र शर्मा, रागिनी कुमारी, सानिया परवीन और विकास कुमार समेत अन्य ने सराहनीय अभिनय करते हुए जीवन रक्षक संदेशों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से बताया गया कि प्राकृतिक आपदाओं से घबराने की जगह सतर्कता और सही जानकारी से जान-माल की हानि को रोका जा सकता है। नाटक के दौरान विद्यार्थियों ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई और प्रश्नोत्तर सत्र में उत्साह से भाग लिया। इस मौके पर राधा-रमेश बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीयकृत मध्य विद्यालय काराकाट के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना की और इस तरह के आयोजन को समय-समय पर किए जाने की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने विद्यार्थियों से कहा कि वे इन संदेशों को अपने परिवार और समुदाय में भी साझा करें,ताकि आपदा के समय हर व्यक्ति सजग और सुरक्षित रहे।

वेतन वृद्धि मांग को ले आंगनबाडी सेविआओं ने किया धरना-प्रदर्शन

निज संवाददाता | राजपुर (रोहतास)

सरकार से वेतन वृद्धि की मांग को ले बुधवार को प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय मेन गेट पर क्षेत्र की सेविकाओं ने प्रखंड अध्यक्ष गीता देवी व ज्योति दुबे के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान सेविकाओं ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि जहा ना जाये कोई गाडी, वहां जाये आंगनबाडी, ऐसी सरकार को कुर्सी से उतार दो, हम भारत की नारी है,फुल नहीं चिंगारी हैं। सात हजार में दम नहीं पचीस हजार से कम नहीं। इस प्रकार के कई अन्य नारों को लगाते हुए विरोध जताया। धारना को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाओं से वह सभी कार्य कराये जा रहे हैं, जो सरकार के अन्य पदों पर पदस्थापित कर्मियों द्वारा किया जा रहा हैं। चार घंटा कार्य सेवा एग्रीमेंट करके आठ से दस घंटे तक काम लिया जा रहा है। सेविकाएं वरीय पदाधिकारियों का आदेश पालन को मजबूर हैं। मतदाता सूचि गहन पुनरीक्षण का कार्य हो या जनगणना का। सरकार के सभी आदेश को सेविकाएं अनुपालन कर रहीं है।बावजूद भी वेतन आखिर इतना कम क्यों दिया जा रहा है ? उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाएं जमीन से जुडी कार्यकर्ता हैं। वोट देने व दिलाने की क्षमता रखती हैं। सरकार हमारी अनदेखी कर रही है। सेविकाएं सरकार बदल देने की क्षमता रखती हैं। सभी सेविकाएं जल्द हीं पटना पहुंच अपनी मांग के समर्थन में सरकार के समक्ष विरोध जतायेंगी। मौके पर सचिव चन्द्रावती देवी,फुल कुमारी, सुनिता कुमारी, मनिषा कुमारी, माया देवी, पूनम देवी, मोतीझारो देवी, लालसा देवी, उषा देवी, संध्या देवी, आरती देवी, कुंती देवी, नायडू देवी समेत सभी सेविकाएं मौजूद रही।

स्टूडेंट नर्सिंग एसोसिएशन इन इंडिया का चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार के अंतर्गत संचालित नारायण नर्सिंग कॉलेज में स्टूडेंट नर्सिंग एसोसिएशन इन इंडिया का चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस चुनाव को लेकर नारायण नर्सिंग कॉलेज में उत्साह, नेतृत्व और लोकतांत्रिक भागीदारी का माहौल देखा गया। यूनिट कोर्ड 1419 के अंतर्गत 2025 के लिए यह चुनाव कराया गया। नारायण नर्सिंग कॉलेज की डीन सह प्राचार्या डॉक्टर प्रोफेसर के लता, उपप्राचार्या डॉक्टर प्रोफेसर श्वेता शर्मा, स्टूडेंट नर्सरी एसोसिएशन इन इंडिया के सलाहकार सज्जन पटेल और सलाहकार समिति के सदस्य के मार्गदर्शन में चुनाव आयोजित किए गए। सुश्री अंजू सिंह, संस्कृत आस्था, मोनिका फिलिप्स बीएससी नर्सिंग और जी एन एम के सभी बच्चे शामिल थे। चुनाव में प्रत्याशी के रूप में 39 छात्रों ने भाग लिया। छात्र नेतृत्व को बढ़ावा देने और संस्थागत विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए चुनाव प्रक्रिया में छात्र उममीदवारों द्वारा मतदाताओं के बीच जोश भरा प्रचार किया गया। विभिन्न सत्रों के कई छात्रों ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष, सांस्कृतिक सचिव, खेल सचिव जैसे प्रमुख पदों के लिए चुनाव लड़ने हेतु अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत की। कल देर शाम मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया गया और इनमें से 18 छात्रों को निर्वाचित घोषित किया गया। अध्यक्ष डॉक्टर प्रो. के लता प्राचार्या, उपाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर श्वेता शर्मा उप प्राचार्या, सलाहकार सज्जन पटेल सहायक प्राध्यापक, बीएससी नर्सिंग, जी एन एम महासचिव कृष्ण बिहारी छठा सेमेस्टर, रुद्र प्रताप सिंह, जी एन एम द्वितीय वर्ष, हरिओम पटेल छठा सेमेस्टर, दूसर सेमेस्टर नेहा कुमारी अनुशासन समिति को निर्वाचित घोषित किया गया।

आंगनबाड़ी सेविका सहायक ने की मानदेय बढ़ाने की मांग

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

प्रखंड मुख्यालय स्थित सीडीपीओ के ऑफिस पर आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के बैनर तले सेविका सहायिका के द्वारा अपने मांग के समर्थन में प्रदर्शन किया गया। जिसमें सेविका सहायिका को दैनिक मजदूरी के जैसा वेतन लागू नहीं हुआ संघ के द्वारा बार-बार मांग करने पर अभी बिहार में आंगनबाड़ी सेविका को मात्र 7000 एवं सहायिका को मात्र 4000 मानदेय मिलते हैं। जबकि आंगनबाड़ी स्थापना के बाद नियुक्त हुए अन्य कर्मचारियों को दैनिक मजदूर का दर्जा मिल गया है। जबकि आंगनबाड़ी स्थापना के बाद नियुक्त हुए अन्य कर्मचारियों के दैनिक मजदूर का दर्जा मिल गया है उनका मानदेय 25000 मिलता है विभाग और सरकार आंगनवाड़ी से बराबर अन्य कार्य विवरण किया करती है। आंगनबाड़ी सेविकाओं का कार्य करने को 4 घंटे का है पर अन्य कार्यों में लगभग 10 घंटा कार्य लिया जाता है। विभाग द्वारा मोबाइल कई वर्षों से खराब है फिर भी पोषण ट्रैकर पर कार्य लिया जाता है फर्स कराया जाता है और ऊपर से मैट्रिक पास बहाली हुई है उसके बाद भी सभी गांव में बी एल ओ का कार्य दिन-रात मानसिक दबाव देकर कराया जाता है बिहार आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के निर्माण अनुसार सेविकाओं की मांग के समर्थन में दिनांक 6 अगस्त 2025 को परियोजना कार्यालय पर धरना दिया गया। आंगनवाड़ी सेविकाओं को सरकारीकरण किया जाए। (गुजरात हाई कोर्ट के निर्णयनुसार, सुप्रिम कोर्ट के निर्णयानुसार ग्रेच्यूटी लागू किया जाए) जब तक सरकारी करण नहीं किया जाता है। तबतक अन्य एन.डी.ए. शासित राज्यों के अनुरूप मानदेय बढ़ोतरी की जाए। सभी एनडीए शासित राज्यों में लगभग 15 हजार रुपये का मानदेय है। हमारी मानदेय भी एनडीए सरकार के जैसे बढ़ने होंगे। मांग नहीं माने जाने पर 12 और 13 अगस्त 2025 को पटना में माननीय मुख्यमंत्री बिहार सरकार के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा धरना के दिन आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। धरना प्रदर्शन में मौके पर गीता देवी, रामवती देवी, उर्मिला देवी, संगीता देवी, निर्मला कुमारी, आशा देवी, रूपा कुमारी, वंदना कुमारी, मंजू देवी सहित सैकड़ो सेविका और सहायिका ने भाग लिया।

काराकाट क्षेत्र की विकास जनता की सेवा मेरी पहली प्राथमिकता

निज संवाददाता | काराकाट

जनसेवा को अपना धर्म मानने वाले काराकाट पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ रोहतास जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने विगत दिन पूर्व जनसुराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर राजनीतिक हलकों में नई हलचल पैदा कर दी। इस अवसर पर काराकाट पंचायत सरकार भवन के सभागार में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रेसवार्ता की अध्यक्षता कर रहे जनसुराज पार्टी के रोहतास जिला मुख्य प्रवक्ता विनोद तिवारी ने बताया कि योगेंद्र सिंह ने हाल ही में पार्टी सुप्रीमो प्रशांत किशोर के समक्ष पार्टी की सदस्यता ली है। उन्होंने कहा कि पार्टी की सही सोच, सही लोग और सामूहिक प्रयास की विचारधारा से प्रेरित होकर श्री सिंह जैसे जमीनी नेता पार्टी से जुड़ रहे हैं, जो बिहार में वास्तविक परिवर्तन की बुनियाद रखेगा। प्रवक्ता ने बताया कि जनसुराज पार्टी बिहार के युवाओं का पलायन रोकने, रोजगार सृजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, दो हजार रुपये वृद्धा पेंशन, किसानों को सस्ता ऋण जैसी योजनाओं को लेकर संगठित संघर्ष कर रही है। प्रेसवार्ता के दौरान भावुक लहजे में बोलते हुए योगेंद्र सिंह ने कहा कि जनसुराज पार्टी की कार्यशैली और प्रशांत किशोर के विजन से प्रेरित होकर मैंने यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि मैं वर्ष 2016 से काराकाट प्रखंड के ग्राम पंचायत चिकसील में मार्गदर्शक के रूप में सक्रिय रहा हूं। ग्राम पंचायत काराकाट की जनता ने मुझपर विश्वास जताकर उक्त पंचायत का मुझे मुखिया बनाया। मैं जब तक इस धरती पर रहूंगा, जनता का ऋणि रहूंगा। श्री सिंह ने आगे कहा कि मैं केवल अपने पंचायत की ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की हर जनता के सुख-दुख में साथ खड़ा रहता हूं।

थानाध्यक्ष ने किया योगदान शांति व अपराध नियंत्रण होगी प्राथमिकता

निज संवाददाता | करगहर (रोहतास)

करगहर थाना में बुधवार को नये थानाध्यक्ष के पद पर कमल नयन पांडेय ने योगदान किया। तत्कालीन थानाध्यक्ष विजय कुमार ने उन्हें पदभार सौंपा। नए थानाध्यक्ष को बक्सर जिला के सेमरी थाना से रोहतास जिला के करगहर में स्थानांतरित किया गया है। इस अवसर पर उपस्थित पुलिस कर्मियों संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने कहा कि अपराध नियंत्रण और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करना प्राथमिकता में शामिल है। नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुलिस कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि शराब की बिक्री और इस धंधे से जुड़े माफियाओं के के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जाएगा। इसके बाल विवाह आदि पर विशेष नजर होगी। वहीं अपराध नियंत्रण मामले में किसी से कोई समझौता नहीं होगा। नशे के कारोबारियों को शक्त हिदायत भरे शब्दों में कहा कि वे होशियार हो जाये अपना रास्ता बदल लें नहीं तो बक्से नहीं जायेंगे। तत्कालीन थानाध्यक्ष विजय कुमार का स्थानांतरण मानस थाना में किया गया है।

» शराब की बिक्री और इस धंधे से जुड़े माफियाओं के के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जाएगा। इसके बाल विवाह आदि पर विशेष नजर होगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

बीएलओ की बैठक में दस्तावेज अपलोड पर चर्चा

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखण्ड परिसर स्थित सभागार में बुधवार को सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ संजीव झा के नेतृत्व में बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर की महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में क्षेत्र अंतर्गत मतदाता सूची तैयार करने के लिए प्रतिनियुक्त बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड करने को लेकर चर्चा की गयी। बीडीओ ने बताया मुख्य एजेंडा मतदाता दस्तावेजों को ससमय और सही तरीके से ऑनलाइन अपलोड करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गयी। मतदाताओं के आवश्यक दस्तावेज सफलतापूर्वक निर्वाचन के ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। यह चुनाव तैयारियों की दिशा में सकारात्मक रूप दे रहा है। साथ ही बताया कि बैठक में सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि शेष सभी मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेज जल्द से जल्द प्राप्त कर करें। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं का नाम अथवा उनके परिवार के सदस्य का नाम वर्ष 2003 से पहले के मतदाता सूची में अंकित है, उनके लिए पूर्व का मतदाता सूची ही आवश्यक दस्तावेज है। बीडीओ ने कहा कि प्रारंभिक चरण में अपलोड का कार्य बेहतर रहा है। सभी बीएलओ को निर्देशित करते हुए कहा कि शेष मतदाताओं के दस्तावेजों को डोर-टू-डोर मतदाताओं के घर जाकर शीघ्र और त्रुटिरहित ढंग से अपलोड करने के कार्य करें। बीडीओ ने बताया कि मतदाताओं के लिए अनापत्ति फॉर्म जमा करने हेतु प्रखण्ड सभागार में एक काउंटर भी बनाया गया है, किंतु बुधवार तक किसी भी पोलिटिकल पार्टी अथवा अन्य मतदाता के द्वारा एक भी अनापत्ति फॉर्म जमा नहीं किया गया है। इस मौके पर क्षेत्र में कार्यरत सभी बीएलओ मौजूद रहे।

छः सूत्री मांगो को लेकर सेविका सहायिका ने किया धरना-प्रदर्शन

निज संवाददाता | नौहट्टा (रोहतास)

प्रखंड क्षेत्र के स्थानीय बाल विकास परियोजना कार्यालय के सामने आंगनवाड़ी सेविका व सहायिका ने बुधवार को दोपहर मे छः सूत्री मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। बताया गया कि धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता विंदु देवी ने किया। प्रदर्शन के दौरान सेविका सहायिका नीतीश सरकार के विरोध में नारे लगाकर तथा थाली बजाकर धरना प्रदर्शन व एक दिवसीय हडताल किया। सेविकाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी सेविकाओं का सरकारीकरण किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के निदेशानुसार ग्रेच्युटी लागु किया जाए। पदाधिकारियों द्वारा सेविकाओं को चयनमुक्त करने की धमकी दी जाती है। सेविकाओं को आर्थिक व मानसिक रूप से शोषण किया जाता है। सेविकाओं को भय रहित किया जाए। नई फाइव जी मोबाइल खरीदने के लिए सीधा सेविकाओं के खाता पैसा ट्रांसफर किया जाए नही तो पदाधिकारियों द्वारा आर्थिक शोषण किया जाएगा। सेविकाओं को बीएलओ जैसे जटिल कार्य से मुक्त किया जाए। विभाग द्वारा बार बार लेटर आता है कि सेविकाओं को अन्य कार्य मे नही लगाया जाएगा लेकिन अन्य काम मे लगा दिया जाता है। आंगनवाड़ी केंद्र की बिजली भुगतान कौन करेगा। बिजली भुगतान नही होने से समीर केंद्र का बिजली आपूर्ति बंद है।

संक्षिप्त समाचार

पर्यवेक्षक व बीएलओ की बैठक

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। इंटर विद्यालय नारदीगंज में बुधवार को पर्यवेक्षक व बीएलओ की बैठक हुई। अध्यक्षता बीडीओ सोनिया ढनढननिया ने की। मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित हो गया है। वर्ष 2003 का मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में है। उसमें उनके माता, पिता या किसी सदस्य का नाम अंकित है। उन्हें चिन्हित करना है, और आनलाइन करें। दो तीन दिन के अंदर 50 प्रतिशत पूरा करना है। आठ व नौ अगस्त को दो दिवसीय शिविर आयोजित करें, और जनप्रतिनिधियों व मतदान स्तरीय अभिकर्ता की बैठक कर दावा आपत्ति लीजिए। मतदाता सूची में नाम, जोड़ने व हटाने के लिए उनसे दावा आपत्ति का लें। यह बैठक (शिविर) सार्वजनिक स्थल, मतदान केंद्र पर करें, जहां आसानी से आधिक से अधिक लोग पहुंचे। वही प्रखंड के उजला भवन में आगामी एक सितंबर तक दावा आपत्ति का कार्य किया जाएगा। वैसे अभी तक यहां एक भी दावा आपत्ति किसी भी मतदाता दर्ज नहीं कराया है। मौके पर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी राम सागर पाल, पर्यवेक्षक जितेंद्र कुमार, रवि कुमार, दीपक कुमार, अमरेन्द्र कुमार, अशोक कुमार, विद्या नंद कुमार समेत अन्य रहे।

बाइक चोरी रोकने को अस्पताल में सख्ती

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय अस्पताल में मरीजों एवं उनके परिजनों की हो रही लगातार बाइकों की चोरी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। बुधवार को अस्पताल द्वार पर तैनात दफेदार देवशंकर प्रसाद एवं चौकीदार नवलेश प्रसाद बाइक की निगरानी करते दिखाई दिए। मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय अस्पताल, रजौली इंटर स्कूल और प्रखंड कार्यालय परिसर से चोरों ने अधिकांश बाइकों की चोरी की घटना को अंजाम दे चुका है। बाइक चोरों के विरुद्ध थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने पुलिस बलों के सहयोग से विशेष अभियान जारी किया है, जिससे बाइक चोर गिरोह के गिरेबान तक पुलिस के हाथ पहुंच सके। थानाध्यक्ष ने बताया कि मुख्यालय में सादे लिबास में भी पुलिस बल लगातार चौकसी कर रहे हैं। जल्द ही बाइक चोर गिरोह का उद्भेदन किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर अस्पताल में इलाज करवाने आने वाले मरीजों एवं उनके परिजन निर्भीक रूप से बाइक को द्वार पर लगाकर ओपीडी में जा रहे हैं। पुलिस कर्मियों की प्रतिनियुक्ति के बाद अस्पताल परिसर से एक भी बाइक की चोरी नहीं हुई है।

115 ग्राम गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

नवादा (नि.सं.)। नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर भदौनी छोटी दरगाह मोहल्ले में छापामारी कर 115 ग्राम गांजा के साथ युवक को गिरफ्तार कर लिया। इस बावत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कारवाई आरंभ कर दी गयी है। बताया जाता है कि थानाध्यक्ष अविनाश कुमार को भदौनी छोटी दरगाह के पास गांजा बेचे जाने की गुप्त सूचना मिली। सूचना के आलोक में त्वरित छापामारी कर नशे के सौदागर को 115 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार की पहचान मनीर शाह के पुत्र राजू आलम के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार राजू गांजा पीने की लय नौजवानों को लगा रहा था। पुलिस कार्रवाई से मुहल्ले के लोगों ने राहत की सांस ली है। ऐसा होने से बच्चों का भविष्य बर्बाद होने पर फिलहाल रोक लगा गयी है। पुलिस गिरफ्तार युवक से गांजा बेचने वाले रैकेट से संबंधित पूछताछ कर रही है।

ट्रांसफार्मर खराब, ग्रामीणों परेशान

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र के जोगियामारण गांव में विगत कुछ महीनों से बिजली की व्यवस्था चरमराई हुई है। इसके पीछे का मुख्य कारण गांव स्थित खराब पड़े ट्रांसफार्मर के बदले दूसरा खराब ट्रांसफार्मर लगाना बताया जा रहा है। बुधवार को जोगियामारण के दर्जनों ग्रामीण रजौली स्थित बिजली कार्यालय पहुंच कनीय अभियंता कार्यालय का घेराव किए। ग्रामीण विकास कुमार ने बताया कि बीते होली के बाद से ही गांव में बिजली की स्थिति अत्यधिक दयनीय है। उन्होंने इसके लिए बिजली विभाग को दोषी बताया है। ग्रामीणों का कहना है कि होली के समय ही गांव स्थित एक ट्रांसफार्मर खराब हो गया था, जिसको बदलने के लिए बिजली विभाग के कार्यालय में लिखित आवेदन भी दिया गया। ग्रामीणों द्वारा दिए आवेदन के आलोक में नया ट्रांसफार्मर के जगह पर रिपेयर करवाकर पुराने वाले ट्रांसफार्मर ही लगा दिया गया,जो बिना लोड के ही पुनः खराब हो गया। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा पुनः नए ट्रांसफार्मर की मांग किया जाने लगा, तो मिस्त्री और अन्य कर्मियों द्वारा ग्रामीणों से मुंहमांगे रुपए भी चंदा करके दिया गया, किंतु नया ट्रांसफार्मर अबतक नहीं लगाया गया। इसी बीच बिजली विभाग के कर्मियों ने कहा कि अर्थिंग की कमी के कारण ट्रांसफार्मर लोड नहीं ले रहा है, तो ग्रामीणों ने पुनः चंदा करके ट्रांसफार्मर के बगल में 40 फीट का बोरिंग करवाकर गड्ढा करवाया। गड्ढे होने के बाद फिर से विभाग ने एक पुराने ट्रांसफार्मर को लाया, किंतु वह भी लोड देने से पूर्व मात्र एक घंटे में ही जल गया। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली विभाग के कर्मी तार जोड़ने, फ्यूज बनाने से लेकर अन्य कार्यों तक के लिए पैसा लेते हैं। यदि ग्रामीणों द्वारा पैसा नहीं दिया जाता है, तो बिजली कर्मी फोन तक उठाना बंद कर देते हैं। बिजली की कमी के कारण गांव के लोग 15 दिनों से अंधकार में जीवन व्यतीत करने को मजबूर हैं। वहीं नौनिहालों के पढ़ाई भी काफी प्रभावित हो रही है। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा 125 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा तो कर दी गई है, किंतु बिजली विभाग के कनीय अभियंता द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। इस बाबत बिजली विभाग के कनीय अभियंता भुवनेश्वर कुमार ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत मिली है। किंतु बिजली मिस्त्री अथवा अन्य कर्मियों द्वारा पैसे लेने को लेकर कोई शिकायत नहीं मिला है, आवेदन मिलने पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि टीआरडब्लू से ट्रांसफार्मर विभाग को मिलता है और वही ट्रांसफार्मर क्षेत्र में लगाया जाता है। ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया है कि जल्द ही खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदल दिया जाएगा।

आंगनबाड़ी सेविकाओं का धरना

नौहट्टा (रोहतास) (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र के स्थानीय बाल विकास परियोजना कार्यालय के सामने आंगनवाड़ी सेविका व सहायिका ने बुधवार को दोपहर मे छः सूत्री मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। बताया गया कि धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता विंदु देवी ने किया। प्रदर्शन के दौरान सेविका सहायिका नीतीश सरकार के विरोध में नारे लगाकर तथा थाली बजाकर धरना प्रदर्शन व एक दिवसीय हडताल किया। सेविकाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी सेविकाओं का सरकारीकरण किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के निदेशानुसार ग्रेच्युटी लागु किया जाए। पदाधिकारियों द्वारा सेविकाओं को चयनमुक्त करने की धमकी दी जाती है। सेविकाओं को आर्थिक व मानसिक रूप से शोषण किया जाता है। सेविकाओं को भय रहित किया जाए। नई फाइव जी मोबाइल खरीदने के लिए सीधा सेविकाओं के खाता पैसा ट्रांसफर किया जाए नही तो पदाधिकारियों द्वारा आर्थिक शोषण किया जाएगा। सेविकाओं को बीएलओ जैसे जटिल कार्य से मुक्त किया जाए। विभाग द्वारा बार बार लेटर आता है कि सेविकाओं को अन्य कार्य मे नही लगाया जाएगा लेकिन अन्य काम मे लगा दिया जाता है। आंगनवाड़ी केंद्र की बिजली भुगतान कौन करेगा। बिजली भुगतान नही होने से समीर केंद्र का बिजली आपूर्ति बंद है ।सेविकाओं ने एक विज्ञप्ति बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पुनम कुमारी को दी। सीडीपीओ ने बताया कि मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी गयी है। मौके पर नीलम देवी गायत्री देवी प्रमीला देवी, चंदु सिंह, किरण देवी, तेतरी देवी कालिंदा देवी गौरी देवी, शीलम देवी, सुनीता देवी, आरती देवी, संतोषी देवी, अनीता देवी शबाना खातुन. शशीबाला रूपा देवी, कमरून बीबी कांति देवी आदि थे।

दारानगर में 15 लीटर शराब बरामद

नौहट्टा (रोहतास) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के दारानगर गांव मे पुलिस ने मंगलवार की रात मे छापा कर पंद्रह लीटर शराब बरामद किया है। बताया गया कि दारानगर के बजार मोड पर कुछ शराबी शराब पीकर हंगामा कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस बल के साथ थाना अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा एवं पीटीसी मोहम्मद एजाज अहमद पहुंचे तब तक शराबी फरार हो चुके। वही स्थानीय लोगों ने बताया कि यही शराब बिक्री किया जाता है।

आंगनबाड़ी बच्चों की पोशाक अब जीविका दीदियां करेंगी तैयार

निज संवाददाता | नवादा

जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों में नामांकित बच्चों की पोशाक की सिलाई का कार्य जीविका दीदियाँ करेंगी। इसके लिए चयनित जीविका दीदियों को सिलाई-कटाई में दक्ष बनाने हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में रजौली एवं नरहट प्रखंड में 5 अगस्त से सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई है, जिसमें कुल 50 जीविका दीदियाँ भाग ले रही हैं। समाज कल्याण विभाग एवं जीविका के बीच हुए एकरारनामे के तहत नवादा जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की पोशाक की आपूर्ति का कार्य जीविका समूहों के माध्यम से किया जाएगा। इस योजना से बच्चों को समय पर गुणवत्तापूर्ण पोशाक की आपूर्ति सुनिश्चित होगी, वहीं जीविका दीदियों को रोजगार का एक स्थायी माध्यम भी प्राप्त होगा। जिले में कुल 1615 जीविका दीदियों को इस कार्य के लिए चिन्हित किया गया है, जिनमें कई दीदियाँ पहले से ही सिलाई-कटाई में दक्ष हैं। अब उन्हें बच्चों की पोशाक की विशेष डिजाइन और गुणवत्ता के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण की प्रभावशीलता और व्यापकता को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक प्रखंड में तीन से चार प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक सत्र में औसतन 25 से 30 दीदियाँ भाग लेंगी। इस संबंध में जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक चन्दन कुमार सुमन ने बताया कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम है।

मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने को लेकर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना जरूरी : सुबोध

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

प्रखण्ड के जेपी आश्रम परिसर अवस्थित राजेन्द्र भवन में कृषि विज्ञान केंद्र,ग्राम निर्माण मंडल नवादा के बैनर तक राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत 2 अगस्त से शुरू हुए प्राकृतिक खेती विषय पर चयनित कृषि सखियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन बुधवार को किया गया। समापन के बाद सभी प्रतिभागियों के बीच प्रमाणपत्र का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उपनिदेशक रसायन बिहार पटना सह-नोडल पदाधिकारी सुबोध कुमार मौजूद रहे। प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उर्वरक पर निर्भरता कम करने व हर भारतीय की थाली में स्वच्छ अनाज उपलब्ध कराने में प्राकृतिक खेती बहुत ही उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि बदलते परिवेश में हमारी मिट्टी की उर्वरा शक्ति दिन प्रतिदिन कम हो जा रही है, जिसके कारण मिट्टी की स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए प्राकृतिक खेती अपनाना आवश्यक हो गया है। ग्राम निर्माण मंडल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती के मुख्य अव्यय जैसे-जीवामृत बिजामृत, घन जीवामृत निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नि अस्त्र, फफूंद नाशक आदि घटकों को बनाने का तरीका बताया गया। जिससे कि कृषि में प्रयोग हो रहे कीटनाशकों एवं उर्वरकों का प्रयोग को कम किया जा सके। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह- प्रधान डॉ० जयवंत कुमार सिंह, कोर्स कॉर्डिनेटर अंगद कुमार, विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ० शशांक शेखर सिंह, जिला कृषि कार्यालय नवादा से कृषि समन्वयक दया निधि प्रेम सागर,फार्म प्रबंधक सुमिताप रंजन, अनिल कुमार, पिंटू पासवान, श्रवण रविदास के साथ नवादा जिला के विभिन्न दस प्रखंडों से आए हुए कृषि सखियां शामिल हुए।

अंकित कुमार ने क्विज प्रतियोगिता में मारी बाज़ी, जिला स्तर पर हासिल किया प्रथम स्थान

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। रजौली अनुमंडल के लिए गर्व की बात है कि यहां के साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्र अंकित कुमार ने जिले स्तर पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर न सिर्फ अपने स्कूल का, बल्कि पूरे अनुमंडल का नाम रौशन किया है। यह प्रतियोगिता नवादा जिले में वन महोत्सव के उपलक्ष्य में 3 अगस्त 2025 को साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल, नवादा के प्रांगण में आयोजित की गई थी, जिसमें जिले भर के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्र शामिल हुए थे, जिसमें वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्नों पर छात्रों की समझ, जागरूकता और ज्ञान की परीक्षा ली गई। साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल, रजौली के कक्षा 10वीं के मेधावी छात्र अंकित कुमार ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए पहले ही राउंड से निर्णायक बढ़त बनाई और अंततः क्विज प्रतियोगिता के अंतिम दौर में बाजी मारते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। 5 अगस्त 2025 को जब प्रतियोगिता का परिणाम घोषित हुआ, तो पूरे विद्यालय परिसर में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी। छात्र अंकित कुमार को नवादा जिला वन विभाग की ओर से आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में जिला वन पदाधिकारी श्रेष्ठ कृष्णा, पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान, डीडीसी प्रियंका रानी सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। उन्हें सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र, पुस्तकें, और शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई। सम्मान समारोह के दौरान स्कूल के संचालक रविंद्र कुमार उर्फ पप्पू ने अंकित की इस सफलता पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि यह हमारे स्कूल और रजौली क्षेत्र के लिए बहुत ही गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि अंकित जैसे प्रतिभाशाली छात्र आने वाले समय में और ऊंचाइयों को छुएंगे और ऐसे आयोजनों में भागीदारी से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ता है। विद्यालय के शिक्षकों और अन्य छात्रों ने भी अंकित को बधाइयां दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि रजौली क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक संकेत है और यह दर्शाता है कि यहां के छात्र भी किसी से कम नहीं हैं। साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल का यह प्रयास और छात्रों की मेहनत भविष्य में भी इस तरह के बड़े मंचों पर सफलता की कहानी लिखेगी। यह आयोजन न सिर्फ शिक्षा बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बच्चों को जागरूक करने की एक सकारात्मक पहल थी, जिसे खूब सराहा गया। भविष्य में इस तरह के आयोजनों से छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को लेकर समझ भी विकसित होती है। रजौली अनुमंडल के लिए गर्व की बात है कि यहां के साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल के छात्र अंकित कुमार ने जिले स्तर पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर न सिर्फ अपने स्कूल का, बल्कि पूरे अनुमंडल का नाम रौशन किया है। यह प्रतियोगिता नवादा जिले में वन महोत्सव के उपलक्ष्य में 3 अगस्त 2025 को साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल, नवादा के प्रांगण में आयोजित की गई थी, जिसमें जिले भर के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्र शामिल हुए थे, जिसमें वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्नों पर छात्रों की समझ, जागरूकता और ज्ञान की परीक्षा ली गई।

अन्धविश्वास दूर करने को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

नारदीगंज पंचायत के दरियापुर अनुसूचित टोला में डायन उत्पीड़न, नशा उन्मूलन, शिक्षा के अधिकार अधिनियम, अंधविश्वास पर बुधवार को जागरूकता अभियान चलाया गया। नारदीगंज ग्राम कचहरी के सरपंच प्रवेश रविदास ने समाज में फैली कुरीतियों व अंधविश्वासों को दूर करने के लिए लोगों को जागरूक किया। इसके अलावा शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत बच्चों को शिक्षित करने पर बल दिया। कहा कि शिक्षा से बड़ा कोई हथियार नहीं है। अपने बच्चे को अवश्य पढ़ाये। एक रोटी कम खाये, लेकिन बच्चों को शिक्षित जरूर कीजिए। बीमार का इलाज झाड़ फूंक से नहीं करें, ओझा, साधु के चक्कर नहीं जाए। उसे सरकारी अस्पताल में इलाज कराये, सरकार सब तरह की सुविधा अस्पताल में उपलब्ध कराई है। किसी महिला को डायन कहकर प्रताड़ित नहीं कीजिए। डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला भी दर्ज हो सकता है। अंधविश्वास हर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव भी डायन का कारण बन सकता है। पूरे बिहार में कई महिलाएं अब भी डायन कहलाने के खतरे में हैं। उन्होंने कहा कानून बना देने से समाज में बदलाव नहीं आ सकता है। जब तक लोगों में सामाजिक सोच, सामाजिक रीतियों और स्थानीय व्यवस्थाओं में बदलाव नहीं होगा। तब तक डायन के नाम पर महिलाओं की हत्या के साथ पूरे परिवार की हत्या होती रहेगी। देश की आधा से अधिक आबादी गांव में बसती है। जहां जागरूकता के अभाव में घटनाएं घटती रहती है। उन्होंने आम लोगों से डायन शब्द का प्रयोग और नशा सेवन नहीं करने की अपील की है। मौके पर पूर्व उप सरपंच पप्पू राजबंशी, दिनेश राजबंशी समेत अन्य रहे।

इफको ने किया किसान मित्र समूह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता | करगहर (रोहतास)

इफको बाजार परिसर में बुधवार को किसान मित्र समूह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन दीपक प्रज्वलित कर कृषि सेवा केंद्र के प्रबंधक डॉ रमेश कुमार, इफको के जिला क्षेत्रीय अधिकारी अनिकेत वर्मा, पूर्व एसडीएम रमेश पांडेय एवं पैक्स अध्यक्ष विमल उपाध्याय ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर स्थानीय प्रबंधक अभिनव कुमार ने किसानों को बताया कि किसानों को उपलब्ध कराए जाने वाले नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी किसानों के लिए उपयुक्त उर्वरक है। इसके प्रयोग से फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होती है।

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त, पलामू।
(नजारत शाखा)

अति अल्पकालीन–निविदा

1. विज्ञापनदाता का पदनाम	उपायुक्त, पलामू
2. RFP जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	14.08.2025 01:00 अपराह्न
3. RFP जमा करने का स्थान	जिला नजारत शाखा, पलामू
4. RFP खोलने का स्थान	समाहरणालय ए–ब्लॉक मीटिंग हॉल
5. RFP खोलने का तिथि एवं समय	14.08.2025 03:00 अपराह्न

पलामू जिला/प्रमण्डलीय मुख्यालय अन्तर्गत 15 अगस्त/26 जनवरी/ विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों के आगमन पर जिला प्रशासन द्वारा समारोह का समय–समय पर किया जाता है। इसके आयोजन हेतु आवश्यक सामग्रियों का आपूर्ति करना एवं टेन्ट, अल्पाहार एवं अन्य व्यवस्था करने के निमित दर निर्धारण करने हेतु इच्छुक संस्थान/प्रतिष्ठान से दिनांक–14.08.2025 को 01:00 बजे तक निम्नांकित शर्त्तों के अधीन अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संस्थान/प्रतिष्ठान जिला नजारत शाखा, पलामू समाहरणालय परिसर ब्लॉक–ए में अपनी निविदा जमा कर सकते हैं।

1. उपरोक्त सामग्रियों की आपूर्ति करने एवं आवश्यक व्यवस्था करने हेतु इच्छुक फर्म/संस्थान निविदा के साथ निविदा शुल्क के रूप में 1000/– (एक हजार) रू0 का बैंक ड्रॉफ्ट (असफल संस्थान को Refundable) समर्पित करना होगा, जो उपायुक्त, पलामू के पदनाम से देय होगा।
2. इच्छुक फर्म/संस्थान को Earnest Money Deposit (EDM) के रूप में 50,000/– रू0 का डिमांड ड्रॉफ्ट (उपायुक्त, पलामू के पदनाम से देय) संलग्न करना अनिवार्य होगा, जो असफल संस्थान को वापस कर दिया जायेगा।
3. इच्छुक फर्म/संस्थान के पास झारखण्ड राज्य में निबंधित GST No एवं पैन कार्ड होना अनिवार्य है।
4. फर्म/प्रतिष्ठान के काली सूची में दर्ज नहीं होने संबंधी शपथ पत्र (issued by Executive Magistrate) संलग्न करना होगा।
5. निविदादाता को निविदा के साथ अद्यतन GST Return (GSTR 3B) एवं अद्यतन आयकर रिर्टन (विगत तीन वर्षों का) संलग्न करना अनिवार्य होगा।
6. सफल निविदादाता को 15 अगस्त, 2025 समारोह में इस कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गए आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति एवं सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए किसी भी प्रकार का परिवहन भत्ता इस कार्यालय द्वारा देय नहीं होगा।
7. असफल फर्म/संस्थान को निर्गत कार्यादेश की तिथि से 07 दिनों के अंदर सामग्रियों का आपूर्ति पूर्ण करना अनिवार्य होगा।
8. इच्छुक फर्म/संस्थान को Technical Proposal एवं Financial Proposal अलग–अलग मुहरबंद लिफाफे में समर्पित करना होगा।
9. तकनीकी प्रस्ताव में सफल संस्थान का ही वित्तीय प्रस्ताव खोला जायेगा, न्यूनतम निर्वाचन दर पर मान्य होगा।
10. RFP की स्वीकृत तथा अस्वीकृत करने एवं किसी भी शर्त्त को शिथिल करने का अधिकार उपायुक्त, पलामू को सुरक्षित होगा।
11. भविष्य में आवश्यकता के अनुसार इस दर के अनुरूप सामान का क्रय/भुगतान किया जायेगा।

PR 359030 (Palamu) 25-26 (D) उपायुक्त, पलामू।

समाहरणालय, गढ़वा
(प्रधानमंत्री आवास योजना कोषांग)

आदेश

सरकार के प्रधान सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड, राँची की अधिसूचना सं0–1016, दिनांक–01.03.2017 एवं ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक– 2300(अनु0) राँची दिनांक–23.06.2022 के आलोक में प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण अंतर्गत कार्यालय ज्ञापांक–693 दिनांक–23.06.2025 से विज्ञापन संख्या–01/2025 प्रकाशित करते हुए अभ्यर्थियों से विभिन्न पदों के लिए दिनांक–12.07.2025 तक ऑनलाईन आवेदन प्राप्त किया गया। प्राप्त आवेदनों की कम्प्यूटर में प्रविष्टि के उपरांत कार्यालय ज्ञापांक–828 दिनांक–23.07.2025 द्वारा दावा/आपत्ति प्राप्त करने हेतु सूची जिले के वेबसाईट पर अपलोड किया गया। दावा/आपत्ति निराकरण के उपरांत आवेदनों की योग्य उम्मीदवारों की सूची, अयोग्य उम्मीदवारों की सूची, औपबंधिक प्रारंभिक मेधा सूची एवं दक्षता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों की सूची को गढ़वा जिला के वेबसाईट garhwa.nic.in पर जारी कर दिया गया है। दक्षता परीक्षा दिनांक–11.08.2025 दिन–सोमवार को पूर्वाह्न 10:00 बजे से नया समाहरणालय भवन, कल्याणपुर, गढ़वा के सभागार में आयोजित की जाएगी। विस्तृत विवरणी जिले के वेबसाईट garhwa.nic.in पर उपलब्ध है।

PR 358897 Rural Development (25-26)_D उप विकास आयुक्त, गढ़वा

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
(CIN No. U40108JH2013SGC001702) Electric Supply Circle, Daltonganj

Tender Notice

Sealed Tender in two Part (Part – I Technical and commercial and Part – II Price part) subscribed on sealed envelope with Lah are invited from the reputed tenderers having good experience of following same type of civil works and having sound financial status.

Sl. No	NIT No.	Name of the works	Estimated cost in (Rs.)	Time for completion (Day)	Earnest money to be deposited in (Rs.)	Cost of BOQ (Non-Refundable in (Rs.)	Late date and time for submission of tender	Date and time for opening of Tender
1.	134/PR/JBVNL/2025-26	Repair and maintenance of control room building and allied civil works of 33/11 KV P/S/S Barwadih under Electric Supply Circle, Daltonganj.	384900/–	(03) Three Months	8000.00	885.00 (Including 18% GST)	26/08/2025 upto 03:00 PM	26/08/2025 at 03:30 PM

The tender documents can be purchased from the office of the undersigned from any working day till one day before the date of submission of tender in office working hours after depositing cost of B.O.Q. (Non-refundable) with Account officer, Electric Supply circle, Daltonganj in shape of Bank draft.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
Electrical Superintending Engineer
Electric Supply Circle, Daltonganj

PR 358940 (Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd)25-26*D

संक्षिप्त समाचार

प्रकाश सिंह बने भाजयुमो के प्रदेश सह क्षेत्रीय प्रभारी

आरा। आरा भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्र ने आरा निवासी प्रकाश सिंह को प्रदेश सह क्षेत्रीय प्रभारी एवं अरवल जिला का प्रभारी मनोनीत किया है। प्रकाश पूर्व में वार्ड अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, नगर महामंत्री, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष और निगम पार्षद रह चुके हैं। उनकी नियुक्ति पर पूर्व कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह, विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक संजय सिंह टाइगर, भाजपा नेता कौशल विद्यार्थी, जिलाध्यक्ष दुर्गा राज, निलेश जैन, अभिमन्यु सिंह, मुकेश सिंह, अंकेश सिंह ने हर्ष व्यक्त किया है। प्रकाश सिंह ने कहा कि युवाओं को संगठन से जोड़ना और भाजपा की नीति को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी।

आर्थिक तंगी में डाटा इंट्री ऑपरेटर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

आरा। आरा/ चरपोखरी जिला के विभिन्न प्रखंड के बीआरसी में तैनात आउटसोर्सिंग, डाटा एंट्री ऑपरेटरों का वेतन वृद्धि एवं सेवा समायोजन नहीं होने को लेकर डाटा इंट्री ऑपरेटर में आक्रोश है, इनका कहना है कि हम भुखमरी के कगार पर हैं। इसकी जानकारी देते हुए संगठन के डाटा एंट्री ऑपरेटर ने बताया कि इसको लेकर संघ द्वारा बिहार सरकार के मुख्यमंत्री को अपनी मांगों के समर्थन में पत्राचार किए हैं. संघ द्वारा बताया गया है कि शिक्षा विभाग में पिछले 8 वर्षों से लगातार बिहार के सभी प्रखंडों के बीआरसी भवन में आउटसोर्सिंग के तहत डाटा इंट्री ऑपरेटर काम करते आ रहे हैं। परंतु सरकार द्वारा हम लोगों के साथ भेदभाव करती आ रही है। जबकि अन्य विभाग में कार्य कर रहे डाटा ऑपरेटर का वेतन वृद्धि किया जाता रहा है। जिसके कारण बच्चों के पठन-पाठन एवं पारिवारिक भरण पोषण करने में आर्थिक शारीरिक एवं मानसिक तंगी का शिकार होना पड़ रहा है। घरेलू सामान देने वाले दुकानदार भी सामान देने से परहेज कर रहे हैं। पर जबकि शिक्षा विभाग द्वारा सभी काम डाटा ऑपरेटर द्वारा कराया जा रहा है। इसके पूर्व भी कई बार संघ द्वारा वेतन वृद्धि करने तथा सेवा समायोजन करने की मांग किया जाता रहा है, परंतु आज तक विभाग कान में तेल डालकर सोई व हुई है। संघ द्वारा चेतावनी दिया गया है कि हम लोगों की मांग को सरकार नहीं सुनी तो विवश होकर संघ द्वारा प्रखंड जिला तथा प्रदेश स्तर पर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

मिल्की अनाइठ मोहल्ले में जलजमाव पर डीएम सख्त

आरा। आरा मिल्की अनाइठ मोहल्ले में जलजमाव की समस्या को लेकर मंगलवार को समीक्षात्मक बैठक हुई। यह मोहल्ला नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-42 में आता है, जहां जल निकासी की गंभीर समस्या बनी हुई है। बैठक की अध्यक्षता डीएम तनय सुल्तानिया ने की। नगर आयुक्त ने बताया कि जगदेव मूर्ति से बाजार समिति होते हुए भेलाई रोड तक नाले पर स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण के कारण नियमित सफाई नहीं हो पा रही है। इसी वजह से इलाके में जलजमाव की स्थिति बनी रहती है। इस पर डीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि तीन दिनों के अंदर माइकिंग कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया जाए और सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई जाए, ताकि जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाया जा सके। सदर एसडीओ को नगर आयुक्त के साथ मिलकर संयुक्त रूप से प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही, ड्रेनेज की सफाई और मरम्मत का जिम्मा पथ निर्माण विभाग और नगर निगम को सौंपते हुए कहा कि जल निकासी की व्यवस्था हर हाल में दुरुस्त की जाए। इस बैठक में नगर आयुक्त अंजू कुमारी, सदर एसडीओ रश्मि सिन्हा, शाहाबाद पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, बुडको के परियोजना निदेशक समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजस्व महाअभियान 16 अगस्त से

आरा। आरा भोजपुर जिले में 16 अगस्त से 20 सितंबर तक होने वाले राजस्व महाअभियान को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां जोरों पर हैं।डीएम खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं, ताकि लोगों को समय पर और बेहतर सेवाएं मिल सकें। इस संदर्भ में समाहरणालय सभागार में मंगलवार को राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक हुई। अध्यक्षता डीएम तनय सुल्तानिया ने की। बैठक में आगामी राजस्व महाअभियान की तैयारियों को लेकर अधिकारियों से बिंदुवार जानकारी ली गई। डीएम ने दिए सख्त निर्देश कि अभियान से पहले सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली जाएं और लोगों को जागरूक करने के लिए जोरदार प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अभियान का असर तभी दिखेगा जब हर स्तर पर काम समय से और गुणवत्ता के साथ हो। बैठक में 75 और 35 दिनों से लंबित दाखिल-खारिज मामलों पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए जल्द निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही, परिमार्जन और आधार सीडिंग से संबंधित आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने स्पष्ट किया कि राजस्व सेवाओं में देरी से जनता को असुविधा होती है। ऐसे में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि न्यूनतम परिवाद और अधिकतम संतोषजनक सेवाएं तभी संभव हैं जब काम की गुणवत्ता में कोई समझौता न हो। सभी भूमि सुधार उपसमाहर्ताओं को नियमित अनुश्रवण और तय समय-सीमा में कार्य निष्पादन के सख्त निर्देश दिए गए। अभियान बसेरा योजना के तहत पर्चा वितरण में तेजी लाने और उसकी समस्त अद्यतन जानकारी अभियान बसेरा ऐप पर समय से अपलोड करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह ऐप पारदर्शिता और जवाबदेही लाने का माध्यम बनेगा। मौके पर अपर समाहर्ता, राजस्व शाखा के प्रभारी पदाधिकारी, सभी डीसीएलआर, सीओ एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जेपी सेनानी डॉ. उमेश चंद्र सिन्हा को श्रद्धांजलि

आरा। लोकनायक जयप्रकाश स्मारक संस्थान द्वारा जेपी सेनानी और प्रसिद्ध गणितज्ञ डॉ. उमेश चंद्र सिन्हा की श्रद्धांजलि सभा हुई। कार्यक्रम का आयोजन लोकनायक स्मारक स्थित मुक्त काला मंच पर हुआ, जहां जेपी आंदोलन से जुड़े सेनानियों और गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभा की अध्यक्षता जेपी सेनानी सुशील तिवारी ने की, संचालन महासचिव सुशील कुमार ने किया। 29 जुलाई को दिल्ली में हृदयगति रुकने से डॉ. सिन्हा का निधन हो गया। वे 1974 के आंदोलन के जुझारू कार्यकर्ता और वीर कुंवर सिंह विवि के पूर्व कुलपति केसी सिन्हा के छोटे भाई थे। सभा में गुलाब चंद प्रसाद, नाथू राम, सलिल भारतीय, अशोक मानव, उमेश सिंह, कमलेश कुंदन, सरफराज अहमद, मिंटू सिंह और संजय सिंह सहित कई वक्ताओं ने डॉ. सिन्हा के विद्वत्ता और योगदान को याद किया।

राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष के निधन पर शोक

आरा| वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण प्रसाद श्रीवास्तव का आकस्मिक निधन पर विभाग में शोक सभा हुई। शोक सभा में वर्तमान विभागाध्यक्ष प्रो. कुंदन कुमार सिंह, डॉ. चिंटू, डॉ. लक्ष्मी कुमारी, डॉ. मनोज और डॉ. रमेश कुमार सहित कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। अपने प्रिय शिक्षक को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। गौरतलब हो कि डॉ. श्रीवास्तव ने मई 1996 से मई 2004 तक राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान परंपरा एवं बौद्धिक वातावरण के सशक्तिकरण में अतुलनीय योगदान दिया। वे एक कर्मनिष्ठ शिक्षक, कुशल प्रशासक एवं उच्च कोटि के विद्वान थे। उनका योगदान विश्वविद्यालय की स्मृति में सदैव अमिट रहेगा। उनका निधन शिक्षा जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। वे सदैव अपने सौम्य व्यवहार, अनुशासन-प्रियता एवं विद्वत्तापूर्ण संवाद के लिए स्मरण किए जाएंगे।

एसबी कॉलेज में अध्यक्ष पद पर डॉ. भवप्रीता चयनित

आरा| वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई एसबी कॉलेज में मंगलवार को शिक्षक संघ का चुनाव हुआ। इसमें अध्यक्ष पद के लिए डॉ भवप्रीता कुमारी, सचिव पद के लिए डॉ अभिनव आनंद, संयुक्त सचिव के पद पर डॉ मिराज दानापुरी, कोषाध्यक्ष के पद पर डॉ नागेंद्र कुमार भूषण निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष के दोनों पदों पर डॉ अनुपमा सिंह एवं डॉ मुन्ना कुमार ज्योति को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। प्राचार्या प्रो आभा सिंह ने संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

बक्सर जिले में स्टेट हाइवे पर चढ़ा बाढ़ का पानी

निज संवाददाता। बक्सर

गंगा नदी में लगातार बढ़ रहे जलस्तर ने बक्सर में बाढ़ की स्थिति विकराल बना दी है। बुधवार को बक्सर-रोहतास स्टेट हाईवे पर चौसा गोला के पास बाढ़ का पानी चढ़ गया है। इस रास्ते पर गाड़ियों का आवाजाही कभी भी ठप हो सकता है। इससे पहले बक्सर-मोहनिया स्टेट हाईवे पर 3 दिन से एकतरफा यातायात बंद है। बीते 24 घंटों में गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 56 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। यह हर 3 घंटे में एक सेंटीमीटर की दर से बढ़ रहा है। बाढ़ के कारण बक्सर के 50 गांव प्रभावित हो चुके हैं।

शहर में भी घुसने लगा बाढ़ का पानीः बाढ़ का पानी अब ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ शहर में भी घुसने लगा है। शहरी क्षेत्र के धोबीघाट, छूमंतर गली, रामबाग, शांतिनगर, सत्यदेवगंज और सारिमपुर जैसे मोहल्ले जलमग्न हो चुके हैं। कर्मनाशा और धर्मावती

नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। चौसा रामगढ़ रोड के बाद चौसा-कोचस मार्ग पर भी पानी चढ़ गया है। प्रशासन ने इस मार्ग के दोनों किनारों पर खतरे का संकेत चिन्ह लगाकर वाहनों को सतर्क किया है।

DM ने चौसा प्रखंड का किया दौराः स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। जिलाधिकारी ने चौसा प्रखंड का दौरा किया है। संबंधित अधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और एसपी शुभम आर्य द्वारा

- **गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 56 सेंटीमीटर ऊपर, आवाजाही हो सकता है बंद**

उमरपुर गांव व बक्सर-कोइलवर तटबंध का संयुक्त निरीक्षण किया जाएगा। बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को तटबंध के कटाव क्षेत्रों की मरम्मती और सैंड बैग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। चौकीदारों के माध्यम से बांध की निगरानी के निर्देश भी थानाध्यक्षों को दिए गए हैं।

24×7 पेट्रोलिंग और निगरानी का निर्देशः प्रशासन ने बाढ़ की स्थिति को देखते हुए 24×7 पेट्रोलिंग और निगरानी का निर्देश जारी किया है। पशुपालन विभाग, आपदा प्रबंधन और अनुमंडल प्रशासन को भी अपनी तैयारियां दुरुस्त रखने को कहा गया है।

मुंबई जाने वाले यात्रियों को राहत

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के चौसा क्षेत्रवासियों और मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। कोरोना काल से बंद हुई ट्रेन संख्या 13201/13202 पटना–लोकमान्य तिलक टर्मिनस (LTT) एक्सप्रेस अब फिर चौसा रेलवे स्टेशन पर रुकेगी। रेल मंत्रालय ने इस ठहराव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से चौसा क्षेत्र के लोगों में खुशी है। मुंबई जाने वाले सैकड़ों यात्रियों को अब सफर के लिए सहूलियत मिलेगी। कोरोना महामारी से पहले यह ट्रेन चौसा स्टेशन पर नियमित रूप से रुकती थी। महामारी के बाद इसके ठहराव को बंद कर दिया गया था।

जनता की मांग पर दोबारा ठहराव की अनुमतिः इससे चौसा और आसपास के लोगों को पटना या बक्सर जाकर ट्रेन पकड़नी पड़ती थी। इससे समय और अतिरिक्त खर्च बढ़ता था। अब रेलवे ने स्थानीय जनता की मांग पर दोबारा ठहराव की अनुमति दी है। इस निर्णय के पीछे चौसा रेलवे यात्री संघर्ष समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समिति के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव ने बताया कि यह ठहराव चौसा क्षेत्र के नागरिकों के संघर्ष की जीत है। उन्होंने कहा कि कई महीनों से समिति के सदस्य धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। वे ज्ञापन सौंपकर रेलवे को अपनी मांगों से अवगत करा रहे थे।

6 और 7 अगस्त से शुरू होगा ठहरावः रेलवे विभाग के अनुसार, अप ट्रेन 13201 पटना–LTT एक्सप्रेस का ठहराव 7 अगस्त से शुरू होगा। यह ट्रेन गुरुवार की भोर 2:07 बजे चौसा पहुंचेगी। वह 2:09 बजे रवाना हो जाएगी। डाउन ट्रेन 13202 एलटीटी–पटना एक्सप्रेस का ठहराव 6 अगस्त (बुधवार) से लागू होगा।

भोजपुर जिले में कार से 6 लाख की शराब बरामद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में मद्य निषेध विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। 2 कार से 380 लीटर शराब बरामद हुआ है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत छह लाख रुपए हैं। मौके से 2 तस्करों की भी गिरफ्तारी हुई है। यूपी से खेप लाई जा रही थी। पटना में डिलीवरी होनी थी। पकड़े गए तस्कर की पहचान पटना जिले के खुसरूपुर निवासी पुष्प रंजन कुमार और शालीमारपुर थाना क्षेत्र के ग्यासपुर वार्ड नंबर 10 निवासी राकेश पासवान के तौर पर हुई है।

गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाईः यह कार्रवाई जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर मद्य निषेध विभाग की ओर से चलाए जा रहे विशेष छापेमारी अभियान के तहत की गई। सहायक आयुक्त मद्य निषेध रजनीश को गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद निरीक्षक प्रकाश चंद्र के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने बक्सर-पटना फोरलेन गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर ओवरब्रिज के पास बिना नंबर कार को रोका। चेकिंग के दौरान गाड़ी से शराब की बोतलें मिली। इसके अलावा बक्सर-पटना फोर लेन पर गजराजगंज ओ.पी के शोभी डुमरा मोड़ के पास डिजायर कार से भी शराब की बोतल मिली। जिसकी मात्रा 380.160 लीटर आंकी गई है।

गिरोह में शामिल सदस्यों की तलाश जारीः सहायक आयुक्त रजनीश ने बताया कि दोनों तस्कर उत्तर प्रदेश से फोर लेन के रास्ते से शराब ला रहे थे। तलाशी के दौरान गाड़ी से शराब की बोतलें मिली है। इस धंधे में और कौन-कौन शामिल है। कहां-कहां डिलीवरी होनी थी।

पानी के तेज बहाव के बीच एबुंलेंस ने उतारी लाश

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले का शाह प्रखंड इस समय बाढ़ की चपेट में है। यहां की सड़कों पर डेढ़ से दो फीट तक पानी का तेज बहाव है। इस बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ लोग खटिया पर लाश रखकर 5 किलोमीटर दूर तक पैदल चलकर घर जाते दिखे। दरअसल, मंगलवार को एंबुलेंस एक मरीज की लाश को दामोदरपुर गांव ले जा रही थी। इसी दौरान शाह प्रखंड में पानी के तेज बहाव को देखने के बाद एंबुलेंस ने लाश को बीच में ही उतार दिया। इसके बाद परिजन लाश को पानी के तेज धारा के बीच गांव ले गए। इस दौरान विजय की पत्नी रेखा देवी भी रोते-बिलखते तेज बहाव में पति की लाश के पीछे-पीछे चलती दिखी। ग्रामीणों का आरोप है, 'कैंसर पेशेंट की मौत के बाद एंबुलेंस से लाश को घर ला रहे थे, लेकिन गैरा बाजार पुल पर ही ड्राइवर ने गाड़ी रोक दी और ये कहते हुए लाश को उतरवा दिया कि पानी का बहाव ज्यादा है, गाड़ी फंस जाएगी।' दामोदरपुर गांव के विजय कुमार (30) को अस्पताल में हाइड्रोसिल के ऑपरेशन के लिए एडमिट कराया गया था, लेकिन इलाज में डॉक्टरों की लापरवाही की वजह से इन्फेक्शन बढ़ गया और कैंसर हो गया। इलाज में लापरवाही के कारण विजय की हालत बिगड़ती गई। आज सुबह जब आरा सदर अस्पताल लाया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी, अस्पताल में ही उसकी मौत हो गई। विजय के चचेरे भाई मुन्ना ने कहा, 'ये सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं है, यह सिस्टम की मौत है। जहां एम्बुलेंस तक गांव नहीं जा पा रही, वहां स्वास्थ्य, राहत और सुरक्षा की बात करना बेइमानी है।' 'विडंबना यह है कि ठीक उसी स्थान पर कुछ घंटे पहले भोजपुर के प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने निरीक्षण कर जिला प्रशासन को हरसंभव मदद देने का निर्देश दिया था।' 'SDRF की टीम मौके पर थी और लोगों को छलका पार करा भी रही थी, लेकिन विजय के शव को ले जाने के लिए कोई मदद नहीं मिली।' मंत्री ने कहा था- बिहार के खजाने पर पहला हक बाढ़ पीड़ितों का है दरअसल, दो दिन पहले इसी जगह पर बिहार सरकार के मंत्री केदार गुप्ता ने कहा था कि प्रभावितों को हर मदद मिलनी चाहिए। इसके बाद पानी के बहाव वाली जगह पर SDRF की टीम को तैनात किया गया था। वो लोगों की मदद कर रहे थे, लेकिन लाश को एंबुलेंस से उतारे जाने के बाद मदद के बजाय टीम चुपचाप तमाशा देखती रही। प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने सोमवार को जवइनिया गांव के दौरे के दौरान कहा था कि 20 जुलाई को भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद की ओर से सूचना दी गई थी। जिसके बाद हमने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया जाए। प्रशासन ने बेहतर तरीके से काम किया है। केदार गुप्ता ने कहा था कि हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा कहते हैं कि बिहार के खजाने पर सबसे पहला हक आपदा और बाढ़ पीड़ितों का है। यही सोच हमारी एनडीए सरकार की कार्यशैली में दिखती है। जहां भी कोई समस्या होगी, प्रशासन तत्परता से कार्रवाई करेगा।

अबतक 135 परिवारों को राहत कैंप में शिफ्ट किया गयाः केदार प्रसाद ने बताया, 'अब तक लगभग 135 परिवारों को बांध पर बनाए गए अस्थायी कैंपों में शिफ्ट किया गया है, जहां भोजन, स्वास्थ्य सेवा और पशुओं के लिए चारे की पूरी व्यवस्था की गई है। किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' 'बाढ़ का पानी उतरते ही प्रभावित लोगों को चिह्नित कर वैकल्पिक स्थान पर जमीन देकर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बसाया जाएगा और जो भी लापरवाह होगा, उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ना हम खाते हैं, ना खाने देते हैं।'

भोजपुर जिले पुलिस ने जानलेवा हमला मामले में आरोपी को पकड़ा

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर पुलिस ने संतोष सिंह पर जानलेवा हमला मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान अर्जुन यादव के तौर पर हुई है। पैसे के विवाद में गोली मारी थी। घटना चांदी थाना क्षेत्र के रामनगर कुंजन टोला की है। इससे पहले 28 जुलाई को 2 आरोपियों की गिरफ्तारी हथियार के साथ हुई थी। वारदात में इस्तेमाल देसी पिस्तौल, कारतूस और बाइक बरामद हुआ था। जबकि मुख्य आरोपी अंगद यादव समेत 2 अन्य की तलाश जारी है। हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कर्ज दिया था, मांगने पर गोली मार दीः घायल संतोष सिंह ने बताया कि दस साल पहले गांव के अंगद उर्फ जदु को दोस्ती के नाम पर दो लाख रुपए कर्ज दिया था। पांच साल बीत जाने के बाद जब अपना पैसा उससे मांगा तो उसने देने से इनकार कर दिया। जिसके बाद पंचायती हुई थी। उसने नौ कट्ठा खेत मुझे दे दिया था। कहा था कि पैसा देने पर लौटा देना। इसके बाद मैं उस जमीन को जोतने लगा। 26 जुलाई को खेत जोतने के लिए जा रहा था। तभी संतोष कुमार सिंह वहां पहुंचा और मना करने लगे। इसी विवाद में उसने गोली मार दी।

गिरफ्तारी के लिए छापेमारीः इधर चांदी थानाध्यक्ष ने बताया कि बकाया रुपए मांगने पर झगड़ा हुआ था। इसी विवाद में गोली मारी गई थी। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है।

पूर्व कुलाधिपति के निधन पर शोकसभा

आरा| बिहार के पूर्व राज्यपाल एवं कुलाधिपति सत्यपाल मल्लिक के निधन पर जिले में कई जगहों पर शोक सभा हुई। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व सीनेटर अजय कुमार तिवारी मुनमुन ने पूर्व कुलाधिपति के निधन पर संवेदना प्रकट की। कहा कि सत्यपाल मल्लिक के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। वे एक दूरदर्शी, जनप्रिय एवं संवेदनशील व्यक्तित्व के धनी थे। उनके योगदान को देश सदैव याद रखेगा। दूसरी तरफ एमवी कॉलेज बक्सर के सहायक प्राध्यापक डॉ नवीन शंकर पाठक, डॉ प्रियरंजन चौबे, डॉ महेंद्र प्रताप सिंह और डॉ वीरेंद्र कुमार सहित अन्य ने संवेदना प्रकट की। इधर, डॉ. आर कृष्णा ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि सत्यपाल मल्लिक का जाना समाज, राजनीति और शिक्षा जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ. आर. कृष्णा ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बक्सर में 30 स्थानों पर शुरू होगी वाटर एटीएम सेवा

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए नगर परिषद बक्सर द्वारा शुरू की गई "वाटर एटीएम योजना" अब धरातल पर उतरने लगी है। नगरवासियों को धीरे-धीरे शुद्ध पेयजल की सेवा मिलने लगी है। नाथ बाबा मंदिर पर पहला एटीएम लग चुका है। वहीं जेल रोड में दो स्थानों पर एटीएम चालू हो चुकी है। रेलवे स्टेशन रोड स्थित डीएवी स्कूल के समीप भी निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि नियामतुल्लाह फरीदी ने बताया कि नगर के 30 प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर वाटर एटीएम लगाने की योजना पर तेजी से काम हो रहा है। धार्मिक स्थलों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड, प्रमुख बाजार और स्कूलों के पास भी ये एटीएम लगाए जा रहे हैं ताकि आम नागरिकों और राहगीरों को गर्मी में शुद्ध व ठंडा जल आसानी से मिल सके। नगर परिषद की इस योजना की नींव तत्कालीन जिलाधिकारी के निर्देश पर रखी गई थी। उन्होंने परिषद को निर्देशित किया था कि गर्मी के मौसम में लोगों के लिए स्वच्छ जल की सुलभ व्यवस्था की जाए। उसी के बाद परिषद ने इस योजना को प्राथमिकता में लेते हुए अमल में लाना शुरू कर दिया। नाथ बाबा मंदिर और जेल रोड पर जहां सेवा शुरू हो चुकी है, वहीं डीएवी स्कूल के पास कार्य लगभग पूरा हो चुका है। नगरवासियों को अब कई इलाकों में ठंडा जल आसानी से मिल रहा है। लोगों में इस सेवा को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी जा रही है। चेयरमैन प्रतिनिधि ने बताया कि आगामी एक-दो सप्ताह में सभी चिह्नित स्थलों पर एटीएम लगाकर सेवा शुरू कर दी जाएगी। आधुनिक और टिकाऊ होगी व्यवस्थाः फरीदी ने कहा कि चौसा नगर पंचायत में लगाए गए अस्थायी प्याऊ मॉडल से प्रेरणा जरूर ली गई है, लेकिन बक्सर में जो व्यवस्था तैयार की जा रही है वह तकनीकी रूप से कहीं अधिक उन्नत, किफायती और टिकाऊ है।

परिषद इन एटीएम की नियमित सफाई और मेंटेनेंस की जिम्मेदारी खुद उठाएगा। नगर परिषद द्वारा लगाए जाने वाले सभी वाटर एटीएम से शुद्ध जल निःशुल्क मिलेगा। इसका लाभ किसी भी व्यक्ति को बिना किसी शुल्क के मिलेगा। फरीदी ने बताया कि इस सेवा के बदले न तो कोई रसीद ली जाएगी और न ही कोई टोकन सिस्टम रहेगा। हालांकि, कुछ नागरिकों ने चिंता जाहिर की कि निःशुल्क सेवा का भविष्य कहीं सार्वजनिक शौचालयों की तरह न हो जाए। इस पर फरीदी ने कहा कि नगर परिषद ने प्रत्येक एटीएम की निगरानी, सफाई और समय-समय पर मरम्मत सुनिश्चित करने की स्पष्ट योजना बनाई है। यह योजना बक्सर को स्मार्ट और सुविधायुक्त नगर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

जिले में लक्ष्य के करीब पहुंची धान की रोपनी

निज संवाददाता। बक्सर

मानसून का साथ मिली तो धान की रोपनी में तेजी आई है। जिला कृषि विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जिले में धान की रोपनी लक्ष्य के करीब पहुंच गई है। अगस्त माह में अच्छी बारिश हुई है। बता दें कि अगस्त माह का सामान्य वर्षापात 263 एमएम है, जबकि 5 अगस्त तक 42.42 एमएम बारिश होनी चाहिए। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 5 अगस्त तक 56.18 एमएम बारिश जिले में रिकार्ड की गई है, जो सामान्य वर्षापात से 32.44 प्रतिशत अधिक है। अच्छी बारिश होने के चलते किसानों ने अपने खेतों में अच्छी खासी धान की रोपनी कर ली है। खरीफ सीजन का मुख्य फसल धान है। मानसून की दगाबाजी से धान रोपाई की रफ्तार नहीं पकड़ रही थी। लेकिन, अगस्त माह में हुई बारिश के चलते धान रोपनी में इजाफा हुआ है। जिला कृषि विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार जिले में 97052.1 हेक्टेयर में धान की खेती का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। लक्ष्य के विरुद्ध अब तक महज 80260.4 हेक्टेयर में धान की रोपनी हो चुकी है, जो लक्ष्य का 82.17 प्रतिशत है। इस माह हुई अच्छी बारिश से किसान गदगद हैं। जिले में प्रखंडवार धान रोपनी की स्थिति जिले के सभी ग्यारह प्रखंडों में अगस्त माह में धान की रोपनी अच्छी रफ्तार रही। जिला कृषि विभाग की ओर से रोपनी की जारी रिपोर्ट के अनुसार ब्रह्मपुर प्रखंड में 5055.4 हेक्टेयर में रोपनी हुई है। इसी तरह से बक्सर प्रखंड में 6045.9 हेक्टेयर, चक्की प्रखंड में 373.5 हेक्टेयर, चौसा प्रखंड में 6158 हेक्टेयर, चौगाई प्रखंड में 1842.4 हेक्टेयर, डुमरांव प्रखंड में 8048.6 हेक्टेयर, इटाढ़ी प्रखंड में 16318.7 हेक्टेयर, केसठ प्रखंड में 1707 हेक्टेयर, नावानगर प्रखंड में 13838.5 हेक्टेयर, राजपुर प्रखंड में 19160.7 हेक्टेयर और सिमरी प्रखंड में 1711.7 हेक्टेयर में धान की रोपनी का कार्य पूरा कर लिया गया है।

खो-खो खिलाड़ियों को मिली खेल किट

निज संवाददाता। बक्सर

एमपी उच्च विद्यालय बक्सर में संचालित खो-खो खेलो इंडिया स्माल सेंटर के तहत सोमवार को खिलाड़ियों के बीच खेल किट का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना के निर्देशन में संचालित है, जिसका उद्देश्य स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना और प्रतिभावान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में वरीय उपसमाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा आदित्य कुमार ने खिलाड़ियों को जर्सी, पैंट, जूते और मौजे सहित खेल सामग्री वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे पूरी मेहनत और समर्पण के साथ प्रशिक्षण लें और बक्सर जिले का नाम खेल जगत में रोशन करें। उनके संबोधन से बच्चों में ऊर्जा और जोश का संचार हुआ।

खेल किट पाकर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिलाः सभी खिलाड़ियों ने इस पहल के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया और बेहतर प्रदर्शन का संकल्प लिया।इस अवसर पर शारीरिक शिक्षक सत्येंद्र सिंह यादव, संजय कुमार, अश्विनी राय, वशिष्ठ प्रसाद, त्रिलोकी नाथ तिवारी, मदन राम (कार्यपालक सहायक) और एमपी उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य भी मौजूद रहे।

सोन वर्षा वाणी, हिन्दी दैनिक
औरंगाबाद, गुरुवार, 7 अगस्त 2025
बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बेतिया के नौतन से भारी मात्रा में शराब बरामद

बेतिया। बेतियान पुलिस जिला के नौतन थाना क्षेत्र के शिवराजपुर पंचायत के वार्ड नंबर 8 मुकेश यादव के घर के पीछे बसवारी से पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब को बरामद किया है। जबकि पुलिस को आता देख कारोबारी मुकेश कुमार फरार हो गया। दूसरी तरफ पुलिस ने शिवराजपुर से विदेशी शराब के साथ दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान ने बुधवार को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि शिवराजपुर में अलग-अलग जगहों पर उत्तर प्रदेश से देसी व विदेशी शराब का खेप लाकर रखा गया है । सूचना के आलोक में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहुंची तो वार्ड नंबर 8 से प्लास्टिक के बोरे में रखा 8 पीएम के 96 पीस व बंटी बबली के 45 पीस को बरामद किया। वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने 8:00 पीएम स्पेशल के 45 पीस और रॉयल स्टैग के 16 पीस को बरामद किया है। पदाधिकारी ने बताया कि पुलिस शराब को जप्त कर कांड अंकित करते हुए कारोबारी छोटे अंसारी व नन्हे अंसारी को जेल भेज दिया है एवं अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी तेज कर दिया है पुलिस ने बताया कि शराबबंदी कानून को धरातल पर उतारने के लिए किसी कीमत पर शराब को न बेचने दिया जाएगा ना किसी को पीने दिया जाएगा। इधर पुलिस की छापामारी के बाद शराब कारोबारीयों में हड़कंप मचा हुआ है।

हॉस्टल में घुसा बाढ़ का पानी, हॉस्टल खाली कर घर जा रही स्टूडेंट, कमरे तक पहुंचा पानी

भागलपुर। भागलपुर के तिलकामांझी विश्वविद्यालय के पीजी हॉस्टल में पानी घुस गया है। सेमेस्टर 1 से 4 तक की छात्राएं हॉस्टल को खाली कर रही हैं। बुधवार को भारी संख्या में छात्राएं अपने जरूरी सामान को हॉस्टल से निकालकर घर के लिए रवाना हो रही है। दरअसल, बाढ़ के पानी के कारण पीजी हॉस्टल पूरी तरह से पानी में डूबा है, जिसके कारण वहां रह रही छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। पिछले दो दिनों से हॉस्टल में पानी घुसा है। लेकिन, अब हालात यह है कि हॉस्टल के कमरे तक पानी पहुंच गया है, जिससे रहने में छात्राओं को तकलीफ हो रही थी। छात्रा ब्यूटी कुमारी ने बताया कि उसका घर पूर्णिया है। भागलपुर में वह सेमेस्टर 2 की स्टूडेंट है। पीजी हॉस्टल में रहती थी, लेकिन बाढ़ का पानी आने के कारण अब उन्हें हॉस्टल खाली करना पड़ रहा है। आसपास पानी रहने के कारण बदबू आती है। इसके अलावा छोटे-छोटे कीड़े उड़ते हैं। यहां रहना दुर्भाग्यपूर्ण हो गया है। स्टूडेंट सरिता ने बताया कि हर साल ऐसी स्थिति होती है। साल में एक बार हॉस्टल को खाली कर घर जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जरूरी सामान को लेकर घर की ओर निकल पड़े हैं। पानी में चलना पड़ रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से छात्रों के लिए कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं।

मुंगेर से नक्सली गिरफ्तार, मुंगेर पुलिस और एसटीएफ ने संयुक्त छापेमारी में घर से पकड़ा

मुंगेर। मुंगेर पुलिस और STF की संयुक्त टीम ने मंगलवार तड़के लगभग 4 बजे कुख्यात नक्सली प्रकाश कोडा को उसके पैतृक गांव से गिरफ्तार कर लिया। प्रकाश कोडा (35) जमुई का बरहट थाना क्षेत्र के मुशहरी टांड गांव निवासी सोराय कोडा का बेटा है। उसके खिलाफ लड़ैयाटांड थाना में कांड संख्या 36/19 दर्ज है। थानाध्यक्ष विभांशु शेखर भास्करम ने बताया कि 3 सितंबर 2019 को न्यू पैसरा के विजया पहाड़ी पर प्रकाश कोडा दर्जनों नक्सलियों के साथ हत्या और गंभीर वारदात की साजिश रच रहा था। गुप्त सूचना पर की गई कार्रवाई में STF और CRPF की टीम ने मौके से गोरेलाल नैया को एक दोनाली बंदूक, 14 कारतूस और नक्सली साहित्य के साथ गिरफ्तार किया था। इसी मामले में प्रकाश कोडा सहित 19 नामजद और अज्ञात अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इनमें रावण कोडा, नारायण कोडा, पंचू कोडा, फगुनी कोडा, बोली कोडा, सिंघो, नरेश, मंशा, वीरेन्द्र कोडा, मुकेश मंडल, जय पासवान और सूरज मुर्मू शामिल हैं। घटना के बाद से प्रकाश कोडा फरार चल रहा था। आखिरकार मंगलवार को उसे उसके घर से दबोच लिया गया। पुलिस गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ कर रही है। साथ ही नक्सली नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश तेज कर दी गई है।

जियो टैगिंग एवं जियो फेंसिंग विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

पूर्वी चंपारण। उप विकास आयुक्त डा.प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में बुधवार मोतिहारी जिला परिषद् सभागार में जिले के सभी ग्राम पंचायतों के मनरेगा पंचायत रोजगार सेवक को मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में और अधिक पारदर्शिता एवं वैज्ञानिकता लागू करने के दृष्टिकोण से एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। किसी भी योजना का जियो लोकेशन का योजना क्रियान्वयन के क्रम में तीन बार जियो टैगिंग करना एवं जियो फेंसिंग के माध्यम से योजना के दोहरीकरण को रोकना इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी पंचायत रोजगार सेवकों को जियो मनरेगा ऐप के रियल टाईम इस्तेमाल के साथ हैण्ड्सऑन प्रशिक्षण दिया गया। सत्र के अंतिम चरण में मनरेगा योजना में एनएमएमएस के माध्यम से मजदूरों की उपस्थिति, आवास योजना में मनरेगा से मजदूरी भुगतान हेतु मस्टर रॉल निर्गत होने की स्थिति, मजदूरी के रिजेक्टेड ट्रॉजेक्शन के साथ वृक्षारोपण योजना एवं कार्य पूर्णता की समीक्षा के साथ ही कई आवश्यक निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त जल-जीवन-हरियाली एवं जल शक्ति अभियान अन्तर्गत जिले में क्रियान्वित योजनाओं का पोर्टल पर डाटा इन्ट्री में तेजी लाने हेतु आवश्यक निर्देश भी दिये गये। प्रशिक्षण के समीक्षा सत्र के दौरान निदेशक, राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा के साथ सभी कार्यक्रम पदाधिकारी उपस्थित थे।

मध्यस्थता फॉर द नेशन' कार्यक्रम को लेकर विधिक सेवा प्राधिकार ने जागरूकता रथ को किया रवाना

पूर्वी चंपारण। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने 90 दिवसीय राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम मध्यस्थता फॉर द नेशन को लेकर बुधवार को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवराज त्रिपाठी ने विधिवत रूप से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर मध्यस्थता के महत्व, प्रक्रिया एवं इसके लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करेगा। जागरूकता रथ के माध्यम से आम नागरिकों को यह जानकारी दी जाएगी कि मध्यस्थता एक वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया है, जिसके द्वारा न्यायालय में लंबित वादों का समाधान आपसी सुलह एवं सहमति से त्वरित रूप से किया जा सकता है। इस प्रक्रिया से न केवल समय की बचत होगी बल्कि पक्षकारों के बीच आपसी संबंधों को भी बनाए रखने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीश श्री त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि,मध्यस्थता न्याय व्यवस्था को सशक्त और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसकी प्रक्रिया और लाभों से अवगत कराना आवश्यक है ताकि वे इसे अपनाकर समयबद्ध न्याय प्राप्त कर सकें।इस अवसर पर मुकुंद कुमार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,अभिषेक आनंद, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पुनीत कुमार तिवारी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी,श्रीमती श्वेता सिंह, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, नितिन त्रिपाठी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार,ज्ञानेश्वर प्रकाश, जिला जन संपर्क पदाधिकारी व अन्य न्यायिक व प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे।

भागलपुर में आप ने निकाली पद यात्रा, कहा- एजुकेशन की स्थिति चिंताजनक

दिल्ली के शिक्षा मॉडल को बिहार में लागू करने की मांग

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में आम आदमी पार्टी (AAP) ने 'स्कूल बचाओ आंदोलन' के तहत एक पदयात्रा निकाली। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था में सुधार और सरकारी स्कूलों की स्थिति पर ध्यान आकर्षित करना था। पदयात्रा का नेतृत्व भागलपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी ई. सत्येंद्र कुमार ने किया। उनके साथ सैकड़ों कार्यकर्ता और आम नागरिक सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने 'बिहार मांगे केजरीवाल मॉडल' और 'स्कूल बचाओ - भविष्य बचाओ' जैसे नारे लगाए।

बिहार में शिक्षा की स्थिति चिंताजनकः AAP के प्रदेश संयुक्त सचिव सैफुल इस्लाम ने कहा कि बिहार में शिक्षा की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों में न तो पर्याप्त शिक्षक हैं और न ही आधारभूत सुविधाएं है। उनका मानना है कि दिल्ली की तरह यहां भी केजरीवाल सरकार की नीतियां लागू करने से शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव लाया जा सकता है। बिहार प्रदेश अध्यक्ष राकेश यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी अब बिहार में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है। जनता पारंपरिक दलों से तंग आ चुकी है और बदलाव चाहती है। यादव ने घोषणा की कि 'स्कूल बचाओ आंदोलन' के माध्यम से वे हर जिले में शिक्षा का मुद्दा उठाएंगे।

शिक्षा को राजनीति से ऊपर रखने की अपीलः इस कार्यक्रम में केला भेद दर्शन पार्टी के कई पदाधिकारी और सदस्य भी शामिल हुए। उन्होंने शिक्षा को राजनीति से ऊपर रखने की अपील की और AAP के इस आंदोलन का समर्थन किया। पदयात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए जिला समाहरणालय तक पहुंची। वहां प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को एक मांग पत्र सौंपा।

भागलपुर में राष्ट्रपति मुर्मू के संभावित दौरे की तैयारी

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के तिलका मांझी विश्वविद्यालय में शहीद तिलकामांझी की प्रतिमा का अनावरण होगा। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संभावित आगमन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को भागलपुर के जिलाधिकारी नवल किशोर चौधरी, एसएसपी हृदयकांत और डीडीसी प्रदीप कुमार सिंह समेत कई अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रपति के आगमन के लिए उपयुक्त स्थान का जायजा लिया। केंद्रीय लाइब्रेरी के पास स्थित इनडोर स्टेडियम के भवन का भी निरीक्षण किया गया। हालांकि अभी तक कार्यक्रम की आधिकारिक तिथि और समय की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि राष्ट्रपति का आगमन इसी महीने के अंत तक हो सकता है।

बैठने की क्षमता का भी जायजा लियाः प्रशासन ने कार्यक्रम के दौरान प्रोटोकॉल का पूरा ध्यान रखने का फैसला लिया है। राष्ट्रपति के आगमन से लेकर कार्यक्रम समापन तक का विस्तृत रोस्टर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने प्रतिमा अनावरण, अतिथियों के साथ फोटोग्राफी, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, मंच की बनावट और बैठने की क्षमता का भी जायजा लिया। विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ राष्ट्रपति के लिए विश्राम गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से भागलपुर में हो रही लगातार बारिश के कारण टीएमबीयू के अतिथि गृह के मुख्य द्वार पर जलजमाव की समस्या बनी हुई है, जिससे व्यवस्था में परेशानी हो सकती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की लापरवाही या चूक नहीं होने दी जाएगी। कहलगांव तक सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही हैं।

भागलपुर के मायागंज अस्पताल में हंगामा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के मायागंज अस्पताल में बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। ओपीडी में मरीजों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन को लेकर महिलाएं आपस में भिड़ गईं। सुबह से ही अस्पताल में मरीजों की भीड़ थी। रजिस्ट्रेशन के लिए काउंटर पर भीड़ लगी थी। भीड़ बढ़ने पर दोपहर 12 बजे के करीब कई महिलाएं आपस में उलझ गईं। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर सिर्फ तीन स्टाफ थे। इस वजह से लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। इस वजह से लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। हाथापाई पर उतर गए। विवाद बढ़ने पर मौके पर मौजूद गार्ड ने स्थिति को संभाला।

दोपहर तक नहीं मिला नंबरः गोराडीह से इलाज के लिए पहुंची परवीन खातून ने बताया कि सुबह 8:00 बजे से ही लाइन में खड़ी हूं। दोपहर 12:00 बजे तक उनका रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया। गोद में

रजिस्ट्रेशन के लिए आपस में उलझी महिलाएं, बोलीं- 4 घंटे बाद भी नहीं मिला नंबर, काउंटर पर सिर्फ 3 स्टाफ

छोटा बच्चा है।

यहां कोई देखने वाला नहीं है। परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, नाथनगर के दिलीप कुमार ने बताया कि सुबह से लाइन में खड़े होने के बावजूद दोपहर तक नंबर नहीं मिला। जो लोग बाद में आ रहे हैं, उनका रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं।

भागलपुर में सड़क हादसे में घायल मजदूर की मौत

भागलपुर । भागलपुर के मायागंज में इलाज के दौरान घायल मजदूर की मौत हो गई। बुधवार को बाइक से दोस्त के साथ मजदूरी करने निकला था। घर से 8 किलोमीटर पहले अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। परिजनों ने सबसे पहले संग्रामपुर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने मायागंज रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान मुंगेर जिला निवासी राशिकलाल सिंह के पुत्र राजीव कुमार(27) के तौर पर हुई है। घर में मचा कोहरामः मृतक के चचेरे भाई वरुण सिंह ने बताया कि राजीव के दोस्त से हादसे की जानकारी मिली थी। दोनों घायल हुए थे। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पुहंचे। घायलवस्था में उसे उठाकर अस्पताल ले गया। डॉक्टरों ने दोनों को मायागंज रेफर किया था। लेकिन रास्ते में ही राजीव बेहोश हो गया था। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के 2 बच्चे हैं। मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कांवरिया पथ पर तैनात एसआई का रिश्वत लेते वीडियो वायरल

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर के संग्रामपुर थाना अंतर्गत मनिया मोड़ पर शर्मनाक घटना सामने आई है। कांवरिया पथ पर ड्यूटी कर रहे एक एसआई की रिश्वत लेते हुए तस्वीरें सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इससे पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। वीडियो फुटेज में एक एसआई एक होटल के सामने कुर्सी पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके पास दो अन्य लोग भी बैठे हैं। वहीं एक उजले रंग की शर्ट पहने व्यक्ति एसआई से बात करते दिखाई देते हैं। इसके बाद वही व्यक्ति दुकान के अंदर जाते हैं। एसआई भी उनके पीछे-पीछे दुकान में प्रवेश करते हैं। फिर वह व्यक्ति एक पैकेट से नकद राशि निकालकर एसआई को सौंपते हैं। एसआई इसे अपनी शर्ट की जेब में रख लेते हैं। वीडियो में एक वृद्ध व्यक्ति भी उसी स्थान पर खड़ा नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वीडियो में दिख रहे पुलिसकर्मी की पहचान एसआई रंजन कुमार के रूप में की गई है। वे वर्तमान में कांवरिया पथ की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हैं। दुकानदारों का आरोप है कि रंजन कुमार लगातार उन्हें बेवजह परेशान कर अवैध वसूली कर रहे हैं। यह घटना एक बार फिर पुलिस विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता को उजागर करती है। आमजन अब इस प्रकरण में त्वरित और कड़ी कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। मुंगेर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) इमरान मसूद ने बताया कि रिश्वत लेते पुलिसकर्मी का सीसीटीवी फुटेज हमें प्राप्त हुआ है। मामले की जांच डीएसपी को सौंपी गई है। जैसे ही जांच रिपोर्ट प्राप्त होगी, उसके आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व रेलवे
निविदा सूचना सं. : एफ-वैगन-फीटिंग वेल्डिंग25, दिनांक 04.08.2025; उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (वैगन)/जमालपुर वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, जिला-मुंगेर, बिहार-811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नामः** लोकोमोटिव वर्कशॉप जमालपुर में कार्य की अनुसूची के अनुसार पीओएच वैगन की फीटिंग एवं वेल्डिंग। **कार्य का स्थानः** लोकोमोटिव वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, जमालपुर। **निविदा मूल्यः** रु. 2,21,37,048.82; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** रु. 0.00। **प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **बोली शुरू होने की तारीखः** 12.08.2025; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 26.08.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **समापन अवधिः** 24 महीने। **विवरण जहां उपलब्ध हैः** www.ireps.gov.in
(MISC-156/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे
खुली निविदा सूचना सं. : टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-09, दिनांक 04.08.2025; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस तथा वित्तीय रूप से कार्य सम्पन्न करने की क्षमता रखने वाले अपेक्षित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा केस सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-09, कार्य का नामः** पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अधीन मेन लाइन से साइडिंगों को अलग करने के लिए लाइन सीबी का प्रावधान। **निविदा मूल्यः** रु. 7,21,27,484.32; **बयाना राशिः** रु. 5,10,600; **खुलने की तारीख एवं समयः** 08.09.2025 को अपराह्न 03.00 बजे। **कार्य समापन अवधिः** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधताः** खुलने की तारीख से 45 दिन। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे जा सकते हैं।
(ASN-147/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मंडल रेलवे अस्पताल, मालदा में ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट की नियुक्ति

अधिसूचना सं. ई/एचवीएस/एमएलडीटी **दिनांक : 06.08.2025**
मंडल रेलवे अस्पताल, पूर्व रेलवे, मालदा में दिनांक 30.06.2026 तक की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर अंशकालिक **ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट/सुपर स्पेशलिस्ट (एचवीएस)** के रूप में नियुक्त किया जाएगा। डॉक्टर जो इस तरह की नियुक्ति के लिए आवश्यक योग्यता और आयु मानदंड को पूरा करते हैं, उनसे आयु, योग्यता, मार्क शीट, चिकित्सा पंजीकरण सं., अनुभव आदि के समर्थन में बायो-डेटा और सभी प्रमाण पत्रों, प्रशंसापत्रों और अनुभव के प्रमाण पत्र आदि के साथ आवेदन **मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मंडल रेलवे अस्पताल, पूर्व रेलवे, मालदा, झलझलिया, पिन 732102** के पते पर भेजने का अनुरोध किया जाता है जो दिनांक **23.08.2025** तक पहुँच जाए।
नियुक्ति का क्षेत्र, रिक्ति की संख्या, कामकाजी समय, पारिश्रमिक, योग्यताएँ और आयु निम्नानुसार हैं: -
(1) एचवीएस/जनरल सर्जरी स्पेशलिस्ट **पद की संख्या: 01, (2)** एचवीएस/पीडियाट्रिक मेडिसिन स्पेशलिस्ट **पद की संख्याः 01, (3)** एचवीएस/कार्डियोलॉजी सुपर स्पेशलिस्ट **पद की संख्याः 01। विजिट की संख्या और ड्यूटी के घंटे:** 4 घंटे प्रति दिन के लिए सप्ताह में 06 दिन (प्रत्येक क्षेत्र के लिए), **पारिश्रमिकः** एचवीएस/जनरल सर्जरी स्पेशलिस्ट और एचवीएस/पीडियाट्रिक मेडिसिन स्पेशलिस्ट के लिए रु.78,000/- प्रति माह और एचवीएस/कार्डियोलॉजी सुपर स्पेशलिस्ट के लिए रु.96,000/- प्रति माह, **आयु सीमा:** 30 वर्ष से 64 वर्ष (प्रत्येक क्षेत्र के लिए)।
● **विशेषज्ञ के लिए योग्यता और अनुभव:-** मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री (प्रमाणपत्र और अंक पत्र संलग्न करें) और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित क्षेत्र में पी.जी. डिग्री या पी.जी. डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद स्पेशलिटी से जुड़े पेशेवर कार्य में न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव और पीजी डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद स्पेशलिटी से जुड़े पेशेवर कार्य में न्यूनतम 5 वर्ष का अनुभव। । ●**सुपर स्पेशलिस्ट के लिए योग्यता और अनुभव :-** संबंधित क्षेत्र में पोस्ट डॉक्टरल योग्यता डीएम/एमसीएच या समकक्ष। ● एचवीएस को आपातकालीन स्थिति में बुलाए जाने पर रविवार और छुट्टी के दिन सहित किसी भी दिन एवं सामान्य विजिट के अलावा दिन के किसी भी समय अस्पताल आने की जरूरत पड़ेगी। ● अनुबंध को किसी भी समय किसी भी पक्ष द्वारा एक महीने की नोटिस पर समाप्त किया जा सकता है। इस प्रकार की समाप्ति के लिए प्रशासन के पास कोई कारण न बताने का अधिकार सुरक्षित है। ● एचवीएस से संबंधित नियम के अनुसार छुट्टी और निःशुल्क पास की अनुमति दी जाएगी।
यह अधिसूचना और आवेदन का प्रारूप वेबसाइट: **www.er.indianrailways.gov.in** (go to Division>>Malda>>recruitment page) पर उपलब्ध होगा।
मंडल रेल प्रबंधक, मालदा
पूर्व रेलवे
हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

विभिन्न स्टेशनों पर कुछ ट्रेनों का ठहराव

यात्रियों की सुविधा के लिए, निम्नलिखित ट्रेनें उनके वर्णित स्टेशनों पर नीचे उल्लिखित समयसूची के अनुसार रुकेंगी:

ट्रेन नं. एवं नाम	स्टेशन	आ.	प्र.	ठहराव की प्रभावी तिथि
13105 सियालदह–बलिया एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	अक्षयवट राय नगर	00.52	00.54	08.08.2025
	नयागांव	01.25	01.27	
13106 बलिया–सियालदह एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	अक्षयवट राय नगर	12.24	12.26	07.08.2025
	नयागांव	11.41	11.43	
13021 हावड़ा–रक्सौल मिथिला एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	दुबहा	03.52	03.54	08.08.2025
	नारायणपुर अनंत	04.20	04.22	
	सिहो	04.08	04.10	
	सिलौत	04.20	04.22	
	तेघरा	02.09	02.11	
13022 रक्सौल–हावड़ा मिथिला एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	दुबहा	14.15	14.17	07.08.2025
	नारायणपुर अनंत	13.53	13.55	
	सिहो	14.03	14.05	
	सिलौत	13.58	14.00	
	तेघरा	16.10	16.12	
15027 सम्बलपुर–गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	कर्पूरीग्राम	06.52	06.54	08.08.2025
15028 गोरखपुर–सम्बलपुर मौर्य एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	कर्पूरीग्राम	14.54	14.56	07.08.2025
18181 टाटानगर–थावे एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	कर्पूरीग्राम	10.22	10.24	08.08.2025
	सोनपुर	13.25	13.27	
	तेघरा	08.43	08.45	
18182 थावे–टाटानगर एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	कर्पूरीग्राम	16.46	16.48	07.08.2025
	सोनपुर	14.18	14.20	
	तेघरा	18.30	18.32	
13019 हावड़ा–काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	नयागांव	11.33	11.35	08.08.2025
13020 काठगोदाम–हावड़ा बाघ एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	नयागांव	18.18	18.20	08.08.2025
13137 कोलकाता–आजमगढ़ साप्ताहिक एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि11.08.2025)	सोनपुर	00.30	00.32	12.08.2025
13138 आजमगढ़–कोलकाता साप्ताहिक एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 12.08.2025)	सोनपुर	12.50	12.52	12.08.2025
15047 कोलकाता–गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 07.08.2025)	सोनपुर	02.30	02.32	08.08.2025
15048 गोरखपुर–कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 08.08.2025)	सोनपुर	15.43	15.45	08.08.2025

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक
पूर्व रेलवे
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. एफ _एलएलएच _ सीएमटी_ 59_1, दिनांक 04.08.2025। उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (बीजीबी), पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा, पिन-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** कार्य संविदा के माध्यम से खुली निविदा के आधार पर बीएआरसी/एईआरबी अनुमोदित बाहरी एजेंसी द्वारा बट वेल्ट ज्वाइंटों की एक वर्ष की अवधि के लिए रेडियोग्राफी जांच। **विज्ञापित मूल्यः** रु. 1,42,16,640। **बयाना राशिः** रु. 2,21,100। **निविदा दस्तावेज की कीमतः** रु. 0.00। **समापन अवधिः** 12 महीने। **प्रस्ताव की वैधताः** 120 दिन। **बोली शुरू होने की तारीखः** 11.08.2025। **निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समयः** 02.08.2025 को दोपहर 12.51 बजे। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :** 25.08.2025 को अपराह्न 2.00 बजे।
(MISC-158/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे
संक्षिप्त ई-निविदा सं.: डीसीपीएम-जीएस-ईएनजी-एसडीएएच-06-25-26 (एकल पैकेट प्रणाली में खुली निविदा); दिनांक 04.08.2025; उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति यूनिट/इंजी./सियालदह, पूर्व रेलवे, रिमोट कंट्रोल बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु ई-निविदा प्रणाली के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नामः** सियालदह मंडल - गति शक्ति यूनिट - पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/इंजी./जीएसयू/सियालदह के क्षेत्राधिकार में अमृत स्टेशन योजना के अधीन बहरमपुर कोर्ट, बेथुआडहरी, कृष्णनगर सिटी, शांतिपुर तथा बनगाँव स्टेशनों में 6 मी चौड़े आरडीएसओ मानक फूट ओवर ब्रिज का प्रावधान। **अनुमानित मूल्यः** रु. 30,83,70,833.58; **बयाना राशिः** रु. 16,91,900; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **समापन अवधिः** 12 महीने। **खुलने की तारीखः** 26.08.2025 को अपराह्न 3.00 बजे; निविदा दस्तावेज तथा अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं। निविदा के लिए बोली ऊपर उल्लेखित वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।
(SDAH-154/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे
निविदा सं. ईएल-एमएलडीटी-टीआरडी-ई-टेंडर-082, दिनांक 04.08.2025 के लिए खुली ई-निविदा सूचना। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, मालदा, मालदा टाउन कार्यालय भवन, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (प.बं.) द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए अनुभवी एवं वित्तीय रूप से मजबूत प्रतिष्ठित फर्मों/एजेंसियों/ठेकेदारों से खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा सं.: ईएल-एमएलडीटी-टीआरडी-ई-टेंडर-082; कार्य का नामः** (क) अनुभाग में क्षमता वृद्धि के लिए बोनीडांगा लिंक केबिन में डॉयमण्ड क्रॉसिंग हटाने के संबंध में ओएचई कार्य तथा (ख) मालदा मंडल के मिर्जा चौकी-पिरपैंती के बीच अम्मापाली हॉल्ट, धुलियान गंगा-निमतिता के बीच बासुदेवपुर हॉल्ट, तिलडांगा-बोनीडांगा के बीच बिन्दुबासिनी हॉल्ट, नाथनगर-अकबरनगर के बीच छीट मकन्दपुर हॉल्ट, पिरपैंती-शिवनारायणपुर के बीच लक्ष्मीपुर भोरंग हॉल्ट, अकबरनगर-सुल्तानगंज के बीच महेशी हॉल्ट, मनीग्राम-महिपाल रोड के बीच नोआपाड़ा महिषासुर हॉल्ट में आईबीएस के प्रावधान तथा मालदा टाउन-गौड़ मालदा अनुभाग के बीच आईबीएस के प्रावधान के संबंध में टीआर-डी कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 1,19,28,837.8; **बयाना राशिः** रु. 2,09,700; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **ई-निविदा जमा करने की तारीख एवं समय :** 13.08.2025 से 27.08.2025 को अपराह्न 3.30 बजे तक। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट्टः** **www.ireps.gov.in** तथा वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, मालदा टाउन का कार्यालय। निविदादाताओं से वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना एवं दस्तावेज देखने का अनुरोध किया जाता है। ऊपरोक्त निविदाओं के लिए किसी भी परिस्थिति में मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (MLD-130/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

बिहार में बिजली घर बनाएगा अदाणी ग्रुप

2400 मेगावाट होगा उत्पादन, रोजगार की भी बहार

पटना, एजेंसी। बिहार में अब तक का सबसे अधिक निजी निवेश देश का नामी औद्योगिक समूह अदाणी करेगा। अदाणी ने भागलपुर के पीरपैंती में प्रस्तावित 24 सौ मेगावाट की बिजली परियोजना के लिए सबसे कम बोली लगाई है। अदाणी समूह पीरपैंती बिजली घर को बनाने में 25 हजार करोड़ का निवेश करेगा। बिहार सरकार अदाणी समूह से 6.08 रुपये प्रति यूनिट की दर से अगले 30 वर्षों तक बिजली खरीदेगी। एजेंसी का चयन होने के साथ ही इस परियोजना के शिलान्यास की तैयारी शुरू कर दी गई है। पांच साल में यहां से बिहार को बिजली मिलने लगेगी।

अधिकारियों के अनुसार, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने वर्ष 2035 तक बिहार में बिजली की खपत 17 हजार मेगावाट होने की उम्मीद जताई है। पीरपैंती बिजली घर इस जरूरत को पूरा करने में सहायक साबित होगा। बिहार की यह अपनी और सबसे बड़ी बिजली इकाई है। इस परियोजना से डेढ़ हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। पीरपैंती में 800 मेगावाट की तीन इकाई का निर्माण होगा, जो अत्याधुनिक तकनीक सुपर क्रिटिकल पर आधारित होगा। यानी अभी जितना कोयले में 660 मेगावाट बिजली उत्पादित होती है, उतने से ही 800 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

बिजली घर के लिए पीरपैंती में एक हजार एकड़ से अधिक जमीन पहले से ही अधिग्रहित है। हालांकि जरूरत के अनुसार सरकार और जमीन का अधिग्रहण कर सकती है। बिहार सरकार के अनुरोध पर कोयला मंत्रालय ने पीरपैंती बिजली घर को झारखंड के राजमहल से कोल ब्लॉक आवंटित किया है। अगले 30 वर्षों के लिए 12 मिलियन टन कोयला इस बिजली घर को मिलेगा। बिजली घर बनाने के लिए जारी निविदा में जेएसडब्ल्यू इनर्जी, एमबी पावर, टॉरेंट पावर और अदाणी पावर ने भाग लिया था। मगर 4.16 रुपये प्रति यूनिट फिक्सड चार्ज और 1.92 रुपये प्रति यूनिट फ्यूल चार्ज और ट्रांसपोटेशन चार्ज की बोली लगाकर अदाणी समूह ने बाजी मार ली।

जमीन हस्तांतरण पर कैबिनेट ने मुहर लगाई

पीरपैंती में पहले सोलर पावर प्लांट लगना था, लेकिन इसकी व्यवहारिकता नहीं होने से राज्य सरकार ने ताप विद्युत घर बनाने का निर्णय लिया। सबसे कम बोली लगाने वाली एजेंसी को सरकार ने निबंधन एवं मुद्रांक शुल्क की अदायगी पर एक रुपये प्रतिवर्ष के हिसाब से 33 वर्षों के लिए जमीन हस्तांतरित कर दी। मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इसकी मंजूरी दे दी गई। साथ ही पीरपैंती में 800 मेगावाट की तीन इकाई बनने का रास्ता साफ हो गया। बिहार के ऊर्जा, योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि राज्य सरकार की सबसे बड़ी बिजली घर परियोजना पीरपैंती है। नियमानुसार एजेंसी का चयन कर लिया गया है। चयनित एजेंसी इसमें पैसा खर्च कर बिजली घर का निर्माण करेगी। सरकार बिजली की खरीदारी करेगी। यह परियोजना बिहार में निजी निवेश की सबसे बड़ी परियोजना होगी। इससे बिहार को आने वाले वर्षों में बिजली की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

पटना में हवाला का 55 लाख बरामद : 20 दिन से पटना में ठहरे थे तीन संदिग्ध, गुजरात से हैं तीनों आरोपी

पटना, एजेंसी। पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर बाईपास चेकपोस्ट से तीन संदिग्ध पकड़े गए हैं। इनके पास से 55 लाख मिले हैं। इसका स्पष्ट तौर पर जवाब नहीं दे पा रहे हैं। तीनों से जक्कनपुर थाने में पूछताछ हो रही है। तीनों आरोपी दर्शन, निलेश, कन्नू हैं, जो पाटन गुजरात के रहने वाले हैं। 70 फीट से ओला बुक कर बोरिंग रोड नेहरू नगर रोड नम्बर 4 में किसी व्यक्ति को हवाला के रुपए देने जा रहे थे। इसी दौरान वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े गए। तीनों बोरिंग रोड में रेंट पर ठहरे थे। तीनों अलग अलग जवाब दे रहे हैं। कोई दो दिन पहले तो कोई 20 दिन पहले पटना आने की बात कह रहा है। सही जवाब नहीं दे रहे हैं। इन्होंने कहा है कि कोई सुरेश नाम के शख्स को डिलिवरी देने जा रहे थे। पुलिस की ओर से सनहा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की ओर से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को सूचित किया गया है। टीम इसकी जांच पड़ताल करेगी। पुलिस को इनके मोबाइल से हवाला के साक्ष्य मिले हैं। पुलिस इनसे रुपए का हिसाब मांग रही है। लेकिन खबर लिखे जाने तक इन लोगों ने जवाब नहीं दिया था।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र से सोने के बर्तन चोरी कर पहुंचा मधुबनी, 2 राज्य की पुलिस मिलकर की छापेमारी

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी नगर थाना क्षेत्र के बरा बाजार स्थित सोनारपट्टी इलाके में महाराष्ट्र पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापेमारी की। छापेमारी महाराष्ट्र में दर्ज एक चोरी के मामले से जुड़ी थी। महाराष्ट्र पुलिस के अनुसार, वहां के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी के घर से कीमती सोने के बर्तनों की चोरी हुई थी। इस मामले में एक आरोपी के मधुबनी जिले में छिपे होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस की एक विशेष टीम मधुबनी पहुंची। नगर थाना से सहयोग प्राप्त कर सोनारपट्टी क्षेत्र में स्थित एक मकान की घेराबंदी कर छापेमारी की गई। नगर थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने बताया कि इस संयुक्त अभियान के दौरान एक युवक को हिरासत में लिया गया है। वह उक्त मामले में संलिप्त होने का संदेह है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पूछताछ के दौरान कुछ अहम सुराग मिलने की संभावना है। इससे चोरी के पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। छापेमारी की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखा। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार युवक का कनेक्शन चोरी की घटना से है या वह किसी गिरोह से जुड़ा है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि पूछताछ में और नाम सामने आते हैं, तो आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है और महाराष्ट्र पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है।

खगड़िया समाहरणालय का कर्मी गन हाउस मामले में अरेस्ट

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के हाई प्रोफाइल विशाल गन हाउस मामले में पुलिस ने हथियार की खरीद फरोख्त के धंधे में शामिल इन्द्रजीत कुमार के पार्टनर को भी धर दबोचा है। अविनाश खगड़िया समाहरणालय के सामान्य शाखा के आर्म्स सेक्शन का कार्यपालक सहायक निकला। के.हाट थाना और एसटीएफ की टीम ने खगड़िया के कचहरी पथ से इसे गिरफ्तार किया। कार्यपालक सहायक अविनाश कुमार ही मुर्दे के हथियार का लाइसेंस हथियार तस्कर को उपलब्ध कराया करता था। पुलिस की पूछताछ में अविनाश ने खुद ये बात कुबूल की, जिसके बाद के.हाट थाना की पुलिस ने अविनाश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इससे पहले हथियार की खरीद फरोख्त के मामले में पुलिस और एसटीएफ ने विशाल गन हाउस के मालिक इंद्रजीत कुमार को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में इन्द्रजीत ने अविनाश कुमार का नाम उगला था। साथ ही ये बताया था कि अविनाश खगड़िया समाहरणालय के सामान्य शाखा के आर्म्स सेक्शन में कार्यपालक सहायक है। इसी के बाद अविनाश की गिरफ्तारी के लिए के.हाट थाना और एसटीएफ की संयुक्त टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने खगड़िया के कचहरी पथ से आर्म्स सेक्शन के कार्यपालक सहायक अविनाश कुमार को धर दबोचा और फिर उसे गिरफ्तार कर पूर्णिया के के.हाट थाना लाया गया। सख्ती से पूछताछ में अविनाश कुमार ने बताया कि वो खगड़िया समाहरणालय के सामान्य शाखा के आर्म्स सेक्शन में कार्यपालक सहायक है। वो और इंद्रजीत अवैध रूप से हथियार तस्करी के धंधे में एक दूसरे से जुड़े रहे। अविनाश ने आगे बताया कि उसने ही खगड़िया के रहने वाले जगदीश प्रसाद निराला और शेखपुरा के मृत लाइसेंसधारी के लाइसेंस को विशाल गन हाउस के संचालक इंद्रजीत कुमार को उपलब्ध कराया था। विशाल गन हाउस के संचालक इन्द्रजीत कुमार ने खगड़िया के रहने वाले जगदीश प्रसाद निराला के नाम पर फर्जी तरीके से 90 कारतूस बेचे थे। इसी साल जून में अलग-अलग तारीखों में ये कारतूस बेचे गए थे।

मुजफ्फरपुर में 20 लाख की एनसीईआरटी-बीटीबीसी की नकली किताबें जब्त

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर की नगर थाना पुलिस ने मंगलवार मोतीझील के पी.एन. राय गली स्थित 'शंकर पुस्तक भंडार' के गोदाम में छापेमारी की है। यहां से 20 लाख रुपए से अधिक मूल्य की नकली एनसीईआरटी- और बीटीबीसी की किताबें जब्त की हैं। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 318 बीएनएस व कॉपीराइट एक्ट 1957 की धारा 63/65 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। एनसीईआरटी के कोलकाता कार्यालय से शिकायत मिलने के बाद स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई थी। कोलकाता से आई लीगल टीम, जिसमें अधिकारी जितेश लुहाने शामिल थे। इन्होंने गुप्त जांच के बाद नगर थाना पुलिस की मदद से छापेमारी की। छापेमारी के दौरान हजारों की संख्या में नकली पाठ्यपुस्तकें बरामद हुईं। आरोपी अवैध तरीके से इन पुस्तकों को बाजार में बेचकर कम समय में अधिक मुनाफा कमाने की फिराक में थे। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं।

दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा : ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, ÷शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में नकली सामग्री की बिक्री एक गंभीर अपराध है, जिससे न केवल छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ होता है बल्कि सरकार को राजस्व की नुकसान भी होती है। दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।÷ फिलहाल पुलिस इस अवैध नेटवर्क की गहन जांच में जुटी है और जल्द ही संदिग्धों की गिरफ्तारी की उम्मीद जताई जा रही है। एनसीईआरटी के कोलकता रीजन के बिजनेस मैनेजर गीतेश सुहाने ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि मुजफ्फरपुर में एनसीईआरटी के नकली पुस्तकों की बिक्री की जा रही है।

दरभंगा में ससुर ने नर्सिंग छात्र को गोली मारी, मौत

गुस्साए लोगों ने आरोपी को पीटा, इंटर कास्ट लव मैरिज से नाराज था

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा डीएमसीएच परिसर में मंगलवार शाम एक छात्र की गोली मार कर हत्या कर दी गई। बीएससी नर्सिंग कॉलेज के हॉस्टल गेट पर छात्र का मर्डर हुआ है। मृतक की पहचान राहुल कुमार (24) के रूप में हुई है, जो बीएससी नर्सिंग, सेकेंड सेमेस्टर का छात्र था।

घटना को अंजाम राहुल की पत्नी तन्नू प्रिया के पिता प्रेमशंकर झा (45) दिया है। प्रेमशंकर सहरसा जिले के वनगांव के रहने वाले हैं। आक्रोशित छात्रों ने प्रेमशंकर को मौके पर पकड़कर जमकर पिटाई की। आरोपी की हालत गंभीर बताई जा रही है और वह डीएमसीएच में ही इलाजरत है। राहुल ने करीब चार महीने पहले अपने कॉलेज की ही फर्स्ट सेमेस्टर की छात्र तन्नू प्रिया (22) से लव मैरिज किया था। राहुल हॉस्टल के ऊपरी तल्ले पर रहता था, जबकि तन्नू प्रिया निचले तल्ले पर रहती थी। इंटर कास्ट मैरिज से लड़की के परिजन नाराज थे।

सीने में मारी गोली

मंगलवार शाम हॉस्टल के सामने उपस्थिति दर्ज कराकर लौट रहे राहुल को अचानक प्रेमशंकर झा ने नजदीक से पिस्तौल सटाकर गोली मार दी। गोली सीधे सीने में लगने से राहुल की मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनते ही

हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई। छात्रों ने मौके पर मौजूद आरोपी को घेर लिया और पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। बाद में उसे पुलिस ने कब्जे में लेकर इलाज के लिए डीएमसीएच इमरजेंसी में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना से गुस्साए नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने इमरजेंसी विभाग के मेन गेट को जाम कर दिया और उग्र प्रदर्शन करते हुए चिकित्सा सुविधाओं को ठप कर दिया। सूचना पर बेंता थाना समेत भारी संख्या में पुलिस बल कैंपस पहुंची। समझाने के दौरान छात्रों से धक्का-मुक्की भी हुई। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। मौके पर हंगामा बढ़ता देख जिलाधिकारी कौशल कुमार और वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी भी डीएमसीएच पहुंचे। छात्र-छात्राओं को शांत कराने का प्रयास किया। फिलहाल कैंपस में शांति बनी हुई है। पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। सदर एसडीएम विकास कुमार, सदर एसडीपीओ राजीव कुमार सहित करीब 6 थाने की पुलिस मौके पर पहुंची हुई है।

मामले की जांच जारी

पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज करते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि मृतक छात्र ने कॉलेज की ही एक स्टूडेंट से प्रेम विवाह किया था, जिससे नाराज होकर लड़की के पिता ने घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीओ व सदर एसडीपीओ मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि मृतक छात्र ने लव मैरिज की थी और इसी कारण गुस्से में आकर लड़की के पिता ने हॉस्टल गेट पर गोली मार दी। आरोपी की पहचान प्रेमशंकर झा (सहरसा निवासी) के रूप में हुई है।

केवटसा-कटरा-रुन्नीसैदपुर रोड में पथ निर्माण विभाग बनाएगी नाला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। पथ प्रमंडल दो मुजफ्फरपुर केवटसा-कटरा-रुन्नीसैदपुर रोड में 32वें किमी पर जल निकासी के लिए नाला का निर्माण कराएगी। इस पर करीब 1.29 करोड़ की लागत से निर्माण होगा। इसके निर्माण के लिए छह महीने का समय रखा गया है। निर्माण के लिए पथ प्रमंडल दो मुजफ्फरपुर के कार्यपालक अभियंता ओमप्रकाश ने टेंडर निकाला है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण का कार्य शुरू होगा।

पूर्णिया एयरपोर्ट का 25 अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी कर सकते हैं उद्घाटन

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन 25 अगस्त को होने की संभावना है। उद्घाटन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं।सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस नये हवाई अड्डे का उद्घाटन कर सकते हैं। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) उद्घाटन की तैयारियों में जुट गया है। पहले चरण में इंडिगो एयरलाइंस ने यहां से उड़ान की सुविधा देने में दिलचस्पी दिखाई है।

इंडिगो पूर्णिया से दिल्ली के लिए नियमित उड़ान सेवा शुरू करेगी, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। पटना, गया, दरभंगा के बाद यह बिहार का चौथा नागरिक एयरपोर्ट होगा, जहां से विमानों का संचालन हो सकेगा। पूर्णिया एयरपोर्ट का निर्माण क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए किया गया है। यह हवाई अड्डा कोसी और सीमांचल क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देगा। एयरपोर्ट के शुरू होने से न केवल पूर्णिया बल्कि आसपास के जिलों जैसे कटिहार, अररिया और किशनगंज के लोगों को भी सुविधा होगी। यात्रियों को बागडोगरा, दरभंगा या पटना एयरपोर्ट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

समस्तीपुर में संदिग्ध हालत में महिला की मौत

इंटर कास्ट मैरिज की थी, सब्जी बेचने के दौरान हुआ था प्यार

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में संदिग्ध हालत में एक महिला की मौत हो गई। डेढ़ साल पहले इंटर कास्ट लव मैरिज की थी। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान बबलू यादव की पत्नी सोनम कुमारी(20) के तौर पर हुई है। घटना दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के केवटा गांव की है। मृतका की बड़ी बहन फुलो देवी ने बताया कि सोनम दो साल पहले दलसिंहसराय मंडी में सब्जी बेचने का काम करती थी। इस दौरान बबलू यादव से उसकी दोस्ती हो गई। वो भी मंडी में सब्जी बेचता था। जान-पहचान बढ़ने पर डेढ़ साल पहले दोनों ने मंदिर में शादी कर ली। कुछ दिन बाद परिवार की रजामंदी से साथ रहने लगे। इस दौरान सोनम ने एक बच्चे को जन्म दिया। शादी के कुछदिन बाद से ही ससुराल वाले दहेज के लिए तंग करने लगे। कैश और जेवरात की डिमांड करने लगे। नहीं देने पर उसे पीटा जाता

था। इस बात की चर्चा कई बार उसने फोन पर की थी। परिवार के सदस्यों ने कई बार बबलू का समझाया। एक-दो दिन ठीक रहते थे। फिर परेशान करने लगते थे। पति के साथ मिलकर ससुराल वालों ने जहर देकर मेरी बहन को मार डाला।

पूरा परिवार घर छोड़कर भाग गया

फुलो देवी ने आगे कहा कि मौत की सूचना पर हमलोग केवटा गांव पहुंचे। देखते ही बबलू भड़क गया। मारपीट करने लगा। जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही पूरा परिवार घर छोड़कर भाग गया।

आवेदन के आधार पर होगी कार्रवाई

इस संबंध में दलसिंहसराय के डीएसपी विवेक शर्मा ने कहा कि मामला संदिग्ध है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या की वजह स्पष्ट हो सकेगी। अभी तक परिवार के लोगों ने आवेदन नहीं दिया। आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्जकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के लोटस टेंपल की तरह दिखेगा

नालंदा में बन रहा देश का दूसरा बहाई मंदिर: अगले साल बन कर तैयार होगा

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के बिहारशरीफ प्रखंड के हरगांवा गांव में इतिहास रचा जा रहा है। यहां देश का दूसरा और बिहार का पहला बहाई मंदिर (उपासना गृह) बनकर तैयार हो रहा है, जो 2026 के अंत तक श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का 30 प्रतिशत निर्माण काम पूरा हो चुका है। दिल्ली के प्रसिद्ध लोटस टेंपल की भांति इस उपासना गृह का डिजाइन तैयार किया गया है। दिल्ली की स्पेश मेटर्स संस्था की ओर से तैयार किए गए इस डिजाइन में स्थानीय संस्कृति और आध्यात्मिक पृष्ठभूमि का सुंदर समावेश किया गया है। गुंबदनुमा संरचना वाले इस मंदिर की सबसे आकर्षक विशेषता इसकी कलाकृति होगी। गुंबद पर न केवल आकर्षक नक्काशी होगी, बल्कि प्रसिद्ध मधुबनी कला भी देखने को मिलेगी। मेहरावों और छत की संरचना पंखों और पत्तियों के ताने-बाने जैसी होगी, जिसमें बने सुराखों से दिन में प्राकृतिक प्रकाश भीतर आएगा और रात में अंदर की रोशनी बाहर निकलेगी।

बहाई समुदाय के केवल पांच उपासना स्थल : यह जानना दिलचस्प है कि हरगांवा में बनने वाला यह मंदिर विश्व का छठा बहाई उपासना गृह होगा। वर्तमान में पूरी दुनिया में बहाई समुदाय के केवल पांच उपासना स्थल हैं। इस परियोजना की घोषणा 2012 में इजराइल के हाइफा स्थित बहाईयों की सर्वोच्च संस्था विश्व न्याय मंदिर की ओर से की गई थी, जो अब मूर्त रूप ले रही है। इस उपासना गृह की सबसे बड़ी विशेषता इसका धर्मनिरपेक्ष चरित्र है। यहां सभी धर्मों, संप्रदायों और क्षेत्रों के लोग अपने-अपने इष्टदेव के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए प्रार्थना और इबादत कर सकेंगे। बहाई धर्म की मान्यता के अनुसार सभी धर्मों की नींव और उद्देश्य एक ही है - प्रेम, शांति, एकता और सद्भावना की स्थापना। यहां लोग जीवन, धर्म और अध्यात्म से जुड़े गहरे प्रश्नों के उत्तर तलाश सकेंगे। यह स्थल गौरव, शांति और बेहतर वातावरण का उत्कृष्ट आध्यात्मिक केंद्र बनेगा। लगभग आठ एकड़ क्षेत्र में फैले इस परिसर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। तालाब और उद्यान के लिए अतिरिक्त भूमि भी अधिग्रहीत की जा रही है। उपासना गृह के निर्माण के बाद विकास के अगले चरण में कई लोकोपकारी संस्थाओं की स्थापना होगी। इनमें अस्पताल, औषधालय, वृद्धाश्रम, अनाथालय, विद्यालय और शिक्षा केंद्र शामिल हैं। जब ये सभी संस्थाएं पूरी रूप से कार्यशील हो जाएंगी, तो सेवा और उपासना की वास्तविक भावना साकार हो जाएगी।

कार में शराब पार्टी करते लड़कों ने महिला को कुचला, एक पकड़ाया और 3 फरार

पटना, एजेंसी। पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र के गेट नंबर 5 के पास एक बेकाबू गाड़ी ने सड़क किनारे बैठी महिला को कुचल दिया। गाड़ी में 4 से 5 की संख्या में युवक मौजूद थे। कार के अंदर ही बैठकर सभी शराब पार्टी कर रहे थे। तभी रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से हाई स्पीड में गाड़ी आई और पलट गई। गाड़ी पलटने के बाद अंदर मौजूद युवक निकलकर भागने लगे।, जिसमें से एक पकड़ा गया है। फिलहाल पूछताछ चल रही है। वृद्ध महिला को पुलिस की मदद से पी.एम.सी.एच. भेजा गया है। महिला की स्थिति नाजुक है।

एमपी से पटना आए थे सभी युवक

गांधी मैदान एडिशनल एसएचओपरितोष कुमार ने बताया कि पकड़े गए युवक का नाम विशाल भदौरिया है। कार में 4 युवक सवार थे। सभी मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं। विशाल ने पूछताछ में बताया है कि आज ही पटना आए थे। कार के अंदर शराब पार्टी कर रहे थे। इनके तीन साथी फिलहाल फरार हैं, जिनका नाम निखिल कुशवाहा, संजू भदौरिया, आशीष भदौरिया है। तीनों पढ़ाई करते हैं। अभी पूछताछ जारी है।--

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

माओवादियों पर सुरक्षाबलों का एक्शन, एके-47 की 83 गोलियों के साथ एक माओवादी गिरफ्तार

पिपरवार, एजेंसी। पिपरवार थाना क्षेत्र के खंधार गांव में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के घर से एके-47 राइफल में प्रयुक्त भारी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह अवैध कारतूस (गोलियां) कथित तौर पर टीएसपीसी उग्रवादी संगठन से संबंधित बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मौके से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 33 वर्षीय मनोज तिग्गा पिता लिबनुस तिग्गा ग्राम खंधार पोस्ट बहेरा थाना पिपरवार जिला चतरा के रूप में हुई है। गुप्त सूचना के आधार पर टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन कर 5 अगस्त की रात को यह कार्रवाई की गई।

छापेमारी के दौरान मनोज तिग्गा के घर से एक एके-47 में प्रयुक्त 7.62 एमएम की कुल 83 जिंदा गोलियां बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार, यह हथियार टीएसपीसी उग्रवादी संगठन से जुड़ा बताया जा रहा है।

आरोपी के विरुद्ध पिपरवार थाना कांड संख्या 23/2025 के तहत आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को चतरा जेल भेज दिया गया।

इस छापेमारी अभियान में टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के अलावा पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार, पुअनि सुरेन्द्र उपाध्याय, सअनि बंसत कुमार महतो, आरक्षी शंभू यादव, संतोष यादव सहित पिपरवार थाना के अन्य सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पिपरवार पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में उग्रवाद के विरुद्ध एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। इससे माओवादी हमलों को रोकने में मदद मिलेगी।

पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को सूचना मिली थी कि खंधार गांव में टीएसपीसी के लिए काम करने वाला एक व्यक्ति संगठन द्वारा दिए गए हथियार छुपाकर रखे हुए है। सूचना की पुष्टि के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) टंडवा प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

गांव के घर से बीती रात दबोचा गया: टीम ने 5 अगस्त की रात को खंधार गांव स्थित मनोज तिग्गा के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उसके घर से एके-47 की 83 जिंदा गोलियां बरामद हुईं। पुलिस ने मौके से मनोज तिग्गा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि वह टीएसपीसी उग्रवादियों के लिए काम करता था और उनके निर्देश पर हथियारों को छुपाकर रखा था। इस मामले में पिपरवार थाना में आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नक्सलियों को नियंत्रित करने के लिए चलता रहेगा अभियान: पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उग्रवादी गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। फिलहाल, पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए अन्य उग्रवादियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। इस ऑपरेशन में डीएसपी टंडवा प्रभात रंजन बरवार के साथ-साथ थाना प्रभारी अभय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सुरेन्द्र उपाध्याय, सहायक अवर निरीक्षक बसंत कुमार महतो, आरक्षी शंभु यादव, संतोष यादव सहित अन्य सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

तीन बार राज्यसभा के लिए चुने गए गुरुजी, लेकिन कभी पूरा नहीं कर सके कार्यकाल, यहां जानिए कब और क्यों छोड़नी पड़ी सदस्यता

रांची, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन राज्यसभा के लिए तीन बार निर्वाचित हुए, लेकिन तीनों बार वे कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।

पूर्व में दोनों बार किसी न किसी कारणों से उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। तीसरे कार्यकाल में उनके निधन होने के कारण कार्यकाल पूरा नहीं हो सका।

गुरुजी तीसरी बार 22 जून 2020 को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे, जिनका कार्यकाल 21 जून 2026 को पूरा होना था। शिबू सोरेन सबसे पहली बार आठ जुलाई 1998 को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। उस समय उनके विरुद्ध चुनाव में खड़े तथा प्राप्त मतों में दूसरे स्थान पर रहे दयानंद सहाय ने उनके निर्वाचन को पटना उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

यह कहते हुए चुनाव याचिका दायर थी कि वे झारखंड क्षेत्र स्वशासी परिषद (जैक) के अध्यक्ष होने के कारण लाभ के पद पर थे। न्यायालय ने चुनाव याचिका को स्वीकार करते हुए शिबू सोरेन के निर्वाचन को रद कर दिया था। शिबू सोरेन ने पटना उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील दाखिल की थी।

इनकी अपील शीर्ष न्यायालय ने जैक के अध्यक्ष का पद लाभ का पद बताते हुए 19 जुलाई 2001 को निरस्त कर दी थी। हालांकि शिबू ने इससे एक दिन पहले 18 जुलाई 2001 को ही राज्यसभा के सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया था।

शिक्षा मंत्री की हालत नाजुक, विश्व आदिवासी दिवस पर होने वाला कार्यक्रम स्थगित

रांची, एजेंसी। विश्व आदिवासी दिवस के खास मौके पर झारखंड में प्रस्तावित 9 अगस्त से 11 अगस्त तक तीन दिनों का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है. राज्य सरकार ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के अस्वस्थ होने के कारण बताते हुए आदिवासी महोत्सव स्थगित कर दिया है. आदिवासी दिवस आयोजित करने के लिए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी के चयन संबंधी टेंडर भी कल सोमवार को स्थगित कर दिया गया.

तीन दिवसीय आदिवासी महोत्सव स्थगित किये जाने के बाद अब राज्य सरकार एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार कर रही है. यह एक दिवसीय कार्यक्रम 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के दिन करने का विचार किया जा रहा है. ऐसे में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर एक छोटा का कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा.

मालूम हो शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की स्थिति गंभीर बनी हुई है. शनिवार 2 अगस्त को वह अपने बाथरूम में बेसुध होकर गिर पड़े थे, जिसके बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दिल्ली ले जाया गया. दिल्ली के अपोलो अस्पताल में फिलहाल उनका इलाज चल रहा है. डॉक्टर के अनुसार उनके मस्तिष्क में ब्लड क्लोटिंग हो गयी है. डॉक्टर्स उनके ऑपरेशन पर विचार कर रहे हैं. अभी लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे उनकी सांसें चल रही हैं.

वास्को डी गामा एक्सप्रेस से चार नाबालिग किये गये रेस्क्यू

धनबाद, एजेंसी। आरपीएफ व जीआरपी की संयुक्त टीम ने सोमवार को बाल तस्करी का प्रयास विफल कर दिया. टीम ने गाड़ी संख्या 17323 (वास्को डि गामा एक्सप्रेस) से चार नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया. उन्हें काम कराने के लिए कर्नाटक ले जाया जा रहा था.

चाइल्ड हेल्प डेस्क धनबाद को सूचना मिली थी कि ट्रेन के जनरल कोच और बी वन कोच में कुछ नाबालिग बच्चे यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें बालश्रम के लिए दक्षिण भारत भेजा जा रहा है. इसके बाद प्रभारी निरीक्षक, आरपीएफ पोस्ट धनबाद के नेतृत्व में और चाइल्ड लाइन की टीमों ने प्लेटफार्म संख्या छह पर ट्रेन की संयुक्त जांच की. इस दौरान जनरल कोच से तीन नाबालिग लड़कों को बरामद किया गया. इस दौरान ट्रेन कतरास के लिए रवाना हो गयी. इसके बाद टीम कतरास स्टेशन पहुंची, जहां जनरल कोच से एक और नाबालिग लड़के को रेस्क्यू किया गया. आरपीएफ ने बताया कि पूछताछ में लड़कों ने बताया कि उन लोगों को काम कराने कर्नाटक ले जाया जा रहा है. रस्क्यू किये गये लड़कों में बिहार के जमुई जिला के सोनो थाना क्षेत्र के बाबूडीह निवासी शहबाज अंसारी, बांका जिला के चूरौली निवासी अनीश अंसारी, झारखंड के गोड्डा जिला के बलबड़ा कुठिया निवासी अफताब शेख व गोड्डा के बसंत तराई स्थित मसटिकरी निवासी गुलाम अंसारी शामिल हैं. सभी चारों बच्चों को चाइल्ड लाइन अग्रतर कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गयी.

चेक बाउंस मामले में बॉलीवुड अभिनेता विक्रम सिंह को एक साल जेल की सजा

रांची, एजेंसी। एक करोड़ रुपए का चेक बाउंस से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी दिव्या राघव की अदालत ने आरोपी बॉलीवुड अभिनेता रांझा विक्रम सिंह को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने अभिनेता को एक साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उसे चेक बाउंस की राशि एक करोड़ रुपए एवं हर्जाना 20 लाख मिलाकर कुल 1.20 करोड़ रुपया मामले के शिकायतकर्ता निलोय कुमार झा के पक्ष में भुगतान करने का आदेश दिया है।

तेज रफ्तार हाइवा ने मजदूर को कुचला, मौके पर मौत, मचा कोहराम

केंदुआ, एजेंसी। धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर आज बुधवार की सुबह एक बार फिर रफ्तार का कहर टूटा और एक जिंदगी असमय थम गयी. केंदुआडीह थाना क्षेत्र के श्रीराम टी एंड स्वीट्स दुकान के समीप तेज रफ्तार हाइवा ने एक दिहाड़ी मजदूर को कुचल दिया. हादसे में मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गयी. मृतक की पहचान 55 वर्षीय जगदीश सिंह के रूप में हुई है. यह दर्दनाक घटना सुबह करीब 6 से 6:45 बजे के बीच की है. सुबह जगदीश सिंह रोजाना की तरह टहलने निकले थे और डिवाइडर के कट से सड़क पार कर रहे थे. इसी दौरान धनबाद की ओर से आ रही तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भयानक थी कि उनका सिर बुरी तरह कुचल गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी. मजदूर को टक्कर मारने के बाद चालक हाइवा लेकर मौके से फरार हो गया. मजदूर का शव देख मौके पर मौजूद लोग सन्न रह गये. घटना की जानकारी मिलते ही मृतक की पत्नी सोनी देवी समेत परिजन मौके पर पहुंचे. परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है. घटना के विरोध में आक्रोशित स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए और धनबाद-केंदुआ मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया.

फिल्मी अंदाज में फायरिंग, सीसीटीवी से पहचाने गए हमलावर, रवि यादव की पुरानी फाइल पर भी पुलिस की नजर

जमशेदपुर, एजेंसी। परसुडीह थाना क्षेत्र के कीताडीह, ग्वाला पट्टी में मंगलवार शाम करीब 5 बजे राष्ट्रीय जनता दल के जिला सचिव कन्हैया यादव के पुत्र रवि यादव पर अपराधियों ने सनसनीखेज ढंग से घेराबंदी कर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस हमले में रवि को पांच गोलियां लगीं, जिससे उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

उन्हें पहले सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) रेफर किया गया। घटना की सूचना पर परसुडीह और बागबेड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से चार खोखे बरामद हुए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो अपराधियों की पहचान कीताडीह पुराना पोस्ट ऑफिस रोड निवासी नेहाल तिवारी उर्फ शुभम और रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी के समीर सिंह के रूप में हुई। अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। बुधवार की सुबह एक और संदिग्ध की पहचान लिए गए हैं। पुलिस का दावा है, सभी हमलावर जल्द शिकंजे में होंगे।

पुलिस ने एक अपराधी के घर के पास से घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रवि बाइक से घर लौट रहा था, तभी दो बाइक सवार अपराधियों ने उसका पीछा शुरू किया। रवि ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिया के पास स्कूटी सवार दो अन्य अपराधियों ने उसे घेर लिया। इसके बाद नौ राउंड गोलियां चलाई गईं, जिनमें पांच रवि को लगीं। भागते समय अपराधियों ने हवाई फायरिंग की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

लोग डर से घरों में दुबक गए। बाद में स्थानीय लोगों ने रवि को अस्पताल पहुंचाया। जांच में फायरिंग का कारण आपसी रंजिश सामने आया। रवि कुछ माह पहले जेल से रिहा हुआ था। नेहाल तिवारी का नाम जुगसलाई शिव घाट में पहले हुई फायरिंग से भी जुड़ा है। रवि ने पुलिस को बताया कि स्कूटी सवार अपराधी दोनों हाथों से गोलियां चला रहे थे।

पुलिस ने बुधवार सुबह एक अन्य संदिग्ध की पहचान की, जिसका नाम गोपनीय है। सीसीटीवी फुटेज से अपराधियों के भागने का रास्ता पता चला। पुलिस ने विशेष दस्ता गठित कर अपराधियों की तलाश तेज कर दी है। घटना से इलाके में आक्रोश है। भाजपा नेता ललन यादव समेत कई लोग टीएमएच पहुंचे। पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कीताडीह निवासी रवि यादव साकची थाना क्षेत्र कालीमाटी रोड में संपत्ति विवाद को लेकर हुए दो पक्ष में मारपीट, हरवे हथियार से जानलेवा हमला और पत्थरबाजी मामले में भी शामिल था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। कीताडीह मनसा मंदिर के पास रिंकू खान के घर में घुसकर जबरदस्त मारपीट की थी। इस मामले में वह जेल गया था। टाटा मुख्य अस्पताल में दाखिल रवि यादव से पुलिस टीम पूछताछ कर रही है।

जर्जर सड़क के कारण नहीं पहुंची एम्बुलेंस, खाट पर लादकर मरीज को ले जाया गया अस्पताल, हुई मौत

खूंटी, एजेंसी। जिले में एम्बुलेंस नहीं मिलने के कारण परिजन बेहोश बुजुर्ग को कंधों पर ढोकर सड़क तक लाये और किसी तरह सदर अस्पताल पहुंचे. लेकिन अफसोस बुजुर्ग बच नहीं सका. अस्पताल में उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान तोरपा प्रखंड क्षेत्र के चुरगी पंचायत के अंबाटोली गांव निवासी दयाल भेंगरा के रूप में हुई, जो घर में गिरने के कारण बेहोश हो गए थे.

मृतक की बेटी पुष्पा भेंगरा ने बताया कि दयाल भेंगरा 11 बजे के लगभग घर में गिरा और बेहोश हो गया. करीब एक घंटे बाद उसे होश आया तो लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस को फोन किया, लेकिन 4 बजे तक एम्बुलेंस नहीं पहुंचा. जिसके बाद गांव वाले दयाल को खटिया के सहारे बांस बांध कर उसे गांव से बाहर निकाला और निजी वाहन से सदर अस्पताल खूंटी ले गए. जहां उसकी मौत हो गई.

विडंबना है कि खूंटी सिमडेगा हाइवे से महज 2 किमी अंदर बसा गांव आमटोली में वाहन जाने तक की सुविधा नहीं है. करीब पांच बजे सदर पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने दयाल को रिम्स रेफर कर दिया. जबकि साथ गए ग्रामीणों का कहना है कि जब उसकी मौत हो चुकी थी तो उसे रेफर क्यों किया गया. इस बात को लेकर ग्रामीणों ने सदर अस्पताल में जमकर बवाल काटा.

सिविल सर्जन नागेश्वर मांझी ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और मृतक के लिए शव वाहन उपलब्ध कराकर गांव भेज दिया. सिविल सर्जन ने बताया कि एम्बुलेंस गांव तक क्यों नहीं पहुंचा, इसकी जांच की जाएगी. इसमें जो भी दोषी होंगे उसके खिलाफ कार्रवाई होगी.

उत्पादन में अविलंब सुधार करें बीसीसीएल -कोयला सचिव

धनबाद, एजेंसी। लगातार हो रही बारिश के कारण बीसीसीएल की कई महत्वपूर्ण कोयला खदानों भर गयी हैं. ऐसे में कंपनी का उत्पादन आधे से भी कम हो गया है. वर्तमान में कंपनी रोज औसतन 70 से 80 हजार टन ही कोयला उत्पादन व डिस्पैच कर पा रही है. स्थिति यह है कि बीसीसीएल का वार्षिक उत्पादन ग्रोथ घट कर 17.22 प्रतिशत व डिस्पैच ग्रोथ 12.2 प्रतिशत निगेटिव हो गया है. इधर कोयला उत्पादन, उत्पादकता व डिस्पैच में सुधार को लेकर कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने वीडियो कांफ्रेंसिंग कर बीसीसीएल की समीक्षा बैठक की. उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन को उत्पादन में अविलंब सुधार करने और सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी जरूरी एहतियात बरतने का निर्देश दिया. उन्होंने खदानों से पानी की निकासी के लिए पंप समेत अन्य जरूरी उपाय करने पर जोर दिया, ताकि उत्पादन में बढ़ोतरी सुनिश्चित हो सके. बीसीसीएल के आंकड़ों के मुताबिक कंपनी का लक्ष्य अगस्त माह में (1 से 4 अगस्त तक) 0.440 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित था. जिसके मुकाबले कंपनी अबतक महज 0.300 मिलियन टन ही कोयला उत्पादन कर सकी है.

गुमला में मुठभेड़;15 लाख का इनामी नक्सली ढेर

गुमला, एजेंसी। झारखंड में पीपल्स लिब्रेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) को बड़ा झटका लगा है। गुमला पुलिस ने गुप्त सूचना पर पीएलएफआई सुप्रीमो मार्टिन केरकेट्टा को पारही छंगाबारी जंगल में एनकाउंटर में मार गिराया है। मार्टिन पर झारखंड पुलिस ने 15 लाख का इनाम घोषित कर रखा था। गुमला एसपी हारिश बिन जमा और एसडीपीओ नाजिर अख्तर की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, मार्टिन अपनी टीम के साथ कामडारा में किसी कारोबारी से लेवी लेने पहुंचा था। इसकी सूचना मिलने पर एसपी ने एक टीम गठित कर घेराबंदी की।

पुलिस को देखते ही शुरू की थी फायरिंग: पुलिस को देखकर मार्टिन ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलीबारी की। जिसमें मार्टिन मारा गया। उसके पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। इस एनकाउंटर में केवल गुमला पुलिस की टीम शामिल थी। एनआईए और झारखंड पुलिस के संयुक्त प्रयास से पीएलएफआई के पूर्व सुप्रीमो दिनेश गोप को नेपाल से गिरफ्तार किया गया था। दिनेश गोप पर 25 लाख रुपए का इनाम था। उसके जेल जाने के बाद मार्टिन को संगठन का सुप्रीमो बनाया गया था। जो संगठन का बिस्तर करने में लगा था।

मार्टिन के जिम्मे ही था पूरा संगठन: मार्टिन पीएलएफआई की पूरी कमान संभाल रहा था। वह जगह-जगह वारदातों को अंजाम देकर पीएलएफआई के नाम पर खौफ पैदा कर रहा था। उसके द्वारा सबसे ज्यादा रंगदारी मांगने की वारदातें की जा रही थीं। मार्टिन के पास से दो हथियार बरामद किए गए हैं। क्षेत्र में दो अन्य उग्रवादियों को भी गोली लगने की बात सामने आई है। गुमला एसपी हरीश बिन जमा ने घटना की पुष्टि की है। क्षेत्र में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

दिनेश गोप के बचपन का साथी था, साथ पढ़ाई भी की: मार्टिन मूल रूप से कामडारा के रेड़मा गांव का रहने वाला था और पीएलएफआई की केंद्रीय समिति का सक्रिय सदस्य था। लेवी वसूली, धमकाने और फायरिंग की रणनीति वही तय करता था। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। दिनेश गोप की वजह से मार्टिन का संगठन में कद बड़ा था। मार्टिन और दिनेश गोप बचपन के साथ थे। दोनों एक साथ लापुंग के महुगांव स्थित स्कूल में पढ़ाई करते थे। बाद में दोनों ने एक साथ संगठन का विस्तार किया।

धनबाद में फुटपाथ दुकानदारों का अनोखा विरोध, अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में राष्ट्रपति के दौरे से पहले हटाए गए पुलिस लाइन क्षेत्र के फुटपाथ दुकानदारों ने सोमवार को जिला प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ अर्धनग्न होकर विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों दुकानदार फुटपाथ पर एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए अपने रोजगार वापस देने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने भावनात्मक पोस्टर लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की। पोस्टर पर लिखा था - बिना गुनाह किए गुनहगार बना दिया गया, हमारी गलती क्या थी जो रोजगार छीन लिया गया, मिलकर लेंगे बुलडोजर से आजादी और हरिद्वार मॉडल पर 8×6 की दुकानें बसाई जाएं। फुटपाथ दुकानदारों का कहना है कि वे पिछले कई सालों से पुलिस लाइन में दुकान लगाते आ रहे हैं। उन्हें राष्ट्रपति के आगमन से पहले हटाया गया था। तब प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि राष्ट्रपति के जाने के बाद फिर से दुकान लगाने दिया जाएगा। लेकिन अब प्रशासन अपने वादे से मुकर रहा है। दुकानदारों ने चेतावनी दी कि अगर उन्हें रोजगार नहीं मिला तो उनके परिवार भूखे मरेंगे। कुछ ने तो आत्महत्या की धमकी भी दी। उनका आरोप है कि प्रशासन उन्हें धमकी दे रहा है कि अगर दुकान लगाई तो झूठे मुकदमे में फंसा दिया जाएगा। एक सब्जी विक्रेता ने बताया कि वह करीब 50 सालों से दुकान चला रहा है। अब रोजगार छिन जाने से घर चलाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि उन्हें वैकल्पिक स्थान पर बसाया जाए। वे पशुपालन अस्पताल परिसर या किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर दुकान लगाना चाहते हैं। जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

इंस्टाग्राम से लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण में लखनऊ का छात्र गिरफ्तार

चिरकुंडा (धनबाद), एजेंसी। इंस्टाग्राम के माध्यम से लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण करने का आरोपित 19 वर्षीय अर्पित शर्मा को झारखंड के चौपारण से धनबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अर्पित यूपी के लखनऊ के आलमबाग का रहने वाला है।

पुलिस ने चिरकुंडा क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली किशोरी को भी बरामद कर लिया है, जिसे अर्पित ने बरगलाकर प्रेमजाल में फंसाया था। लड़की सात जून को अपना घर छोड़कर उसके साथ चली गई थी। आरोपित को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में धनबाद जेल भेज दिया गया। लड़की का न्यायालय में पुलिस ने बयान कराया है। आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह कई लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण कर चुका है। जानकारी के अनुसार, अर्पित लखनऊ के न्यू पब्लिक स्कूल पवनपुरी से 12वीं की परीक्षा पास की है। वह इंस्टाग्राम के माध्यम से लड़कियों से दोस्ती करता था। उनको अपनी मीठी-मीठी बातों से प्रेमजाल में फंसाता था।

कुमारधुबी कोलियरी की नाबालिक लड़की को भी उसने फंसा लिया था। लड़की को ले जाने के लिए सात जून को ट्रेन से कुमारधुबी आया। उसे धनबाद से हावड़ा व फिर वाराणसी ले गया। वहां मंदिर भी गया। फिर एक होटल में काम किया, उसमें ही मिले कमरे में लड़की को लेकर रहा। लड़की के साथ संबंध बनाने की कोशिश की, मगर उसने विरोध कर दिया। तब नशीली दवा खिलाकर उससे तीन दिन संबंध बनाए। इस बीच वह बीमार हो गई।

होटल में कम पैसा मिलने के चलते वहां से सिहोर मध्यप्रदेश चला गया। वहां पहले भी कई लड़कियों को लेकर जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस के एसआई पर महिला हेड कॉन्स्टेबल की बेटी से डिजिटल रेप का आरोप

गाजियाबाद, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) द्वारा दिल्ली पुलिस की ही महिला हेड कॉन्स्टेबल की मासूम बेटी से कथित तौर पर डिजिटल रेप करने का मामला सामने आया है। बच्ची की मां की शिकायत पर गाजियाबाद पुलिस ने आरोपी एसआई के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी और शिकायतकर्ता महिला हेड कॉन्स्टेबल दोनों ही गाजियाबाद में रहते हैं। पुलिस के मुताबिक, गाजियाबाद के नंदग्राम थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला दिल्ली पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल है। वह पति से अलग तीन साल की बेटी के साथ रहती है। हेड कॉन्स्टेबल का आरोप है कि गोविंदपुरम में रहने वाले एसआई से उसकी पुरानी जान-पहचान है। इसी के चलते उसका घर पर भी आना-जाना है। आरोप है कि तीन दिन पहले एसआई घर आया। उसने तीन साल की बेटी को अकेला पाकर न सिर्फ अश्लील हरकत की, बल्कि उसके साथ डिजिटल रेप भी किया। हेड कॉन्स्टेबल के मुताबिक, आरोपी के हरकतों से उसकी बेटी असहज हो गई और उससे दूर हटने की जिद करने लगी। अजीब बर्ताव देखकर उन्होंने बेटी से पूछा। इसके बाद उसने सारी घटना बताई। हेड कॉन्स्टेबल का आरोप है कि उसने आरोपी से उसकी हरकत का विरोध जताया तो उसने धमकी देनी शुरू कर दी।

आध्यात्मिक वक्ता जया किशोरी बनीं लेखिका

मुंबई। आध्यात्मिक और मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी ने हाल ही में अपनी किताब इट्स ओके लॉन्च की है। यह किताब लोगों को मुश्किल समय में रास्ता दिखाने के लिए लिखी गई है। जया कहती हैं कि इस किताब का नाम उनके अपने अनुभव से लिया गया है। वह बताती हैं, यह किताब मैंने कॉलेज के बच्चों से बात करके लिखी। जब मैं उनसे मिलती हूं, तो वे अपनी परेशानियों के बारे में बताते हैं। कई बार वे परेशान होते हैं, लेकिन फिर भी कहते हैं जस्ट चिल या इट्स ओके। यह बात मुझे सोचने पर मजबूर कर गई। जया बताती हैं कि वह पिछले पांच सालों से एक किताब लिखना चाहती थीं और इस किताब का संदेश उनके दिल के बहुत करीब है। वह कहती हैं, इस किताब का मकसद यह है कि चाहे आपकी जिंदगी में कोई भी हालात हों - अच्छे या बुरे - आपको समझना होगा कि कब कहना है 'इट्स ओके' और कब नहीं। आपको उस स्थिति को समझना है, उसका सामना करना है और फिर उसका हल ढूंढना है। यह किताब यही बताती है कि आप जिस तरह से किसी परेशानी को समझते हैं, उसी तरह आप उसे सुलझा सकते हैं। इट्स ओके में जया के अपने अनुभव, आध्यात्मिक बातें और बचपन में सुनी कहानियाँ भी शामिल हैं। वह कहती हैं, मैंने जो कहानियाँ अपने माता-पिता और दादा-दादी से सुनीं, वे भी इसमें शामिल हैं। वही कहानियाँ मुझे आज तक प्रेरणा देती हैं। जया बताती हैं कि लिखना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि उन्हें कई बार शुरुआत से लिखना पड़ा। यह उनके लिए भावनात्मक और मानसिक रूप से थोड़ा मुश्किल था। लेकिन उन्होंने अपनी ही किताब की बातों को अपनाकर शांति पाई। जब उनसे पूछा गया कि यह किताब किसके लिए है, तो वह कहती हैं, जो भी अंदर से परेशान है, या भावनाओं से जूझ रहा है, उसके लिए यह किताब है।

मुंबई में क्रिकेट कोच ने छात्रा का यौन उत्पीड़न किया, गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के पूर्वी उपनगर में एक क्रिकेट कोच को 13 वर्षीय छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी देवनार थाने के अंतर्गत आने वाले नगर निकाय के मैदान में बच्चों को क्रिकेट खेलना सिखाता है और घाटकोपर निवासी लड़की उसके पास प्रशिक्षण के लिए आती थी। उन्होंने बताया कि 40 वर्षीय आरोपी ने कुछ दिन पहले लड़की का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया और उसने सोमवार को भी यह हरकत दोबारा की। अधिकारी ने बताया कि लड़की ने अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद शिकायत दर्ज कराई गई और घाटकोपर में पंतनगर पुलिस ने शून्य प्राथमिकी दर्ज की।

रीलबाजी में द्वारका एक्सप्रेसवे किया था जाम; 3 अरेस्ट, थार-फॉर्च्यूनर जब्त

गुरुग्राम , एजेंसी।
गुरुग्राम के सेक्टर 108 के पास सोमवार को द्वारका एक्सप्रेसवे पर कुछ युवकों ने सोशल मीडिया पर रील बनाने के लिए अपनी कारें बीच सड़क पर रोक दीं। इस वजह से हाईवे पर दोनों तरफ लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और आम लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। इस मामले में आज पुलिस ने तीन युवकों को गुड़गांव काबू कर लिया है। आरोपियों की पहचान सोहना के रहने वाले हिमांशू, सागर तथा दिल्ली के रहने वाले कौशल के रूप में हुई है। राजेंद्रा पार्क थाना पुलिस केस दर्ज आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की और फिर पकड़ा। इस मामले में शामिल अन्य अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने दो थार व एक फॉर्च्यूनर गाड़ी को भी बरामद कर लिया है। द्वारका एक्सप्रेसवे पर कल कुछ युवकों ने रील बनाने के लिए कारों

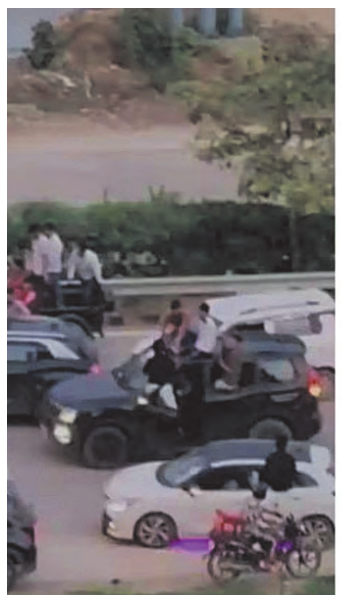

का काफिला रोक दिया, जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया था। युवकों ने करीब 10 मिनट तक गाड़ियां बीच सड़क पर रोककर वीडियो शूट किया। इस दौरान कुछ युवक कारों की खिड़कियों पर बैठे नजर आए, तो कुछ सनरूफ से बाहर निकलकर खड़े थे।

इस हरकत से एक्सप्रेसवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे लोगों को भारी परेशानी हुई। युवकों के इस काफिले में मर्सिडीज बेंज, टोयोटा फॉर्च्यूनर, महिंद्रा थार, स्कॉर्पियो और कई हैचबैक कारें शामिल थीं। कुछ युवक अवैध रूप से लगाए गए सायरन बजाते हुए और डिपर जलाते हुए रील शूट कर रहे थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक युवक वहां से जा चुके थे। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद उनका पता लगाया। आए दिन देश के कई राज्यों से स्टंटबाजी के नए मामले सुनने और देखने को मिल रहे हैं। आजकल के युवा अपनी और साथ ही दूसरों की जान को जोखिम में डालकर स्टंट करते हैं और रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत 10 हजार रुपये तक जुर्माना देना होता है। यह अधिनियम तब लागू होता है जब कोई सड़क पर लापरवाही से ड्राइविंग करता है। सड़क पर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने वालों पर और स्टंटबाजी करने वालों पर अलग-अलग धाराओं में 25,000 रुपए से लेकर 36,000 रुपए तक चालान काटा जा सकता है। वहीं, लापरवाही से वाहन चलाने पर बीएनएस की 125 धारा के तहत कार्रवाई होती है।

9 और 10 अगस्त को पूरे राजस्थान में रोडवेज की साधारण बसों में महिलाएं और बालिकाएं फ्री यात्रा करेंगी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की सड़कों पर इस रक्षाबंधन कुछ अलग ही मंजर देखने को मिलेगा। बसें भरेंगी, महिलाएं सफर करेंगी, ड्राइवर-परिचालक अपनी सीटों पर मुस्तैद होंगे... लेकिन टिकट काउंटर पूरी तरह खाली। कोई पूछने वाला नहीं होगा कि टिकट कहां है, कोई जेब से किराया नहीं निकालेगा। क्योंकि 9 और 10 अगस्त को पूरे राजस्थान में रोडवेज की साधारण बसों में महिलाएं और बालिकाएं फ्री यात्रा करेंगी। अनुमान है कि इस अनोखी योजना से करीब 8.5 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। यह कोई अफवाह नहीं, कोई शरारती मैसेज भी नहीं। खुद राज्य सरकार ने इसकी घोषणा की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन - आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान' के मंच से इसका ऐलान किया। सीएम ने कहा - सावन का महीना बहनों के मन में उल्लास भरता है। हर बहन चाहती है कि वो अपने भाई के घर जाए, रक्षाबंधन मनाए। सरकार इस भाव को और मजबूत करने के लिए रोडवेज बसों में महिलाओं को दो दिन मुफ्त यात्रा की सुविधा दे रही है। अब सोचिए - 8.5 लाख महिलाएं, दो दिन, और एक ही व्यवस्था। क्या होगा जब पूरे प्रदेश की महिलाएं बस स्टैंड की तरफ रुख करेंगी? सीट पाने की जद्दोजहद होगी, बसों में भीड़ होगी, लेकिन काउंटर पर न कोई लाइन होगी न किराया। रोडवेज प्रबंधन भी इस भीड़ को लेकर पूरी तरह अलर्ट मोड में है। राजस्थान रोडवेज के प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा के मुताबिक - हर साल की तरह इस बार भी रक्षाबंधन पर महिलाओं को फ्री यात्रा का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिल गई है। योजना का अनुमानित वित्तीय भार करीब 14 करोड़ रुपए है, जो राज्य सरकार उठाएगी।ध्यान रखने वाली बात ये है कि ये सुविधा केवल राजस्थान की सीमा में चलने वाली साधारण (नॉन-एसी) बसों में ही लागू होगी। वॉल्वो, एसी और ऑल इंडिया परमिट वाली बसों में फ्री यात्रा का लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही महिलाओं और बालिकाओं को यात्रा के दौरान अपना कोई भी पहचान पत्र साथ रखना होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर दिखा सकें।

यूपी के कानपुर में सपा में छिड़ी अंदरुनी डिजिटल वार, विधायक और नगर अध्यक्ष आमने-सामने

कानपुर, एजेंसी। यूपी के कानपुर शहर में सपा नगर संगठन और विधायकों के बीच चल रही गुटबाजी ने डिजिटल वार का रूप ले लिया है। सोशल मीडिया पर इन दिनों नगर अध्यक्ष फजल महमूद और कैंट विधायक मोहम्मद हसन रूमी के समर्थकों के बीच जमकर कहासुनी हो रही है। दोनों आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल रविवार को मोहम्मद हसन रूमी ने बाबूपुरवा में कूड़ेघर की जगह पर प्रस्तावित सेल्फी प्वाइंट का शिलान्यास किया था। इसके लिए लगे बैनर-होर्डिंग में रूमी की फोटो थी।

फजल महमूद के करीबी मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के नगर अध्यक्ष शादाब आलम ने सोशल मीडिया पर बैनर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की फोटो न होने की सोशल मीडिया पर आपत्ति जताते हुए पार्टी में निष्ठा पर सवाल खड़े किए। इस पर रूमी समर्थक फजल महमूद द्वारा कांग्रेस में रहते हुए सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की अर्थी निकालने की पोस्ट करने लगे। इसके बाद दोनों तरफ से सोशल मीडिया पर वार-पलटवार शुरू हो गया।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का नहीं करूंगा अपमान बर्दाश्त : फजल

नगर अध्यक्ष फजल महमूद ने कहा कि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहता हूं। कार्यकर्ता ने कैंट विधायक की होर्डिंग में फोटो के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष की फोटो न होने का जायज सवाल उठाया था। मैं स्वयं भी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। नगर अध्यक्ष होते हुए मैं अपना अपमान झेल सकता हूं लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष का नहीं। क्या सपा के सिंबल के बिना कोई जीत सकता है। व्हाट्सएप ग्रुप पर मेरे नाम से लिखित सामग्री के वायरल स्क्रीन शॉट फर्जी हैं, जिन पर एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी चल रही है। पूरे मामले को सपा प्रदेश अध्यक्ष और नेतृत्व से अवगत करा दिया है।

हिमाचल में सरकारी जमीन से कब्जा होगा खत्म, हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों को तगड़ा झटका लगा है। मंगलवार को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में हिमाचल प्रदेश लैंड रेवेन्यू एक्ट, 1954 की धारा 163-ए को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया। इस धारा के तहत सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों को नियमित करने का प्रावधान था। अब सरकार को इन कब्जों को हटाने के लिए तेजी से कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, जिसमें जस्टिस विवेक ठाकुर और जस्टिस बिपिन चंदर नेगी शामिल थे, ने साफ कहा, धारा 163-ए पूरी तरह से मनमानी और असंवैधानिक है। इसके साथ ही इस धारा के तहत बनाए गए नियमों को भी रद्द कर दिया गया। कोर्ट ने इस प्रावधान को संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन माना, जो कानून के समक्ष समानता की गारंटी देता है। कोर्ट ने टिप्पणी की, यह प्रावधान बेईमान लोगों के लिए बनाया गया कानून है और अवैधता में समानता का दावा नहीं किया जा सकता। सरकार ने इसे लेकर अपने जवाब में चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं। हिमाचल में सरकारी जमीनों पर लगभग 57,549 कब्जे हैं, जो करीब 1,23,835

बीघा यानी 10,320 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हैं। 15 अगस्त 2002 तक कब्जों को नियमित करने के लिए 1,67,339 आवेदन प्राप्त हुए थे। इस विशाल स्तर के अतिक्रमण को देखते हुए कोर्ट ने सरकार को आपराधिक अतिक्रमण से संबंधित कानून में संशोधन करने का सुझाव दिया। हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि वह धारा 163-ए के तहत आने वाले सभी अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई जल्द से जल्द शुरू करे। इसकी डेडलाइट 28 फरवरी 2026 तय की गई है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाने के खिलाफ दिए गए सभी स्थगन आदेश स्वतः रद्द माने जाएंगे। कोर्ट ने सरकार को नगर पंचायत, नगर परिषद और नगर निगम के अधिकारियों, साथ ही संबंधित कार्यकारी अधिकारियों/आयुक्तों पर अतिक्रमण की सूचना देने और उसे हटाने की कार्रवाई शुरू करने की जिम्मेदारी सौंपने का निर्देश दिया। इसके लिए संबंधित कानून और नियमों में उचित संशोधन करने को कहा गया है।

पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ धरने पर बैठे विधायक रविंद्र सिंह भाटी थाना इंचार्ज पर भड़के

बाड़मेर, एजेंसी।
बाड़मेर जिले के शिव क्षेत्र में खेजड़ी के पेड़ों की कटाई को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। सोलर प्लांट के लिए हो रही पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ धरने पर बैठे शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी सोमवार को शिव थाना इंचार्ज सत्यप्रकाश पर भड़क गए। उन्होंने एसएचओ से तीखे सवाल किए और यहां तक कह डाला - दादागीरी करोगे क्या? ये ऑफिस मैं बंद कराऊं क्या?

मामला बरियाड़ा गांव का है, जहां खेजड़ी के पेड़ों की कटाई को लेकर ग्रामीणों का विरोध चल रहा है। इसी सिलसिले में 4 अगस्त की दोपहर विधायक भाटी धरना स्थल पर पहुंचे और पुलिस पर सोलर कंपनी को संरक्षण देने

का आरोप लगाया। एसएचओ सत्यप्रकाश से नाराज होकर उन्होंने कहा - हद कर रहे हो आप लोग। खेजड़ी काटने वालों के साथ बैठ रहे हो। किसानों के साथ कोई नहीं है।

एसएचओ ने जवाब में कहा कि कंपनी का ऑफिस बंद कराना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इस पर विधायक ने फिर कहा - तो कौन करेगा बंद? मैं कराऊं बंद? कराऊं? एसएचओ बोले - आपका विवेक है, आपकी इच्छा है। इस पर भाटी और ज्यादा नाराज हो गए और बोले - दिमाग खराब कर रखा है, दादागीरी कर रहे हो। बंद करो ये ऑफिस।

विवाद सिर्फ थाना इंचार्ज से ही नहीं, प्रशासन के अन्य अधिकारियों से भी रहा। विधायक भाटी ने शिव के नायब तहसीलदार अनंत गौड़ से भी कड़ी बहस की। उन्होंने सवाल किया कि इतनी बड़ी संख्या में खेजड़ी के पेड़ दफनाए जा रहे थे, तब आपका विभाग क्या कर रहा था? क्या आपको पता है कितने पेड़ कटे हैं? रिपोर्ट 3 दिन में आनी थी, 4 महीने में लाए हो। ग्रामीणों को रिपोर्ट की कॉपी दी क्या? कंपनी से कुछ मिल गया क्या? जब विधायक ने कार्यक्षेत्र से जुड़े सवाल पूछे तो नायब तहसीलदार जवाब नहीं दे सके। विधायक ने साफ कहा - अगली बार तैयारी से आइए।

इससे पहले 3 अगस्त की शाम रामसर डीएसपी मानाराम गर्ग जब धरना स्थल पहुंचे, तब भी विधायक ने कड़े तेवर दिखाए।

फाजिलपुरिया के करीबी को गोलियों से भून डाला; और भी हत्या की धमकी

गुरुग्राम, एजेंसी।
पांच करोड़ रुपये के लेन-देन मामले में हरियाणवी सिंगर राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया के करीबी 40 वर्षीय रोहित शौकीन की ताबड़तोड़ फायरिंग कर उसकी हत्या कर दी गई। परिजनों का दावा है कि रोहित के कभी दोस्त रहे दीपक नांदल ने उसे रुपये लेने के लिए सेक्टर-77 में बुलाया था। तभी बाइक पर आए दो युवक रोहित पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर फरार हो गए।

रोहित शौकीन के साले ने हिन्दुस्तान से बातचीत में बताया कि रोहित को रुपये देने के लिए विदेश में बैठे दीपक नादंल ने सोमवार को फोन किया था। गुरुग्राम के सेक्टर-77 में लोकेशन देकर बुलाया। रोहित अपने बड़े भाई विजय शौकिन की सफेद रंग की कार में अपने गांव के दोस्त के साथ आया था। लोकेशन पर रोहित इंतजार कर रहा था, जबकि उसका दोस्त सड़क पार कर दुकान से कुछ सामान लेने के लिए गया था। तभी रात साढ़े नौ बजे के लगभग बाइक पर आए दो युवक रोहित पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर फरार हो गए। रोहित को एक दर्जन से ज्यादा गोलियां मारी गईं। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बाइक पर आए एक युवक ने हेलमेट पहना हुआ था, जबकि दूसरे युवक ने मुंह पर कपड़ा लपेटे हुआ था। पुलिस ने रोहित शौकिन के बड़े भाई विजय शौकिन की शिकायत पर खेड़की दौला थाने में हत्या की धाराओं में सोमवार देर रात को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजय ने आरोप लगाया कि उसके भाई की हत्या रंजिश में की गई है। इस हमले में रोहित का दोस्त बाल-बाल बच गया। रोहित के शव का पोस्टमार्टम तीन डॉक्टर के बोर्ड ने किया। डॉ.दीपक माथुर ने बताया कि रोहित को 12 से ज्यादा गोलियां मारने के निशान शव में मिले हैं। तीन गोलियों को बाहर निकाला गया है। उन्होंने बताया कि रोहित के सर, छाती और गर्दन में गोलियां लगने से मौत हुई है। उसके हाथ, पीछे और कमर में भी गोलियां लगी थीं।

पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। मौके से कई गोलियों के खोल बरामद किए गए हैं। आसपास सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

कौन हैं भाजपा की वह पूर्व प्रवक्ता? जिन्हें हाई कोर्ट जज बनाने की हुई सिफारिश; महाराष्ट्र में सवाल और बवाल

मुंबई, एजेंसी।
सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पिछले महीने की 28 जुलाई को दिल्ली, बंबई, कलकत्ता और कर्नाटक समेत 6 अलग-अलग हाई कोर्ट में न्यायाधीश पद के लिए कई अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की सिफारिश की। देश के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कॉलेजियम ने तीन अधिवक्ताओं आरती अरुण साठे, अजीत भगवानराव कडेथांकर और सुशील मनोहर घोडेश्वर का नाम बॉम्बे हाई कोर्ट में जज के लिए नामांकित किया है लेकिन आरती अरुण साठे

के नाम पर विवाद उठ खड़ा हुआ है।

महाराष्ट्र में विपक्षी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक और पार्टी सचिव रोहित पवार ने मंगलवार को साठे के नाम की सिफारिश पर सवाल उठाया है और कहा है कि न्यायपालिका स्वतंत्र और निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने एक्स पर एक स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किया जिसमें बताया गया कि साठे सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़ी थीं और पार्टी की प्रवक्ता थीं।

कौन हैं आरती अरुण साठे:

बॉम्बे हाई कोर्ट की अधिवक्ता आरती अरुण साठे मुंबई भाजपा विधि प्रकोष्ठ की प्रमुख थीं, उन्हें फरवरी 2023 में महाराष्ट्र भाजपा का प्रवक्ता नियुक्त किया गया था। हालांकि, साठे ने करीब साल भर बाद ही जनवरी 2024 में व्यक्तिगत और व्यावसायिक कारणों का हवाला देते हुए इस पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने 6 जनवरी, 2024 को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और मुंबई भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रमुख पद से भी इस्तीफा दे दिया। साठे के पास वकील के रूप में 20 से ज्यादा सालों का कार्य अनुभव है। वह मुख्य रूप से प्रत्यक्ष कर मामलों की विशेषज्ञ हैं। वह टैक्स विवादों, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (एसएटी) और सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) के समक्ष मामलों के साथ-साथ बॉम्बे हाई कोर्ट के समक्ष वैवाहिक विवादों की मुख्य पैरवीकार रही हैं। संयोग से, साठे के पिता अरुण साठे भी एक जाने-माने वकील हैं। वे आरएसएस और भाजपा से जुड़े रहे हैं।

पहले उदयनिधि अब कमल हासन सनातन पर बयान से भड़की भाजपा

चेन्नई, एजेंसी। अभिनेता कमल हासन की सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणियों से विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने हासन की फिल्मों का बहिष्कार करने की अपील की है। साथ ही तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की तरफ से 2023 में दिए गए बयान का भी जिक्र किया, जिसमें सनातन धर्म की तुलना डेंगू से की गई थी। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान हासन ने सनातन धर्म को लेकर विवादित बयान दे दिया था। तमिलनाडु भाजपा के पदाधिकारी अमर प्रसाद रेड्डी ने एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा, पहले उदयनिधि स्टालिन थे। अब कमल है, जो सनातन धर्म को खत्म करना चाहते हैं। उन्हें सबक सिखाते हैं। उन्होंने कहा, मैं हर हिंदू से अपील करता हूं कि कमल की फिल्में ना देंगे, ओटीटी पर भी नहीं। अगर हम ऐसा करेंगे, तो ये ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयान नहीं देंगे, जिससे लाखों हिन्दुओं की दुख होता है। मक्कल निधि मय्यम पार्टी के प्रमुख और राज्यसभा सदस्य हासन ने रविवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि हृश्वश्वज्ञ ने बहुत से बच्चों को चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच से वंचित कर दिया है और परीक्षा के इस नियम को बदलने की शक्ति केवल शिक्षा से ही आ सकती है। हासन प्रसिद्ध तमिल अभिनेता सूर्या के अगारम फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। हासन ने कहा कि नीट परीक्षा के खिलाफ इस युद्ध में, अगारम फाउंडेशन भी कुछ नहीं कर सकता और केवल शिक्षा ही बिना किसी अन्य हथियार के राष्ट्र को आकार दे सकती है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

दिशोम गुरू का महाप्रयाण

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, जुझारू आदिवासी नेता शिबू सोरेन, जिन्हें आदर से लोग दिशोम गुरू यानी मार्गदर्शक कहते थे, का जाना इस देश में स्वातंत्र्योत्तर काल में सफल आदिवासी आंदोलन के एक समूचे अध्याय का समापन होना है। हालांकि सत्ता में रहने के कारण? शिबू पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे और जेल में भी रहे, लेकिन झारखंड की आम जनता के बीच उनकी छवि हमेशा एक महानायक की रही। झारखंड के मुख्यमंत्री और शिबू के बेटे हेमंत सोरेन की यह मार्मिक टिप्पणी काफी कुछ कहती है कि आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूँ। शिबू सोरेन काफी समय से बीमार थे और दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। झारखंड के आदिवासियों को एकजुट कर महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई को एक राजनीतिक सामाजिक न्याय के संघर्ष में बदलने में शिबू की निर्णायक भूमिका थी। उनका सारा जीवन आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा और संघर्ष में बीता। दरअसल शिबू झारखंड में आदिवासियों की पहचान बन गए थे। झामुमो को छोड़ दें तो देश में आदिवासियों की पार्टियां शायद ही सत्ता तक पहुंच पाई हैं। स्वयं शिबू में झारखंड के तीन बार मुख्यमंत्री और संसद के दोनों सदनों के सदस्य रहे। झारखंड के संथाल आदिवासी समुदाय में जन्मे शिबू सोरेन का बचपन संघर्ष से भरा था। उनका जन्म 1942 में पैतृक गांव रामगढ़ के नेमरा में हुआ था। आदिवासियों पर होने वाले अत्याचार और शोषण से आक्रोशित शिबू सोरेन ने पढ़ाई बीच में छोड़कर आदिवासियों को संगठित कर राज्य में महाजनी प्रथा के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया। 1973 में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा का गठन किया, जिसका उद्देश्य बिहार के जंगल और आदिवासी इलाक़ों से अलग झारखंड राज्य बनाना था। इसके लिए उन्होंने कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा के साथ समझौते किए। लगभग तीन दशकों के संघर्ष के बाद उनका उद्देश्य साल 2000 में हासिल हुआ था, जब अलग झारखंड राज्य बना। हालांकि पहले इसका नाम आरएसएस के सुझाव पर वनांचल रखा गया था, लेकिन बाद जनता की मांग पर झारखंड कर दिया गया। शिबू सोरेन ने अपने 6 दशक के राजनीतिक जीवन में कई उतार चढ़ाव देखे। 2019 में वो बीजेपी उम्मीदवार सुनील सोरेन के हाथों लोकसभा का चुनाव हार गए थे। राज्य से इतर केंद्र की यूपीए सरकार में भी उन्होंने बतौर मंत्री काम किया। हालांकि गिरते स्वास्थ्य के कारण उन्होंने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली थी और उनके उत्तराधिकारी के रूप में बेटे हेमंत सोरेन को पार्टी का सारा काम सौंप दिया था। शिबू सोरेन के निधन से समूचे झारखंड में शोक की लहर छा गई। लोग अपने प्रिय नेता के अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। इतिहास शिबू सोरेन को आदिवासियों के मुक्ति दाता भगवान बिरसा मुंडा की परंपरा के नेता के रूप में सदा याद रखेगा। बिरसा मुंडा अंग्रेजों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष किया था, जबकि शिबू सोरेन ने आजादी के बाद आदिवासियों के हकों और शोषण के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी।

अपनी पार्टी को कई बार सत्ता तक पहुंचाया। उन्होंने आदिवासियों को इस बात का अहसास कराया कि लोकतंत्र में उनके समान अधिकार हैं और उन्हें अपनी मुक्ति की लड़ाई खुद लड़नी होगी। शिबू के इस आंदोलन से दूसरे राज्य के आदिवासियों ने भी काफी प्रेरणा ली, लेकिन झामुमो जैसी राजनीतिक सफलता कोई भी हासिल नहीं कर पाया है। मप्र में गोंडवाना पार्टी बनी, लेकिन वो टिक नहीं पाई। दरअसल आदिवासियों में राजनीतिक सामाजिक चेतना जगाना आसान नहीं है। लेकिन शिबू सोरेन ने वह कर दिखाया। उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि।

भारतीय पृष्ठभूमि वाली दुनिया की सबसे पुरातन सभ्यता-संस्कृति सनातन धर्म पर सियासी वजहों से जो निरंतर हमले हो रहे हैं, उनका समुचित जवाब देने में अब कोई कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। अन्यथा इसकी सार्वभौमिक स्थिति और महत्ता को दरकिनार करने वाले ऐसे ही बेसिरपैर वाले क्षुद्र सवाल उठाए जाते रहेंगे। हाल ही में तथाकथित धर्मनिरपेक्ष और अवसरवादी क्षेत्रीय पार्टी एनसीपी शरद पवार के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने एक नया विवाद छेड़ते हुए जो कहा है कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया और इसकी विचारधारा को विकृत बताया, वह निहायत ही बेहूदगी भरी, अपरिपक्व और पूर्वाग्रह ग्रसित बयानबाजी है, उसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है।

भारत को सनातन ने नहीं, विदेशी आक्रांताओं और कांग्रेस ने बर्बाद किया

(कमलेश पांडे)

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने सोशल मीडिया पर लिखा, जितेंद्र आव्हाड ने सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए खूब सारी फर्जी कहानियां सुनाई हैं। वे यह बताना भूल गए कि अगर सनातन धर्म नहीं होता तो वे अब तक जितेंद्र नहीं जित्तुद्दीन हो जाते। अगर सनातनी नहीं होते तो देश सऊदी अरब बन जाता।

भारतीय पृष्ठभूमि वाली दुनिया की सबसे पुरातन सभ्यता-संस्कृति सनातन धर्म पर सियासी वजहों से जो निरंतर हमले हो रहे हैं, उनका समुचित जवाब देने में अब कोई कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। अन्यथा इसकी सार्वभौमिक स्थिति और महत्ता को दरकिनार करने वाले ऐसे ही बेसिरपैर वाले क्षुद्र सवाल उठाए जाते रहेंगे।

हाल ही में तथाकथित धर्मनिरपेक्ष और अवसरवादी क्षेत्रीय पार्टी एनसीपी शरद पवार के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने एक नया विवाद छेड़ते हुए जो कहा है कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया और इसकी विचारधारा को विकृत बताया, वह निहायत ही बेहूदगी भरी, अपरिपक्व और पूर्वाग्रह ग्रसित बयानबाजी है, उसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है।

वहीं, भारत की आत्मा समझी जाने वाली सनातन सभ्यता-संस्कृति पर ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करने वाले जनप्रतिनिधियों के खिलाफ उनकी पार्टी को अपना स्टैंड क्लियर करते हुए उनका इस्तीफा लिया जाना चाहिए, अन्यथा चुनाव आयोग को ऐसे जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनसे सम्बन्धित राजनीतिक दल की मान्यता अविलंब समाप्त की जानी चाहिए।

अन्यथा जनमानस में यही संदेश जाएगा कि भारतीय संविधान के मातहत जारी कार्यपालिका प्रशासन और न्यायपालिका प्रशासन में धर्मनिरपेक्षता की पक्षधरता करने वाले ऐसे ऐसे सनातन विरोधी लोग बैठे हैं, जो भारत की सबसे पुरानी सभ्यता-संस्कृति के हमलावरों पर भी उसी तरह से उदार हैं, जैसे कभी मुगल या अंग्रेज प्रशासक या कांग्रेसी राजनेता हुआ करते थे।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त विधायक का यह बयान 2008 मालेगाव विस्फोट मामले में सभी सात आरोपियों के विशेष एनआईए अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद आया है, जिसने भगवा/हिन्दू आतंक शब्द को लेकर पिछले डेढ़ दशकों से जारी राजनीतिक बहस को एक बार फिर से गरमा दिया है।

यह अजीबोगरीब है कि पत्रकारों से बात करते हुए आव्हाड ने कहा कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया। कभी कोई धर्म सनातन धर्म नाम से नहीं था। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। यही कथित सनातन धर्म था जिसने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक में बाधा डाली। इसी सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया। इसी सनातन धर्म के अनुयायियों ने ज्योतिराव फुले की हत्या का प्रयास किया।

इन्होंने सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी। यही सनातन धर्म शाहू महाराज की हत्या की साजिश में शामिल था। इसने आंबेडकर को पानी पीने या स्कूल में पढ़ने की अनुमति तक नहीं दी। वहीं, आव्हाड के सनातन धर्म और सनातन समाज विरोधी बयान पर राणे और संजय निरुपम ने भी ठोककर जवाब दिया है। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नितेश राणे ने जितेंद्र आव्हाड के बयान पर कहा कि हिंदू आतंकवाद या सनातनी आतंकवाद जैसी भाषा भारत की हिंदू और संत परंपरा को बदनाम करने के लिए गढ़ी गई एक परिभाषा है।

राणे की इस प्रतिक्रिया का लब्बोलुआब यह है कि हिन्दू समाज के प्रति हद से ज्यादा नकारात्मक हो चुकी कांग्रेस को देशवासियों ने सजा दी, और केंद्रीय सत्ता से बाहर कर दिया, जिससे कांग्रेसी बौखलाये हुए हैं। उसके लोग मुस्लिम वोटों को समाजवादियों से खींचने के लिए रणनीतिक गलतियां दर गलतियां करते जा रहे हैं। ऐसा करके वे लोग विपक्ष की राजनीति तो कब्जा सकते हैं, लेकिन केंद्रीय सत्ता 15 साल बाद भी उनके लिए दिल्ली दूर ही साबित होगी।

वहीं, बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस के तथाकथित इकोसिस्टम पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सनातन धर्म को बदनाम करने और हिंदू आतंक जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने पर आमादा है। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के उन हालिया बयानों का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने सनातन आतंकवाद का नया जुमला गढ़ा है। सांसद संबित पात्रा ने एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड के ताजा विवादित बयान का हवाला देते हुए कहा कि, आव्हाड महाराष्ट्र के नेता हैं और शरद पवार की पार्टी से ताल्लुक रखते हैं। एक बार फिर उन्होंने सनातन धर्म के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। आपने सत्य का अपमान किया है, शिव के खिलाफ बोला है और उस भारत की सुंदरता का विरोध किया है। वह भारत जिसकी खूबसूरती सबके सम्मान में निहित है। मैं शरद पवार से पूछना चाहता हूं कि क्या यह आपकी पार्टी भी यही सोचती है, स्पष्ट कीजिए।

वहीं, शिवसेना नेता संजय निरुपम ने सोशल मीडिया पर लिखा, जितेंद्र आव्हाड ने सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए खूब सारी फर्जी कहानियां सुनाई हैं। वे यह बताना भूल गए कि अगर सनातन धर्म नहीं होता तो वे अब तक जितेंद्र नहीं जित्तुद्दीन हो जाते। अगर सनातनी नहीं होते तो देश सऊदी अरब बन जाता।

बता दें कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भगवा शब्द की जगह सनातन या हिंदुत्ववादी शब्दों के उपयोग की वकालत की है। मालेगांव ब्लास्ट मामले में सभी दोषियों को बरी किए जाने के बाद चव्हाण ने सनातन संगठन की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता का हवाला देते हुए उस पर प्रतिबंध का समर्थन किया। उन्होंने कहा है कि आतंकवादियों के लिए भगवा शब्द का प्रयोग न करके सनातन या हिंदुत्ववादी शब्दों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए. उन्होंने अपने विचारों के समर्थन में ऐतिहासिक संदर्भ भी दिए।

चव्हाण ने कहा, मेरे मुख्यमंत्री काल में 'सनातन संगठन की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता थी। इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने के लिए मैंने एक गोपनीय रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी थी।

झालावाड़ में स्कूली हादसे से भी नहीं खुलेगी नेताओं की नींद?

(योगेंद्र योगी)

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली।

देश के सरकारी स्कूलों के आधारभूत ढांचे और शिक्षा की गुणवत्ता की हालत करेला और नीम चढ़ा जैसी है। हालात ये हैं घिसी-पिटी, आधी-अधूरी शिक्षा ग्रहण करने वाले इन स्कूलों में बच्चों की जान तक महफूज नहीं है। राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पलोदी गांव में सरकारी मिडिल स्कूल की छत गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब 30 से ज्यादा बच्चे घायल हो गए। राज्य के सैकड़ों स्कूलों के संस्था प्रधान पिछले दो साल से विभाग से भवनों की मरम्मत के लिए बजट मांगते-मांगते थक गए, लेकिन सरकारी तंत्र पर कोई असर नहीं हुआ। राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली। इस बार केंद्र से सिर्फ नवीन भवनों का बजट मिला। इसके चलते सरकार ने पिछले बजट में 700 स्कूलों की मरम्मत की घोषणा की। इसके लिए 80 करोड़ जारी हो गए, जिनका कार्य चल रहा है। वहीं, हाल ही बजट में 175 करोड़ स्वीकृत किए गए। लेकिन बजट कम होने के कारण दो हजार स्कूलों को शामिल किया गया। करीब छह हजार स्कूल मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि अकेले राजस्थान में ही सरकारी स्कूलों के भवनों की ऐसी दुर्दशा है। देश में 54 हजार से अधिक सरकारी स्कूल जर्जर हालत में हैं। इन स्कूलों में लाखों बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ाई कर रहे हैं। ओडिशा में 12 हजार 343, महाराष्ट्र में 8 हजार 71, पश्चिम बंगाल में 4 हजार 269, गुजरात में 3 हजार 857, आंध्र प्रदेश में 2 हजार 789, मध्य प्रदेश में 2 हजार 659, उत्तर प्रदेश में 2 हजार 238 और राजस्थान में 2 हजार 061 स्कूल जर्जर हालत में हैं। इनमें कभी भी झालावाड़ जैसे हादसे की पुनरावृत्ति हो सकती है। राजस्थान में हुए स्कूली हादसे की पुनरावृत्ति देश के कई राज्यों में पूर्व में हो चुकी है। भोपाल के एक स्कूल में छत से प्लास्टर गिरने से छात्राएं घायल हो गईं। झारखंड की राजधानी रांची में एक स्कूल की इमारत की खिड़की का एक हिस्सा टूटकर गिरा था। उत्तर प्रदेश में भी स्कूलों की दीवारों में दरारें हैं और ऑपरेशन कायाकल्प का असर नहीं दिख रहा। बिहार में कई बच्चों के पास स्कूल की इमारत तक नहीं है और वे झोपड़ियों में पढ़ते हैं, जहाँ पीने का पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। मध्य प्रदेश के सतना में भी प्लास्टर गिरने से एक बच्चा घायल हुआ था।

सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा की गुणवत्ता भी खराब है। यूडाइस की रिपोर्ट और प्रधानमंत्री पोषण योजना की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल सरकारी स्कूलों में डेढ़ करोड़ बच्चे कम हुए और इस साल तो मामला और गंभीर हुआ है। 23 राज्यों में बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़ दिया है। इनमें से राजस्थान सहित 8 राज्य ऐसे हैं जहाँ ये घटत, एक लाख से ज़्यादा की है। अर्थात लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ा। इनमें उत्तर प्रदेश में (21.83 लाख), बिहार (6.14 लाख), राजस्थान (5.63 लाख) और पश्चिम बंगाल (4.01 लाख) और कर्नाटक (2.15 लाख) बच्चों ने स्कूलों से मुंह मोड़ लिया। असम, तमिलनाडु, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और गुजरात की हालत भी यही है। साल 2024-25 के इकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक भारत में 14.72 लाख स्कूल हैं, जिनमें 24.8 करोड़ बच्चे पढ़ते हैं और 98 लाख शिक्षक हैं। अब 57.2 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर हैं, 53 प्रतिशत में इंटरनेट है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5815

	7			3			1	
1	3	9		8	2		6	
6							8	
7		2						1
			9		4			
8						9		6
	8							5
	5		1	4		2	9	7
	1			9			3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5814

6	1	3	7	5	9	8	2	4
4	8	9	2	1	6	3	7	5
5	2	7	8	3	4	6	1	9
9	6	5	1	7	8	4	3	2
3	7	8	5	4	2	9	6	1
1	4	2	6	9	3	7	5	8
2	5	4	9	6	7	1	8	3
7	9	1	3	8	5	2	4	6
8	3	6	4	2	1	5	9	7

आज का राशिफल

मेष

आज छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए उन लोगों की सहायता की जरूरत पड़ सकती है, जो आपके विरोध में खड़े रहते हैं। लेकिन अगर आप समझदारी और चतुराई से योजना बनाकर हर काम करते हैं तो कठिन से कठिन परिस्थिति को संभाल सकते हैं। साथ ही, कार्यों में सफलता भी प्राप्त करेंगे। व्यापार में भी लाभ कमाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगा।

वृष

आज कुछ मुश्किलों और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर एक साथ कई काम करने पड़ सकते हैं। इसी के चलते आपको प्रेशर भी महसूस होगा। समय के अनुसार चलने से आपको कई बातें समझ आ सकती हैं। व्यापार के मामले में आपको रिस्क लेने के लिए तैयार रहना पड़ सकता है। ऐसे में आप खुद को अकेला भी महसूस कर सकते हैं।

मिथुन

आज कार्यक्षेत्र में कामकाज सही गति से चलेगा और आपके ऊपर से काम का प्रेशर भी थोड़ा कम होगा। ऐसे में अपने निजी जीवन पर लंबे समय बाद आपको सोच-विचार करने का मौका मिलेगा। आने वाले कुछ मौकों को ध्यान में रखते हुए आपको अपने वस्त्र का ख्याल भी रखना होगा।

कर्क

आज एक साथ कई सारे काम करने पड़ सकते हैं। इसी के चलते आप ज्यादा व्यस्त रहेंगे और भागदौड़ में लगे रहेंगे। व्यापार के मामले में आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिसकी तैयारी करना भी जरूरी होगा। वहीं, अपने कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए आपको नए संपर्क बनाने होंगे और लोगों से मुलाकात करनी होगी।

सिंह

आज आपका दिन भागदौड़ भरा रह सकता है और एक साथ कई काम पूरे करने पड़ सकते हैं। व्यापार में सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर आगे बढ़ने से आपको लाभ प्राप्त होगा। इससे आपका कामकाज अच्छा चलेगा। इसके अलावा, लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा। कुछ मामलों में आपको भाग्य का साथ भी मिल सकता है। जिससे आपको व्यापार में तरक्की मिल सकती है।

कन्या

आज आपका दिन ज्यादा अच्छा नहीं रहने वाला है। आपको कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा। आर्थिक मामलों में भी जल्दबाजी दिखाने से बचें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। आप अपने लव लाइफ पर आज ज्यादा ध्यान दे सकते हैं।

तुला

आज काम धंधा सामान्य गति से चलेगा। लेकिन आपको कोई भी जोखिम भरा कार्य करने या निर्णय लेने से बचना होगा। नौकरी करने वालों को आज किसी काम में सफलता मिल सकती है। व्यापार में नई योजनाओं को आगे बढ़ाने से आपको लाभ हो सकता है और आय में भी वृद्धि हो सकती है। हालांकि, आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना होगा।

वृश्चिक

आज कुछ बदलावों का सामना करना पड़ सकता है और कई उतार-चढ़ाव का अनुभव भी करेंगे। व्यापार के मामले में आपको संतुलन बनाए रखना होगा, अन्यथा हानि हो सकती है। कार्यस्थल पर आपको कुछ विरोधियों का सामना भी करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य पर भी खास ध्यान दें और परिवार में कटु वाणी के प्रयोग से बचें। ऐसा न करने से विपरीत स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

मकर

आज कारोबार को आगे बढ़ाने की योजनाएं भी बनाई जा सकती हैं। नौकरी करने वालों को किसी अच्छे काम का पुरस्कार प्राप्त हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। घर का माहौल शांत और खुशहाल बना रहेगा। आप अपने वैवाहिक और पारिवारिक जीवन पर भी ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

कुंभ

आज कार्यक्षेत्र में विवाद उत्पन्न होने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में आपको शांति और संयम बनाए रखना होगा। क्रोध करने से स्थिति बिगड़ सकती है। कार्यस्थल पर आप योजना बनाकर चलने से सभी कार्यों को समय पर पूरा कर सकते हैं। साथ ही, कोई नई डील भी प्राप्त हो सकती है। परिवार में चल रही समस्याओं को शांति बैठकर सुलझाना होगा।

धनु

आज आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल होगा। आपको कहीं से धन लाभ हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वाले लोग अपने काम में व्यस्त रहेंगे और अपनी कमाई से कुछ चीजें खरीदने से आपको खुशी महसूस होगी। पारिवारिक जीवन में खुशहाली बनाए रखने के लिए आपको मेहनत करनी होगी और लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ते मधुर रखें।

मीन

आज दिन शुभ रहेगा और आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। अगर आप कार्यस्थल पर अपने प्रोजेक्ट या जरूरी कार्यों को गंभीरता से पूरा करते हैं, तो इससे उन्नति प्राप्त हो सकती है। समय का साथ मिलने से आपके लिए सफलता के नए दरवाजे भी खुलेंगे और जीवन में खुशियां दस्तक देने लगेंगी।

वर्ग पहेली 5815

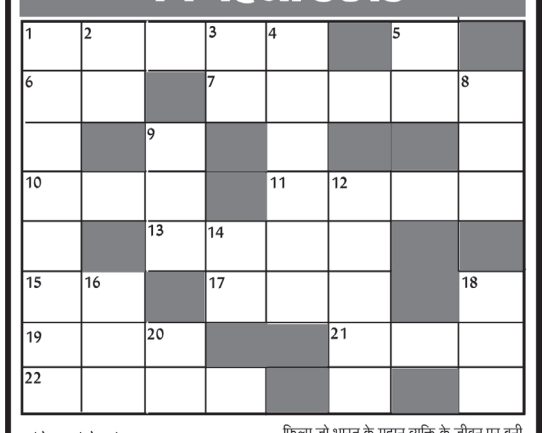

संकेत: बाएं से दाएं
9. ये एक पत्रकार और राजनेता थे, और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से रायबरेली के पूर्व सांसद जिनका जन्मदिन 12 सितंबर 1912 है (5)
6. हुकुमत, शासनकाल, प्रभुत्व (2)
7. धैर्यशील, समदर्शी, सहिष्णु (5)
10. लखनऊ शहर इस नदी के किनारे बसा है, यह उत्तर भारत की एक प्रमुख नदी है (3)
11. प्रकृति, अदिति, निसर्ग (4)
13. पुरुषोत्तम मास, अधिकमास (4)
15. गुनाह, दोष, अपराध, त्रुटि (2)
17. धातु पटल, चांदी का पतला पत्तर (3)
19. परिवार का बुजुर्ग, पूर्वज, वयोवृद्ध (3)
21. किसी दूसरे के माथे या ललाट पर तिलक लगाना (3)
22. इस अभिनेत्री ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहसिन खान से विवाह किया था (4)

संकेत: ऊपर से नीचे
9. उर्दू भाषा के प्रसिद्ध रचनाकार जिनका मूल नाम रघुपति सहाय था (8)
2. प्रतिदिन, नित्य, अहोरात्र (2)
3. निर्देशक रिचर्ड एटनबरो की ऐतिहासिक फिल्म जो भारत के महान व्यक्ति के जीवन पर बनी है (1982)(2)
4. फिल्म अभिनेता और टीवी के स्टॉर प्रोड्यूसर रहे (1985-1992)(6)
5. यह द्वीप इंडोनिशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप है (2)
8. किसी वस्तु के निर्माण का खर्च (3)
9. वह बाल जिसके पिता का निधन हो चुका हो (3)
12. संख्या में दस कोटिक (5)
14. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (अंग्रेजी)(2)
16. सद्गति प्राप्त करवाना (3)
18. आश्रय, शरण, छत्रछाया (3)
20. नमकीन, लवणीय, लावणिक, लोना (3)

वर्ग पहेली 5814 का हल

शि	का	गो		मा	ल	दी	व
व		पी	प	ल		न	र
तां	ता		र	वा	ना		मा
ड	म	रू		ह		म	ला
व		पा	ल	क		क	
		गां	व		द्वा	र	का
पं		यु		दी	प	ध्व	ज
यु	ग	ली			र	ज	

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

ये 10 भारतीय क्रिकेटर्स कभी भी कर सकते हैं संन्यास का ऐलान, वापसी अब लगभग नामुमकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो चुकी है कि एक बार टीम से बाहर हुए खिलाड़ी के लिए वापसी की राह बेहद कठिन हो जाती है. कुछ खिलाड़ी शानदार घरेलू प्रदर्शन से वापसी कर लेते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनके लिए टीम इंडिया का दरवाजा लगभग हमेशा के लिए बंद हो जाता है. यहां हम बात कर रहे हैं उन 10 भारतीय क्रिकेटरों की, जिनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी अब लगभग असंभव मानी जा रही है.

हनुमा विहारी

हनुमा विहारी ने 2021 के सिडनी टेस्ट में साहसी बल्लेबाजी कर टीम को ड्रॉ दिलाया था, लेकिन इसके बाद से उन्होंने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है. 2022 के बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है.उनका भारतीय टीम में वापसी करना अब न के बराबर है.

युजवेंद्र चहल

35 साल के हो चुके चहल फिलहाल दो साल से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उनके स्थान पर युवा स्पिनर्स को प्राथमिकता दी जा रही है. उम्र और हालिया फॉर्म को देखते हुए भारतीय टीम में उनकी वापसी अब मुश्किल लग रही है.

अजिंक्य रहाणे

टीम इंडिया के पूर्व उपकप्तान रह चुके रहाणे को अब घरेलू टूर्नामेंट्स में भी लगातार अनदेखा किया जा रहा है. दिलीप ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिताओं में भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, जिससे यह साफ है कि अब उनकी टीम में वापसी की संभावना बेहद कम है.

चेतेश्वर पुजारा

भारत के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अब कमेंट्री करते नजर आ रहे हैं. उनकी क्रिकेट के मैदान से दूरी और उम्र को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वो कभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सकते हैं.

विजय शंकर

विजय शंकर 2019 की वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन बीच टूर्नामेंट में ही चोट के बाद वो बाहर हो गए थे. उसके बाद शंकर टीम में वापसी नहीं कर सके. विजय शंकर घरेलू स्तर पर भी प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और अब भारतीय टीम में वापस चयन से दूर हो चुके हैं.

जयदेव उनादकट

34 वर्षीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 2023 में भारत की ओर से कुछ मुकाबले भी खेले थे, लेकिन बाद में वो टीम से फिर से बाहर हो गए थे. आज के समय में भारतीय टीम में युवा पेसर्स की भरमार के बीच उनकी जगह बनना अब मुश्किल है.

अमित मिश्रा

42 साल के मिश्रा ने भले ही अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा नहीं की है, लेकिन उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2017 में खेला था. भारतीय टीम में उनकी वापसी की संभावना न के बराबर है.

मनीष पांडे

मनीष पांडे 2021 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा है, जिससे चयनकर्ता उन्हें टीम में दोबारा मौका नहीं दे रहे.

हर्षल पटेल

हर्षल पटेल आईपीएल में विकेट जरूर लेते हैं, लेकिन उनकी इकोनॉमी रेट हमेशा से चिंता का विषय रहा है. टीम इंडिया में इस समय तेज गेंदबाजों की लंबी कतार है, जिससे टीम में उनकी वापसी मुश्किल दिखती है.

दीपक हुड्डा

10 वनडे और 21 टी20 मैच खेलने के बाद से दीपक हुड्डा 2 साल से टीम से बाहर चल रहे हैं. आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन कुछ खाल नही रहा है, जिसके चलते उन्हें दोबारा टीम इंडिया में मौका मिलना मुश्किल लगता है.

एशिया कप 2025 से पहले

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी अग्नि परिक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है।

हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए बीसीसीआई अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें।

उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है। केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

कैनेडियन ओपन:

टॉसन ने कीज को हराया, सेमीफाइनल में ओसाका से भिड़ेंगी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। क्लारा टॉसन ने कैनेडियन ओपन में मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज पर 6-1, 6-4 से जीत हासिल कर 2025 के अपने दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉसन को पहला सेट जीतने में सिर्फ 27 मिनट लगे। दूसरा सेट टॉसन के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा। इगा स्वियाटेक और मैडिसन कीज पर लगातार जीत के साथ क्लारा टॉसन ने अपने सातवें डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। टॉसन का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा, जिन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। ओसाका ने स्वितोलिना को आठ मैचों में पांचवीं बार हराकर अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुल मिलाकर, इस जीत के साथ ओसाका छठी बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मियामी ओपन 2022 के बाद यह उनका पहला सेमीफाइनल है। टॉसन के साथ अपने सेमीफाइनल मुकाबले के बारे में बात करते हुए, ओसाका ने कहा, वह वाकई बहुत मजबूत हैं। मैंने इस साल ऑकलैंड में उनके साथ खेला था और चोटिल होने के कारण मुझे बीच में ही मैच रोकना पड़ा था। इसलिए, मैं बहुत खुश हूं कि मैं स्वस्थ हूं और मुझे उम्मीद है कि देखने आने वाले सभी लोगों के लिए यह एक अच्छा मैच होगा। ओसाका और टॉसन का सेमीफाइनल मुकाबला उनके करियर का दूसरा मुकाबला होगा। टॉसन ने इस साल की शुरुआत में ऑकलैंड में अपना पहला मैच जीता था। उस मैच में, ओसाका को पहला सेट 6-4 से जीतने के बाद रिटायर होना पड़ा था।

Chennai Grand Masters:

एक दिन के लिए स्थगित हुआ चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट, इस कारण लेना पड़ा फैसला

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट को एक दिन के लिए स्थगित किया है और अब इसका आयोजन बुधवार के बजाए गुरुवार को होगा। आयोजकों को यह फैसला इसलिए लेना पड़ा क्योंकि जिस होटल में इसे होना है वहां आग लग गई। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर और टूर्नामेंट के निदेशक श्रीनाथ नारायण ने एक्स पर लिखा, पिछली रात होटल में आग लग गई जहां चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स होना था। सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं और उन्हें पास के एक अन्य होटल में भेजा गया है। टूर्नामेंट एक दिन के लिए स्थगित किया जाता है। खिलाड़ियों को अंततः होटल वापस लाया गया, लेकिन सुरक्षा जांच के बाद टूर्नामेंट एक दिन बाद शुरू होगा।

समय में नहीं होगा बदलाव

चेसबेस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई के होटल हयात रीजेंसी के नौवें तल्ले पर आग लग गई जिस कारण पूरे होटल में धुआं छा गया और सभी को होटल से बाहर निकाला गया। इस दौरान वहां सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि मैच का समय वही रहेगा, लेकिन अब कार्यक्रम से रेस्ट डे हटाया गया है। उन्होंने कहा, समय वही रहेगा और टूर्नामेंट 15 अगस्त को ही समाप्त होगा। बीच में एक दिन का विश्राम था और अब वह कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स की पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये है। इस प्रतियोगिता में भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी, अनुभवी विदित गुजराती और नीदरलैंड के अनीश गिरी जैसे नामी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के अवॉन्डर लियांग के खिलाफ करेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जाएंगे। इससे पहले दो सत्र में सात दौर ही खेले जाते थे। इसमें 19 ग्रैंडमास्टर्स भाग लेंगे और फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पाने के लिए अहम होंगे।

क्या मोहम्मद शमी की टेस्ट क्रिकेट में वापसी अब मुश्किल हो गई है?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट से बाहर चल रहे हैं। भारत और इंग्लैंड सीरीज के बाद क्या उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी होगी। इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। मोहम्मद शमी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इंजरी की वजह से एक साल से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहे। फिट होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में खेला। उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था और इसी वजह से उन्हें टी20 और फिर वनडे फॉर्मेट में जगह दी गई। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उनकी वापसी अभी तक नहीं हो पाई है। न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज, इंग्लैंड टेस्ट सीरीज तीन ऐसे मौके थे, जब शमी की टेस्ट में वापसी हो सकती थी। लेकिन चाहे फिटनेस का कारण रहा हो या युवाओं को अधिक मौके देना, शमी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पाए। हाल के मैचों में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने युवा तेज गेंदबाजों को अहमियत दी है। इंग्लैंड दौरे के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया। इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया था कि शमी 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। उनके साथ कुछ समस्याएं हैं। टीम प्रबंधन ने शमी को लेकर जोखिम लेने से मना कर दिया। नतीजन, युवाओं को इंग्लैंड में मौका मिला और उन्होंने इसे भुनाने की पूरी कोशिश की। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी की। आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट और प्रसिद्ध कृष्णा ने द ओवल टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कृष्णा ने तीन टेस्ट में 14, आकाश दीप ने 3 टेस्ट में 13 विकेट लिए। बुमराह और सिराज टेस्ट में लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिराज ने 5 मैचों में 23 विकेट लिए, जो सीरीज में सर्वाधिक रहे। वहीं बुमराह ने भी 3 मैच में 14 विकेट लिए।

सवाल ये है जसप्रीत बुमराह, सिराज की मौजूदगी और आकाश दीप और कृष्णा के चमकदार प्रदर्शन के बाद क्या अब भी

शमी की टेस्ट टीम में वापसी संभव है?

शमी की वापसी होगी या नहीं, इसका जवाब तो बीसीसीआई दे सकती है। लेकिन, कुछ चीजें हैं, जो फिलहाल इस तेज गेंदबाज के पक्ष में नहीं दिखती। शमी के साथ इंजरी की समस्या रहती है। वह 3 सितंबर को 35 साल के हो जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया मैनेजमेंट युवा तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रही है, जो मौका मिलने पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में फिटनेस, उम्र शमी के पक्ष में नहीं है, साथ ही युवा गेंदबाजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा भी है।

Asia Cup 2025: शुभमन गिल, साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल

एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में जगह बनानने की दौड़ में शामिल हैं जो 9 सितंबर से शुरू होगा। भारत को सितंबर के अंत हमें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है, लेकिन इसके बावजूद ये तीनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल हैं। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान अगस्त के तीसरे सप्ताह में किया जा सकता है। हालांकि

गिल और यशस्वी ने व्यस्त शेड्यूल की वजह से पिछले कुछ टी20 सीरीज में भारत के लिए नहीं खेले थे, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद वो एशिया कप के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक टीम इंडिया के सेलेक्टर्स ने विकल्प खुले रखे हैं। एशिया कप का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा जबकि इसके लगभग एक सप्ताह के अंदर ही वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू हो जाएगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा।

बांग्लादेश के बाद अफगानिस्तान ने भी किया संभावित टीम का ऐलान

एशिया कप 2025 के लिए खेला बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 के लिए शुरुआती टीम चुन ली है, जिसमें 22 खिलाड़ियों के नाम हैं। साथ ही बोर्ड के अधिकारी ने कहा कि स्टार लेग स्पिनर राशिद खान की खराब फॉर्म को लेकर चिंता नहीं है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि जल्द ही वह फॉर्म में वापसी कर लेंगे। एसीबी ने 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आगामी एशिया कप के लिए राशिद की अगुवाई में 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा की है।

राशिद ने इंडियन प्रीमियर लीग के बाद मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के लिए मेजर लीग क्रिकेट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। उनका प्रदर्शन काफी खराब रहा। उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए 9.34 की इकॉनमी रेट और 57.11 की औसत से सिर्फ 9 विकेट लिए थे। एसीबी की चयन समिति के सदस्य मीर मुबारिज ने क्रिकबज से कहा- राशिद खान अफगानिस्तान के सुपरस्टार खिलाड़ी हैं। उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। फॉर्म में होना या खराब होना खेल का हिस्सा है, लेकिन वह अच्छी तरह जानते हैं कि कैसे मजबूती से वापसी करनी है और टीम और देश के लिए बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करना है। यूएई में अफगानिस्तान करेगा एशिया कप की तैयारी, पाकिस्तान के साथ ट्राई सीरीज

बोर्ड त्रिकोणीय टी20 सीरीज में भाग लेने से पहले दो हफ्ते का तैयारी शिविर आयोजित करेगा, जिसमें यूएई और पाकिस्तान शामिल हैं। इस सीरीज के बाद अफगानिस्तान एशिया कप फोकस करेगा, जिसमें उसके ग्रुप में हॉन्गकॉन्ग, बांग्लादेश और श्रीलंका हैं। मुबारिज ने कहा- हमने त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप से पहले तैयारी शिविर के लिए एक प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है, जहां नए खिलाड़ियों की जांच कोचिंग स्टाफ और कप्तान दोनों प्रशिक्षण और तैयारी शिविर के दौरान करेंगे।

द हंड्रेड: 45 गेंदों में 0 रन, खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान, वॉर्नर-विलियमसन की टीम का काम तमाम

नई दिल्ली, एजेंसी। नए सीजन का आगाज राशिद खान की हीरोपंती के साथ हुआ है. 5 अगस्त को लंदन स्पिरिट और ओवल इन्विंसिबल के बीच मुकाबले के साथ द हण्ड्रेड का आगाज हुआ, जिसमें राशिद खान ने अपने नाम के मुताबिक कमाल किया. बल्लेबाजों को नाच नचा देने वाली राशिद खान की गेंदों का ही नतीजा रहा कि मेंस कैटेगरी में खेला द हण्ड्रेड का पहला मैच लो-स्कोरिंग रहा. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि टीम में वॉर्नर-विलियमसन जैसे बल्लेबाजों के होने के बावजूद लंदन स्प्रिट ने 45 गेंदें बर्बाद की. मतलब, उन पर कोई रन ही नहीं बनाए. अब ऐसे में ओवल इन्विंसिबल को जो टारगेट मिला, वो इतना छोटा रहा कि उसे चेज करना उनके लिए आसान हो गया. पहले बैटिंग

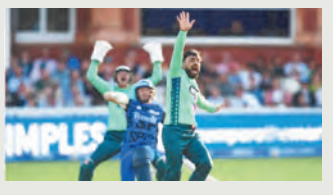

करने उतरी लंदन स्पिरिट का हाल इतना बुरा रहा कि 45 गेंदें तो उसने डॉट खेली हीं, उसके अलावा उससे अपनी इनिंग की पूरी 100 गेंदें भी नहीं खेली गई. लंदन स्प्रिट की पारी सिर्फ 94 गेंदों में ही सिमट गई. इन 94 गेंदों में उसने सिर्फ 80 रन बनाए. लंदन स्प्रिट को डेविड वॉर्नर और केन विलियमसन से उम्मीदें थीं मगर उन दोनों की कहानी 9-9 रन से आगे नहीं बढ़ सकी. लंदन स्पिरिट की इस हाल के जिम्मेदार वैसे तो ओवल इन्विंसिबल के सारे गेंदबाज रहे. मगर राशिद खान और सैम करन की भूमिका इसमें कुछ ज्यादा रही.

द हण्ड्रेड के नए सीजन का खेल शुरू होते ही राशिद खान हीरो बन गए. ओपनिंग मैच में उन्होंने अपने कोटे की 20 गेंदों में जितने रन नहीं दिए, उससे ज्यादा गेंदें डॉट फेंकी. उन्होंने 20 गेंदों में सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए. इस दौरान 15 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज पुलिस ने मुंजाडी एवं चरकावां निचली डीह से दो अलग-अलग आरोपी को गिरफ्तार कर औरंगाबाद न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि कांड संख्या 773/24 के मारपीट के मामले में विद्याभूषण कुमार को अभियुक्त बनाया गया था। वही कांड संख्या 14/21 के चरकावां निचली डीह में शराब मामले में बबलू कुमार को नामजद आरोपी बनाया गया था। दोनों को उसी के गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

किराना दुकानदार की मौत

टंडवा (औरंगाबाद) (नि.सं.)। औरंगाबाद में पुनपुन नदी में डूबने से किराना दुकानदार की मौत हो गई। स्नान करने के दौरान पैर फिसलने से हादसा हुआ है। मृतक की पहचान रामजी सिंह गांव के द्वारिका सिंह(55) के तौर पर हुई है। परिवार में कमाने वाले इकलौते सदस्य थे। घटना टंडवा थाना क्षेत्र के धर्म खाप गांव के पास की है।

ऑटो लूटकांड का खुलासा : अंतरजिला गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार, मोबाइल भी बरामद

- ऑटो को बुक कर सुनसान जगह ले जाकर चालक को पीटा गया, टेंपो, मोबाइल और 500 रुपये छीने गए।
- मोबाइल लोकेशन और तकनीकी साक्ष्य से आरोपियों की पहचान की गई।

सदर एसडीपीओ संजय कुमार पांडेय ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर दी जानकारी

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

जिले के नवीनगर थाना क्षेत्र में एक महीने पहले हुए टेंपो लूट कांड की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तीसरे की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पकड़े गए आरोपियों से लूटा गया टेंपो और एक मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस की इस सफलता को अंतरजिला अपराध गिरोह पर एक कड़ा प्रहार माना जा रहा है।

यह कार्रवाई औरंगाबाद के पुलिस अधीक्षक अंबरीश राहुल के निर्देश पर की गई। विशेष टीम के गठन के बाद पूरे मामले की गहराई से जांच की गई। बुधवार को सदर एसडीपीओ संजय कुमार पांडेय ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार किए गए अपराधियों की पहचान नवीनगर थाना क्षेत्र के रंग बिगहा गांव निवासी चिंटू कुमार यादव और सूरज रजक के रूप में हुई है। इन दोनों ने 27 जून की रात ऑटो चालक को बुकिंग के बहाने सुनसान इलाके में बुलाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था।

घटना के दिन आरोपियों ने नवीनगर के थाना मोड़ से रोहतास जिले के घिरसिंडी जाने के लिए एक टेंपो को बुक किया। रात करीब 11 बजे जैसे ही टेंपो घिरसिंडी पहुंचा, वहां आरोपियों ने चालक हरीश अंसारी पर हमला कर दिया। चालक के साथ मारपीट कर उससे टेंपो, मोबाइल और 500 रुपये छीन लिए गए। इसके बाद चालक को पास के एक पेड़ से बांध दिया गया और अपराधी फरार हो गए। किसी तरह घायल चालक ने खुद को छुड़ाकर नवीनगर थाना पहुंचकर मामले की जानकारी दी और प्राथमिकी दर्ज कराई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस की विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। जांच के क्रम में पता चला कि लूटा गया टेंपो झारखंड ले जाकर बेचा जाने वाला है। इसी बीच 6 जुलाई को ढिबरा थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान एक संदिग्ध टेंपो पकड़ा गया। पुलिस को देखते ही उसका चालक मौके से फरार हो गया। जांच में स्पष्ट हुआ कि वही टेंपो 27 जून को लूटा गया था।

टेंपो की बरामदगी के बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों की सहायता ली। मोबाइल लोकेशन और अन्य सूचनाओं के आधार पर चिंटू कुमार यादव को रंग बिगहा से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार किया और अपने साथी सूरज रजक की जानकारी भी दी। इसके बाद सूरज को भी पुलिस ने छापेमारी कर दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार तीसरे आरोपी की पहचान हो चुकी है और उसकी गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी। इस घटना के खुलासे से इलाके में अपराधियों के बीच हड़कंप मचा है और आम लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की जमकर सराहना की है।

खरीफ विपणन में सीएमआर आपूर्ति पर सरकार सख्त, 10 अगस्त तक की डेडलाइन तय

- 551 करोड़ रुपये मूल्य का 2,37,346.223 मीट्रिक टन धान जिले में खरीदा गया था।
- इसके बदले 1,62,528.83 मीट्रिक टन सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस) राज्य खाद्य निगम को देना था।
- अब तक 1,50,781.667 मीट्रिक टन सीएमआर की आपूर्ति हो चुकी है।
- 11,700.37 मीट्रिक टन सीएमआर की आपूर्ति शेष, जिसकी कीमत लगभग 39.57 करोड़ है।
- 10 अगस्त 2025 तक शत-प्रतिशत आपूर्ति की अंतिम तिथि तय की गई है।
- धीमी गति से आपूर्ति करने वाली 20 प्रमुख समितियों को चिन्हित किया गया है।
- जिला प्रशासन ने समितियों को अंतिम चेतावनी जारी की है।

» तय समय में सीएमआर नहीं देने पर भारतीय दंड संहिता व सहकारिता अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के अंतर्गत धान खरीद और उसके समतुल्य कस्टम मिल्ड राइस सीएमआर की आपूर्ति को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। 551 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 2,37,346.223 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई थी, जिसके बदले 1,62,528.83 मीट्रिक टन सीएमआर राज्य खाद्य निगम को उपलब्ध कराना था। अब तक 1,50,781.667 मीट्रिक टन सीएमआर की आपूर्ति हो चुकी है, जबकि 11,700.37 मीट्रिक टन सीएमआर अभी भी बकाया है, जिसकी अनुमानित वित्तीय राशि लगभग 39.57 करोड़ रुपये है। इस संबंध में जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार ने सभी समितियों को निर्देश दिया है कि 10 अगस्त 2025 तक शत-प्रतिशत सीएमआर की आपूर्ति हर हाल में पूरी की जाए। लेकिन अब तक कुछ समितियों द्वारा अत्यंत धीमी गति से कार्य किया जा रहा है, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि निर्धारित अवधि में शत-प्रतिशत आपूर्ति संभव नहीं हो पाएगी। जिले की 20 प्रमुख समितियों पर सबसे अधिक सीएमआर बकाया है। इन समितियों में दाउदनगर प्रखंड की संसा समिति (21.03 मी.टन), रफीगंज की बौर समिति (16.45 मी.टन), अकोढा समिति (16.32 मी.टन), ईटार समिति (15.34 मी.टन), अंछा समिति (13.88 मी.टन), सिन्दुवार समिति (11.03 मी.टन), दधपा समिति (9.58 मी.टन), तोल समिति (9.07 मी.टन), भोपतपुर, रामपुर, मिपरा, करसांव, अमिलीना, कचनपुर, तेजपुरा, चापुक, तेयाप और कुरम्हां समितियाँ शामिल हैं। इन सभी समितियों की संयुक्त बकाया सीएमआर की राशि 39.57 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। जिला सहकारिता पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समयसीमा तक शत-प्रतिशत सीएमआर आपूर्ति नहीं हुई, तो इसे सरकारी राशि का गबन माना जाएगा और भारतीय दंड संहिता व सहकारिता अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अपराधिक वादों में किया जा रहा है सक्षम बचाव : सचिव

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अन्तर्गत कार्यरत मुफ्त विधिक प्रतिरक्षा अधिवक्ता प्रणाली का अब असर दिखने लगा है एवं आये दिन लोगों को न सिर्फ जमानत का लाभ मिल रहा है। बल्कि उन्हें सक्षम बचाव के माध्यम से काराधीन बंदियों को रिहा भी कराया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तान्या पटेल ने बताया कि आज ऐसे ही एक मामले में एक मामला विशेष न्यायालय पोक्सो अधिनियम में चल रहा था। जिसमें काराधीन अभियुक्त अनील चैधरी पिता सूरज चौधरी अधिवक्ता के अभाव में उसका न्यायालय में बचाव नहीं हो रहा था। तब विशेष न्यायाधीश, पोक्सो अधिनियम के पत्र के आलोक में उक्त अभियुक्त का सशक्त बचाव हेतु, उप प्रमुख बचाव अधिवक्ता अभिनंदन कुमार को प्रतिनियुक्त करते हुए उसके वाद में बचाव करने का निर्देश दिया गया।

यह वाद ओबरा थाना काण्ड संख्या - 281/23 के तहत दर्ज हुआ था। तथा काफी संगीन मामले में अभियुक्त को काराधीन किया गया था। न्यायालय में अभियुक्त का बचाव मुफ्त विधिक प्रतिरक्षा प्रणाली के द्वारा किया गया है, जिसमें सुचक, पीड़िता एवं अनुसंधानक समेत कुल पांच गवाहों का गवाही एवं अन्य कार्रवाई उपरान्त उक्त वाद में अनिल चौधरी को न्यायालय ने रिहा किया है। रिहा होने के उपरान्त अभियुक्त काफी भावुक हो गया एवं वह कहा कि गरीबों के लिए यह संस्था बहुत ही अच्छा कार्य रहा है।

16 अगस्त से शुरू होगा 'राजस्व विभाग आपके द्वार' अभियान पंचायत स्तर पर मिलेगा भूमि दस्तावेजों में त्रुटि सुधार का मौका

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में भूमि संबंधी दस्तावेजों में विद्यमान त्रुटियों के त्वरित निष्पादन एवं आमजन को सुलभ, पारदर्शी और जवाबदेह राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में 'राजस्व विभाग आपके द्वार' अभियान की शुरुआत 16 अगस्त 2025 से की जा रही है। यह अभियान 20 सितंबर 2025 तक जिले के सभी अंचलों में पंचायत स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिससे आमजन को अपने ग्राम/वार्ड स्तर पर ही राजस्व संबंधी समस्याओं का समाधान प्राप्त हो सकेगा। इस अभियान के सफल संचालन एवं कार्यान्वयन को लेकर बुधवार को समाहरणालय के योजना भवन के सभा कक्ष में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री (भा.प्र.से.) द्वारा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

कार्यशाला में राजस्व विभाग आपके द्वार अभियान से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं, समस्याओं एवं समाधान की तकनीकी और प्रशासनिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को नामांतरण, रसीद निर्गमन, बंटवारा, खाता-पुंज त्रुटियाँ, खेसरा सुधार, दाखिल-खारिज प्रक्रिया में आने वाली तकनीकी कठिनाइयों और उनके त्वरित समाधान की विधियों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही शिविरों के संचालन हेतु आवश्यक डिजिटल संसाधनों, ऑन-स्पॉट सुधार प्रणाली और रिपोर्टिंग के मानक स्वरूप पर भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान राज्य सरकार की सेवा भावना, पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को यह निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजित होने वाले शिविरों का समुचित संचालन सुनिश्चित करें और यह ध्यान रखें कि किसी भी पात्र लाभार्थी को अनावश्यक कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान का उद्देश्य यह है कि आमजन को अपनी भूमि से संबंधित त्रुटियों के सुधार के लिए अंचल कार्यालय का बार-बार चक्कर न लगाना पड़े, बल्कि राजस्व विभाग की सेवा सीधे उनके द्वार तक पहुँचे। शिविरों की तिथि, स्थान एवं समय की पूर्व सूचना पंचायत कार्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, ग्राम सभाओं, सोशल मीडिया एवं प्रचार वाहनों के माध्यम से दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी इसका लाभ ले सकें।

अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निपटारा किया जाएगा तथा सुधार की गई प्रविष्टियों को डिजिटल प्रणाली में अद्यतन किया जाएगा। जिला प्रशासन, औरंगाबाद द्वारा जिलेवासियों से अपील की जाती है कि वे अपने पंचायत स्तर पर आयोजित शिविर में उपस्थित होकर भूमि दस्तावेजों में सुधार हेतु आवेदन करें और इस सुविधा का लाभ उठाएँ। यह अभियान न केवल जनसहभागिता को प्रोत्साहित करता है, बल्कि सुशासन की दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

भाजपा नेता ने की एनएच-139 की फोर लेन की मांग, केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय मेहता ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राष्ट्रीय राजमार्ग-139 (एनएच-139) को फोर लेन बनाए जाने की पुरजोर मांग की है।

संजय मेहता ने इस संबंध में केंद्रीय मंत्री को एक मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि एनएच-139 केवल बिहार के पटना, अरवल और औरंगाबाद जिलों को ही नहीं, बल्कि झारखंड के पलामू, लातेहार, रांची और छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों से भी जोड़ता है। इस मार्ग के माध्यम से कुल पाँच राज्यों की करोड़ों की आबादी प्रतिदिन राजधानी पटना और अन्य क्षेत्रों से जुड़ती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में एनएच-139 केवल दो लेन का है, जिससे रोजाना यातायात का अत्यधिक दबाव रहता है। इसके चलते आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और प्रति दिन औसतन आधा दर्जन लोगों की जान माल की क्षति की सूचना मिलती है। साथ ही घंटों लंबा जाम लगने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मेहता ने कहा कि इस हाईवे से करीब आधा दर्जन राष्ट्रीय राजमार्ग और कई राज्य स्तरीय मार्ग भी जुड़े हुए हैं, जिससे इसकी महत्ता और बढ़ जाती है।

'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए' अभियान को लेकर जिला सचिव की बैठक

13 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए' विशेष अभियान को सफल बनाने हेतु लगातार तीसरे दिन एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का नेतृत्व प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल ने किया। यह बैठक औरंगाबाद के प्रकोष्ठ में आयोजित हुई, जिसमें औरंगाबाद, मदनपुर और कुटुंबा प्रखंड की ग्राम कचहरियों में कार्यरत दर्जनों न्याय मित्र शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य लंबित वादों का निपटारा मध्यस्थता के माध्यम से कराना और राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी करना था। बैठक में बेला पंचायत के रौशन कुमार, कुटुंबा के दिलीप कुमार सिंह, कर्मा भगवान के अशोक कुमार, नौगढ़ के प्रमोद कुमार, पिपरा बगाही की कुमारी शिल्पी सिंह, वर्मा पंचायत के नंदकेश्वर साव, दधपी के इरशाद आलम, पोईवा के उदय कुमार सिन्हा, बेरी के मंतोष कुमार सिंह, जगदीशपुर के अरविंद त्रिपाठी, धुमरी के संजय कुमार, महाराजगंज के धनंजय गुप्ता, घेउरा के शशिभूषण कुमार, कुरम्हा के सुमीत कुमार समेत अन्य पंचायतों से बड़ी संख्या में न्याय मित्र उपस्थित रहे। सचिव तान्या पटेल ने स्पष्ट किया कि यह विशेष अभियान 90 दिनों तक चलेगा, जिसमें व्यवहार न्यायालय और अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय, दाउदनगर में लंबित वादों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सभी न्याय मित्रों से इस अभियान में समर्पित भाव से भाग लेने की अपील की, जिससे अधिक से अधिक वादों का समाधान आपसी सहमति से हो सके।

इस मौके पर न्याय मित्र अध्यक्ष उदय कुमार सिन्हा ने भी न्याय मित्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह अभियान एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसमें आपका सहयोग न केवल न्याय दिलाने में मदद करेगा, बल्कि पीड़ित पक्षों को सुकून और सम्मान भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ग्राम कचहरियों में कार्यरत न्याय मित्र ही न्याय प्रणाली की जड़ हैं, जिन पर आमजन का गहरा भरोसा है।

इस बैठक में एक और महत्वपूर्ण जानकारी दी गई कि आगामी 13 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सुलह योग्य वादों का निस्तारण किया जाएगा। सचिव तान्या पटेल ने बताया कि इस अदालत के जरिए निष्पादित मामले अंतिम माने जाएंगे, जिन पर आगे कोई अपील नहीं होती। उन्होंने कहा कि ग्राम कचहरी के माध्यम से यदि कोई फैसला होता है तो उस पर अपील संभव है, लेकिन लोक अदालत का फैसला अंतिम होता है, जो समय और ऊर्जा दोनों की बचत करता है।

वाहन जांच के दौरान चोरी की बाइक के साथ एक युवक गिरफ्तार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले की पुलिस ने वाहन जांच के क्रम में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी की एक मोटरसाइकिल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद के निर्देश पर जिले भर में चल रहे वाहन जांच अभियान के दौरान यह कार्रवाई की गई। मिली जानकारी के अनुसार जम्होर थाना क्षेत्र के मोरिंडीहरी गांव के पास गुप्त सूचना के आधार पर वाहन जांच के दौरान एक युवक को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए युवक को जम्होर थाना लाया गया, जहां पूछताछ के क्रम में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इस मामले में जम्होर थाना में कांड संख्या 200/25 दिनांक 5 अगस्त 2025 को भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार युवक की पहचान पिंटू कुमार पिता जयप्रकाश सिंह, साकिन खैरा बीघा थाना दाउदनगर, जिला औरंगाबाद के रूप में हुई है। उसके पास से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को लेकर लोगों में विश्वास बढ़ा है, साथ ही वाहन चोरों के खिलाफ सख्ती का भी संदेश गया है।

सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज में प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र की प्रवेश परीक्षा आयोजित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए सच्चिदानंद सिन्हा महाविद्यालय परिसर स्थित प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र में बुधवार को ग्रीष्मकालीन सत्र के लिए प्रवेश परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस परीक्षा में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे महाविद्यालय परिसर में दिनभर शैक्षणिक उत्साह बना रहा। सुबह से ही परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की भीड़ महाविद्यालय में लगने लगी थी। परीक्षा केंद्र में अनुशासित माहौल में पूरे आयोजन को संपन्न कराया गया। छात्रों के चेहरों पर प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उनकी गंभीरता और तैयारी साफ देखी जा सकती थी। गौरतलब है कि यह प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र बिहार सरकार के बिहार राज्य पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बीपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग, बीएड आदि जैसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क तैयारी कराने का अवसर प्रदान करना है। परीक्षा के सफल संचालन में केंद्र के निदेशक मोहम्मद मसउद आलम (विभागाध्यक्ष, जंतु विज्ञान विभाग) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके साथ सहायक प्राध्यापक शशिकांत कुमार (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग), चंदन कुमार, आमिर गुफरान सहित अन्य कर्मियों का भी सराहनीय सहयोग रहा।

छात्रों ने भी इस पहल के लिए सरकार और महाविद्यालय प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे निशुल्क प्रशिक्षण केंद्र उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सशक्त बनाते हैं।

भाई-बहन के रिश्तों का पवित्र त्योहार रक्षा बंधन नौ अगस्त को

हसपुरा(औरंगाबाद)(नि.सं.)। भाईयों की सलामती के लिए शिव भक्ति के पवित्र सावन माह की पूर्णिमा पर भाईयों की कलाई में रक्षा सूत्र बांधने की परंपरा युग-युगांतर से चली आ रही है। इस बार वर्ष 2025 की सावन पूर्णिमा शनिवार 9 अगस्त को है। इस दिन शुभ मुहूर्त में बहनें भाईयों की कलाई पर राखी(रक्षा सूत्र) बांध सकती है। औरंगाबाद के हसपुरा प्रखंड के कोईलवां गांव निवासी आचार्य पंडित लालमोहन शास्त्री ने बताया कि 09 अगस्त श्रावणी पूजा, उपाकर्म(जनेऊ पूजा) और रक्षा बंधन का बेहद महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक दिवस है। उन्होने बताया कि शुक्रवार 08 अगस्त को सत्य नारायण व्रत कथा का समय संध्या काल है। इसी दिन रात्रि 01.50 बजे से पूर्णिमा का प्रारंभ होगा, जो अगले दिन शनिवार 09 अगस्त को 01.23 बजे तक रहेगा। इसके बाद भद्रा नक्षत्र इसी दिन रात्रि में O1.40 बजे तक पाताल में रहेगी। भद्रा नक्षत्र में रक्षा बंधन और दहन नही करना चाहिए। इसलिए शनिवार 09 अगस्त को प्रातः काल में 06.32 बजे से दिन के 01.23 बजे तक ही रक्षा बंधन का सर्वोतम मुहूर्त है।

पीएनबी ने चलाया वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

पंजाब नेशनल बैंक रफीगंज शाखा और कियाखाप द्वारा संयुक्त रूप से रफीगंज प्रखंड परिसर में वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रणी जिला प्रबंधक आनंद वर्धन ने की। शिविर में उपस्थित लोगों को जन-धन योजना के तहत री-केवाईसी की प्रक्रिया, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना के लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। जिला प्रबंधक आनंद वर्धन ने बताया कि ये सभी योजनाएं आम जनता के आर्थिक सुरक्षा के लिए बनाई गई हैं, और प्रत्येक व्यक्ति को इनका लाभ अवश्य लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन-धन खाते के माध्यम से गरीब और ग्रामीण तबकों को सीधे बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

सदर विधायक आनंद शंकर को पितृ शोक, यमुना सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

सदर विधायक आनंद शंकर सिंह के पूज्य पिता यमुना सिंह के आकस्मिक निधन पर जिला में शोक की लहर दौड़ गई। इस दुखद अवसर पर मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित महाराणा प्रताप चौक के समीप सिद्ध पीठ परिसर में एक शोकसभा का आयोजन किया गया, जहां उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। शोकसभा की अध्यक्षता जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने की, जबकि संचालन पूर्व पुलिस अधिकारी सिंहेश सिंह ने किया। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने यमुना सिंह की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ. सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने यमुना सिंह के व्यक्तित्व और उनके जनसेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें एक आदर्श और मानवतावादी व्यक्तित्व का धनी बताया। उन्होंने कहा कि यमुना बाबू ने औरंगाबाद विधानसभा क्षेत्र में कई स्थायी व महत्वपूर्ण कार्य किए। सत्यचंडी धाम रायपुरा के विकास में भी उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। इस मौके पर सिद्ध पीठ के पीठाधीश्वर पुरुषोत्तम पाठक, डॉ. शिवपूजन सिंह, इंजीनियर अर्जुन सिंह, रामसुरेश सिंह, नारायण सिंह, रामभजन सिंह, प्रोफेसर रामविलास सिंह, कवि लवकुश प्रसाद सिंह सहित दर्जनों श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने विधायक के पिता के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। सभी लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि इस कठिन समय में विधायक आनंद शंकर सिंह और उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

70 लीटर देशी शराब के साथ बाइक जब्त

कुटुंबा (औरंगाबाद)(नि.सं.)। जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, सेवन और परिवहन पर पूर्णतः अंकुश लगाने को लेकर औरंगाबाद पुलिस लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कुटुंबा थाना क्षेत्र के गमहरिया गांव में छापेमारी कर 70 लीटर देशी शराब के साथ एक मोटरसाइकिल को जब्त किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सूचना मिली थी कि शराब की एक बड़ी खेप गांव में लाकर कहीं भेजने की तैयारी की जा रही है। तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गमहरिया गांव में छापा मारा और एक मोटरसाइकिल पर लदी कुल 70 लीटर देशी शराब को बरामद कर लिया। इस दौरान शराब तस्कर मौके से फरार हो गया, जिसकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

एड्स जागरूकता को लेकर सिंहा कॉलेज में रेड रन का आयोजन, युवाओं में दिखा उत्साह

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में बुधवार को सच्चिदानंद सिंहा कॉलेज के खेल मैदान में रेड रन 2025 का आयोजन किया गया। इस दौड़ का उद्देश्य युवाओं में एचआईवी/एड्स और स्वास्थ्य संबंधी विषयों को लेकर जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने बताया कि यह दौड़ कुल 5 किलोमीटर की रही, जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। चयनित प्रतिभागी आगे राज्य स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता में भी हिस्सा लेंगे। रेड रिबन क्लब, औरंगाबाद के जिला नोडल पदाधिकारी बहादुर भीम कुमार सिंह ने जानकारी दी कि रेड रन 2025 को राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत तीन चरणों में — महाविद्यालय स्तर, जिला स्तर और राज्य स्तर पर प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं। औरंगाबाद जिले के लिए बहादुर भीम कुमार सिंह को रेड रिबन क्लब का नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि महाविद्यालय स्तर पर लक्ष्य रन के रूप में यह दौड़ आयोजित की गई, जिससे प्रतिभागियों की शारीरिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके। जिला स्तर की प्रतियोगिता 5 अगस्त से 29 अगस्त 2025 तक आयोजित की जाएगी, जिसके बाद राज्य स्तरीय आयोजन होगा। इस अवसर पर डॉ. रवि रंजन कुमार, एमवाईसी की दिव्या शर्मा, एनसीसी के सूबेदार मेजर समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।